जबलपुर शुक्रवार 09 अक्टूबर 2026 > भाद्रपद शुक्ल पक्ष, चतुर्दशी

वर्ष 32 अंक 102 मूल्य₹ 3.00 > पेज 12 > आर.एन.आई. पंजीयन नम्बर 64561/96

www.swatantramat.com

स्वतंत्र मत

अब हर रोज दर्पण ⏵⏵ 3

मौसम

अधिकतम तापमान 34.8 °C

न्यूनतम तापमान 21.4 °C

सूर्योदय - 6.05 | सूर्यास्त - 5.50

स्वतंत्र मत में विज्ञापन देने के लिए 9589920250 पर कॉल करें * स्वतंत्र मत का अंक प्राप्त करने के लिए 9301359695 पर कॉल करें।

त्योहारों से पहले सतना पुलिस अलर्ट... ⏵⏵ 4

जरासंध के लुक से किरदार में पूरी तरह ... ⏵⏵ 7

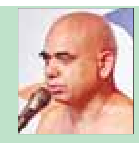

दृढ़ इच्छाशक्ति और सहनशीलता जरूरी ... ⏵⏵ 8

जीएसटी: अब छोटी गलती पर नहीं होगी बड़ी कार्यवाही

टैक्स अधिकारियों से छिना गिरफ्तारी का अधिकार, मुकदमे की सीमा 5 करोड़

नई दिल्ली

जीएसटी काउंसिल की 57वीं बैठक में बड़ा फैसला लिया गया। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण की अध्यक्षता में गुरुवार को हुई इस अहम बैठक में टैक्स अधिकारियों से मनमानी गिरफ्तारी का अधिकार छीन लिया गया। अब किसी भी मामले में गिरफ्तारी के लिए अधिकारियों को पहले कोर्ट से आदेश लेना होगा। इससे व्यापारियों में बेवजह का डर खत्म होगा। यह फैसला व्यापारियों और टैक्सपेयर्स के लिए बड़ी राहत दे सकता है। इस बैठक में हुए सुधारों की राज्यों ने भी जमकर तारीफ की। पश्चिम बंगाल के वित्त मंत्री स्वप्न दासगुप्ता ने इन फैसलों को काफी सकारात्मक बताया। उन्होंने कहा, पश्चिम बंगाल जैसे राज्य के लिए जीएसटी हमेशा से बहुत फायदेमंद रहा है। हमारे कुल रेवेन्यू का एक बहुत बड़ा हिस्सा जीएसटी से ही आता है। दासगुप्ता ने आगे कहा कि इस बार की बैठक में 'स्ट्रक्चरल' सुधारों पर खास जोर दिया गया है। नियमों और प्रस्तावों को तर्कसंगत बनाने से देश में 'ईज ऑफ डूइंग बिजनेस' यानी व्यापार करने की सहूलियत को काफी बढ़ावा मिलेगा। दासगुप्ता ने यह भी बताया कि जीएसटी अधिकारियों की मनमानी को रोकने के लिए गिरफ्तारी के अधिकार छीन लिए गए हैं। इस बैठक के बाद जीएसटी 2.0 की दिशा में कदम बढ़ाते हुए कागजी कार्रवाई और इंस्पेक्टर राज को खत्म कर, पूरा सिस्टम डेटा और ऑटोमेशन पर आधारित कर दिया गया है। अब टैक्स के रेट तय हो चुके हैं, इसलिए काउंसिल का पूरा ध्यान इस बात पर है कि रोजगार के काम कैसे आसान हों। व्यापारियों का ज्यादा वास्ता रेट से नहीं, बल्कि रजिस्ट्रेशन, रिटर्न और रिफंड से पड़ता है। अब सिस्टम बेचने वाले और खरीदने वाले के बिलों का पक्का मिलान करता है, जिससे फर्जीवाड़ा तुरंत पकड़ में आ जाता है। अब लो-रिस्क यानी कम जोखिम वाले व्यापारियों को सिस्टम खुद 3 दिन के अंदर रजिस्ट्रेशन दे रहा है। इसमें किसी अफसर का कोई दखल नहीं होता। 61 फीसदी रजिस्ट्रेशन इसी तरीके से हो रहे हैं।

रजिस्ट्रेशन फॉर्म अब और भी आसान होगा। नाम, पते या डायरेक्टर बदलने जैसे बदलावों के आवेदन अब सिस्टम खुद-ब-खुद मंजूर कर लेगा।

गिरफ्तारी, मुकदमा और जुर्माना

जीएसटी से गिरफ्तारी का अधिकार पूरी तरह हटा दिया गया है। मुकदमा (प्रॉसिक्यूशन) चलाने की सीमा 1 करोड़ रुपए से बढ़ाकर 5 करोड़ रुपए कर दी गई है। सामान्य जुर्माना 25,000 रुपए से घटाकर 10,000 रुपए कर दिया गया है। यह इसलिए मुमकिन हुआ क्योंकि अब सारा खेल डेटा और सिस्टम का है, डराने-धमकाने की जरूरत नहीं रही। 10,000 रुपए से कम के मामले में कोई नोटिस भी नहीं भेजा जाएगा। नोटिस भेजने, सुनवाई करने और आदेश देने का एक तय स्टैंडर्ड होगा।

व्यापार और जिंदगी हुई आसान

1. **कारोबार बंद करना :** छोटे टैक्सपेयर्स के लिए बिजनेस बंद करने (कैंसिलेशन) का प्रोसेस ऑटोमैटिक होगा। अब आखिरी रिटर्न भरना भी इसी प्रक्रिया का हिस्सा होगा।
2. **छोटे व्यापारियों को छूट :** 5 करोड़ रुपए तक के टर्नओवर वाले व्यापारी, जो सिर्फ सीधे ग्राहकों को माल बेचते हैं, वे अब साल में एक बार रिटर्न भरेंगे और टैक्स तिमाही जमा करेंगे।
3. **रास्ते में माल की चेकिंग :** अब सड़क पर कोई भी अफसर यूं ही गाड़ी नहीं रोक सकेगा। गाड़ी रोकने के लिए जॉइंट कमिश्नर रैंक के अफसर की मंजूरी और पक्की खुफिया जानकारी होनी चाहिए। माल की चेकिंग सिर्फ उसी राज्य में होगी जहां से माल चला है या जहां पहुंचना है। बीच के राज्य (ट्रांजिट स्टेट) रास्ते में गाड़ी नहीं रोक सकेंगे।

कनाडा की ऐनी कार्सन को साहित्य का नोबेल

ओटावा। कनाडाई लेखिका ऐनी कार्सन को वर्ष 2026 के साहित्य के नोबेल पुरस्कार से सम्मानित करने की घोषणा की गई है। स्वीडिश अकादमी ने गुरुवार को इस प्रतिष्ठित पुरस्कार का एलान करते हुए कहा कि ऐनी कार्सन को उनके साहसी और कल्पनाशील लेखन के लिए यह सम्मान दिया गया है। अकादमी के अनुसार, कार्सन के लेखन ने क्लासिकल (शास्त्रीय) परंपराओं के साथ एक रोचक संवाद स्थापित करते हुए समकालीन साहित्य के लिए नए आयाम और रूप गढ़े हैं। कनाडाई लेखिका ऐनी कार्सन ने 1990 के दशक में कई मशहूर रचनाएं लिखीं हैं।

अग्निवीर की चाह में फर्जीबाड़ा, 13 अभ्यर्थी पकड़े

ग्वालियर। भारतीय सेना की अग्निवीर भर्ती में शामिल होने के लिए 22 वर्ष की अधिकतम आयु सीमा पार कर चुके 13 युवाओं ने फर्जीवाड़े का रास्ता चुना। उन्होंने फर्जी मार्कशीट और आधार कार्ड तैयार करा लिए। इनमें अपनी जन्मतिथि और पता ही नहीं, नाम भी बदल लिया। इनके आधार पर आवेदन कर भर्ती में शामिल होने के लिए ग्वालियर पहुंच गए, लेकिन उनका फर्जीवाड़ा पकड़ा गया। फर्जीवाड़ा करने वाले ये 13 अभ्यर्थी उत्तर प्रदेश के बताए गए हैं। इनमें पांच आगरा के रहने वाले हैं।

आज से महंगा होगा हवाई सफर

नई दिल्ली। विमान ईंधन (एटीएफ) की कीमतों में लगातार हो रही बढ़ोतरी को देखते हुए एअर इंडिया और एअर इंडिया एक्सप्रेस ने अपने घरेलू और चुनिंदा अंतरराष्ट्रीय रूटों पर फ्यूल सरचार्ज में संशोधन की घोषणा की है। ग्लोबल एनर्जी मार्केट में दबाव और भू-राजनीतिक अनिश्चितताओं के कारण ईंधन की कीमतों में आई तेजी से एयरलाइंस की परिचालन लागत (आपरेटिंग कास्ट) काफी बढ़ गई है। कंपनी के अनुसार, यह संशोधित फ्यूल सरचार्ज एअर इंडिया एक्सप्रेस के लिए 9 अक्टूबर को रात 12 बजे से और एअर इंडिया के लिए नौ अक्टूबर को सुबह 11 बजे से की जाने वाली नई बुकिंग्स पर लागू होगा।

हमलों में अब तक 16 भारतीय नाविकों की मौत

नई दिल्ली। पश्चिम एशिया और फारस की खाड़ी क्षेत्र में जारी संघर्षों के दौरान अब तक 11 भारतीय नाविकों की मौत हुई है। शिपिंग सचिव विजय कुमार ने गुरुवार को यह जानकारी दी। वहीं, ब्लैक सी में हमलों के चलते 5 भारतीय नाविकों की जान गई है। इस तरह दोनों क्षेत्रों में कुल 16 भारतीय नाविकों की मौत हुई है। विजय कुमार ने बताया कि भारत सरकार स्टेट ऑफ होर्मुज से 4,232 भारतीय नाविकों को सुरक्षित भारत ला चुकी है।

'सीईसी पर रण...इस्तीफे का प्रण'

ज्ञानेश कुमार के खिलाफ विपक्ष ने लगातार तीसरे दिन किया प्रदर्शन

नई दिल्ली

मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे और एसआईआर के विरोध में विपक्ष ने गुरुवार को लगातार तीसरे दिन दिल्ली में प्रदर्शन किया। कनॉट प्लेस के मोएट्स रेस्टोरेंट में लंच के बाद राहुल-प्रियंका गांधी सहित कई विपक्षी सांसद राजघाट पहुंचे। इससे पहले कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे, राहुल गांधी, प्रियंका गांधी समेत विपक्षी सांसद जंतर-मंतर की ओर बढ़े थे, जहां पुलिस ने उन्हें हिरासत में लिया था। करीब 2 घंटे बाद सबको रिहा कर दिया गया। उसके बाद राहुल गांधी ने विपक्षी सांसदों के साथ राजघाट पर महात्मा गांधी को श्रद्धांजलि दी। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने कहा कि हम शांतिपूर्ण प्रदर्शन करना चाहते हैं और हमें प्रदर्शन से रोका जा रहा है। उन्होंने आरोप लगाया है कि हमारे लोगों को मारा गया और हमें शांतिपूर्ण प्रदर्शन से रोका जा रहा है। राहुल गांधी ने कहा, करीब 300 सांसद शांतिपूर्ण धरना करना चाहते हैं, लेकिन पहले दिन हमें चुनाव आयोग के दफ्तर के पास रोका गया। फिर दूसरे दिन हमें जंतर-मंतर जाने से रोका गया और हमारे लोगों को मारा। सच्चाई ये है कि नरेंद्र मोदी, अमित शाह, मोहन भागवत और ज्ञानेश कुमार ने क्रिमिनल कॉन्सपिरेसी करके देश को हाईजैक किया है। संविधान को नष्ट किया और वोट चोरी की है। वहीं, कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा, गांधी, नेहरू और सरदार पटेल जैसे महान नेताओं ने हमें दिलाई थी और मोदी और शाह उस आजादी को छीन रहे हैं। हम देश को ये बताना चाहते हैं कि बीजेपी सरकार हमसे वोट देने का अधिकार छीन रही है। कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा- हम सभी, यानी इंडी गठबंधन के सांसद, गांधी स्मारक जा रहे हैं। वहां हम धरना देंगे और शांति से बैठकर बस यही प्रार्थना करेंगे कि भाजपा सरकार, मोदी और शाह को सदबुद्धि मिले। वे जो कर रहे हैं, वह देश के हित में नहीं है। चाहे वह वोट चोरी का मामला हो, देश में बढ़ती महंगाई हो या युवाओं की समस्या।

आज राष्ट्रपति से करेंगे मुलाकात

मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार का इस्तीफा और एसआईआर और मतदाता सूची में कथित गड़बड़ियों को लेकर इंडिया ब्लॉक का 10 सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से राष्ट्रपति भवन में मुलाकात करेगा। राहुल गांधी और मल्लिकार्जुन खड़गे के प्रतिनिधिमंडल में शामिल होने की खबर है। ऐसी भी खबर है कि विपक्ष शुक्रवार को लगातार चौथे दिन भी प्रदर्शन कर सकता है।

10 अक्टूबर को सीजेपी का प्रदर्शन

कॉकरोच जनता पार्टी ने ऐलान किया है कि वह 10 अक्टूबर को दिल्ली के जंतर-मंतर पर प्रदर्शन करेगी। पार्टी ने 7 अक्टूबर को दिल्ली पुलिस को प्रदर्शन की सूचना दी थी, लेकिन पुलिस ने इसकी अनुमति नहीं दी है। इसके बावजूद संगठन ने प्रदर्शन करने की बात कही है। अभिजीत दीपके ने सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए लिखा- सत्ता आपके पास हो सकती है, लेकिन सड़कें हमारी हैं। यहीं से हम अपना लोकतंत्र वापस लेंगे। एक अन्य पोस्ट में उन्होंने दावा किया कि 10 अक्टूबर के प्रदर्शन से पहले बड़ी संख्या में लोगों को हिरासत में लिया जा रहा है। उन्होंने लिखा- मोदी को लगता है कि लोगों को जेल में डालकर विरोध की आवाज को दबाया जा सकता है। जितने ज्यादा लोगों को हिरासत में लिया जाएगा, उतने ही ज्यादा लोग प्रदर्शन में शामिल होंगे।

नहीं रहे सिनेमा के क्रांतिवीर

अभिनेता नाना पाटेकर का 75 साल की उम्र में निधन

पणजी। गुरुवार की सुबह देशवासियों के लिए बुरी खबर लेकर आई। मशहूर बॉलीवुड अभिनेता नाना पाटेकर का सुबह 5.20 पर 75 साल की उम्र में निधन हो गया। उन्हें गोवा स्थित घर में कार्डियक अरेस्ट हुआ था। खबरों के मुताबिक उनके सहयोगियों ने कार्डियक अरेस्ट के लक्षणों को देखते हुए करीब 45 मिनट तक कार्डियोपल्मोनरी रिससिटेशन (सीपीआर) दी, लेकिन उन्हें बचाया नहीं जा सका।

नाना पाटेकर हिंदी और मराठी सिनेमा के उन अभिनेताओं में शुमार रहे जिन्होंने गंभीर, दमदार और अलग तरह के किरदारों से अपनी पहचान बनाई। उन्हें पद्मश्री समेत तीन राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार और कई बड़े सम्मान मिले हैं। गोवा के मणिपाल अस्पताल के ऑन्कोलॉजी विभाग के प्रमुख डॉ. शेखर सालकर ने बताया कि नाना पाटेकर को उनके घर पर गंभीर कार्डियक अरेस्ट आया था। लगातार 45 मिनट तक सीपीआर देने के बावजूद उनकी हालत नहीं संभली और उनकी मौत हो गई। डॉ. सालकर के मुताबिक, मामले में मेडिको-लीगल केस (एमएलसी) दर्ज किया गया है। अब नाना पाटेकर का पोस्टमार्टम कराया जाएगा। डॉक्टर के मुताबिक, रात करीब 2.30 बजे नाना पाटेकर ने अपने एक दोस्त को मैसेज कर तबीयत ठीक न होने की जानकारी दी थी। रात होने के कारण दोस्त वह मैसेज तुरंत देख नहीं पाया, लेकिन बाद में उसने फोन किया और करीब 4 बजे उनके घर पहुंचा। वे पसीने से तरबतर और अचेत अवस्था में थे, जिसके बाद उन्हें अस्पताल पहुंचाया गया। विश्वनाथ पाटेकर, जिन्हें दुनिया नाना पाटेकर के नाम से जानती है, हिंदी और मराठी सिनेमा के चर्चित अभिनेताओं में शामिल थे। उनका जन्म 1 जनवरी 1951 को महाराष्ट्र के रायगढ़ जिले के मुरुड-जंजीरा में हुआ था। वह सिर्फ अभिनेता ही नहीं, बल्कि फिल्म निर्माता, निर्देशक और लेखक भी रहे। उन्हें भारतीय सिनेमा के बेहतरीन और प्रभावशाली अभिनेताओं में गिना जाता है। नाना पाटेकर का अंतिम संस्कार पुणे ग्रामीण के डोंजे गांव स्थित उनके फार्म हाउस के पास किया गया।

कैंसर की दवाएं: गैर-अनुसूचित दवाओं का ट्रेड मार्जिन 30 प्रतिशत तक सीमित

नई दिल्ली। कैंसर मरीजों को महंगी दवाओं से राहत देने के लिए सरकार ने बड़ा फैसला लिया है। सरकार ने सभी गैर-अनुसूचित कैंसर रोधी दवाओं पर ट्रेड मार्जिन को अधिकतम 30 फीसदी तक सीमित करने का निर्णय लिया है। यह नियम ब्रांडेड और जेनेरिक, घरेलू और आयातित तथा पेटेंट वाली और गैर-पेटेंट वाली दवाओं पर लागू होगा। सरकार का कहना है कि इस कदम का उद्देश्य दवाओं की कीमतों में शामिल अत्यधिक ट्रेड मार्जिन को कम करना है, ताकि कैंसर के इलाज में इस्तेमाल होने वाली जीवनरक्षक दवाएं मरीजों के लिए अधिक किफायती हो सकें। सरकार के मुताबिक, इस फैसले से कुछ दवाओं के अधिकतम खुदरा मूल्य में 70 फीसदी तक की कमी आ सकती है। इससे कैंसर के इलाज पर होने वाला मरीजों का अपनी जेब से खर्च यानी आउट-ऑफ-पॉकेट एक्सपेंडिचर कम होने की उम्मीद है। सरकार ने अनुमान लगाया है कि इस फैसले से मरीजों को हर साल करीब 2,500 करोड़ रुपये की बचत हो सकती है। नए फैसले की खास बात यह है कि इसमें गैर-अनुसूचित श्रेणी की कैंसर रोधी दवाओं को व्यापक रूप से शामिल किया गया है। यानी ब्रांडेड और जेनेरिक, देश में बनी और आयातित तथा पेटेंट और गैर-पेटेंट दवाओं पर ट्रेड मार्जिन की सीमा लागू होगी। इसका मकसद दवा की कीमत और मरीज द्वारा चुकाई जाने वाली वास्तविक राशि के बीच के अंतर को कम करना है।

सीएपीएफ अफसरों की भर्ती सेवा का नया कानून लागू

5 सुरक्षा बलों में हो सकेगा आईपीएस का डेपुटेशन-प्रमोशन

नई दिल्ली। देश में सीएपीएफ (जनरल एडमिनिस्ट्रेशन) एक्ट 2026 लागू हो गया। गृह मंत्रालय की अधिसूचना के मुताबिक, यह कानून 8 अक्टूबर से प्रभावी है। नया कानून, सीएपीएफ में ग्रुप-ए जनरल ड्यूटी और दूसरे अधिकारियों की भर्ती, प्रमोशन, डेपुटेशन और सेवा शर्तों का एक जैसा ढांचा तय करता है। कानून ऐसे समय लागू हुआ है, जब सुप्रीम कोर्ट में हजारों सीएपीएफ अफसर इसकी वैधता को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर सुनवाई कर रहा है। यह कानून संसद ने अप्रैल में पास किया था। यह कानून केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल, सीमा सुरक्षा बल, केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल, भारत-तिब्बत सीमा पुलिस और सशस्त्र सीमा बल में अफसरों की भर्ती और सेवा नियमों को नियंत्रित करेगा।

आलोचना का अधिकार बदनाम करने का नहीं

नई दिल्ली। देश में सांविधानिक संस्थाओं की साख और उनकी स्वायत्तता को लेकर एक बड़ी बहस छिड़ गई है। इसी बीच 42 पूर्व जजों और सेवानिवृत्त सांविधानिक अधिकारियों ने भारत के नागरिकों के नाम एक खुला पत्र लिखा। जजों ने स्पष्ट किया है कि वे किसी भी राजनीतिक दल के पक्षधर नहीं हैं, लेकिन आज के दौर में साधे रखी गई चुप्पी निष्पक्षता नहीं हो सकती। उनका मानना है कि जब देश की बुनियादी संस्थाओं को लगातार निशाना बनाया जा रहा हो, तब सामने आकर सच बोलना बेहद जरूरी हो जाता है। इस खुले पत्र में 42 पूर्व जजों ने चुनाव आयोग, न्यायपालिका और अन्य सांविधानिक निकायों पर हो रहे सुनियोजित हमलों पर गहरी चिंता व्यक्त की है। उन्होंने कहा कि संस्थाओं की स्वस्थ आलोचना करना एक लोकतांत्रिक अधिकार है, लेकिन दुर्भावना से उन्हें बदनाम करना लोकतंत्र के खिलाफ है। मंचों से सांविधानिक संस्थाओं को खुलेआम चोर, कठपुतली और समझौतावादी कहना बेहद खतरनाक है। बिना किसी कानूनी सबूत के प्रेस कॉन्फ्रेंस में वोट चोरी के मनगढ़ंत आरोप लगाए जा रहे हैं, जबकि अदालत में कोई सबूत पेश नहीं किया जाता। पूर्व जजों ने पत्र में तीखा सवाल उठाते हुए कहा है कि चुनाव कराने वाले निष्पक्ष अधिकारियों को खुलेआम डराया-धमकाया जा रहा है और सत्ता बदलने पर बदले की कार्रवाई की धमकियां दी जा रही हैं।

42 पूर्व जजों ने चुनाव आयोग के समर्थन में लिखा पत्र

झारखंड में डीजीपी नियुक्ति पर घिरी सरकार

नियम हमारे फैसले के खिलाफ : सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली

सुप्रीम कोर्ट ने झारखंड के डीजीपी की नियुक्ति से जुड़े राज्य सरकार के नियमों पर कड़ी आपत्ति जताई है। मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची व न्यायमूर्ति वी. मोहना की पीठ ने कहा कि पहली नजर में ये नियम सुप्रीम कोर्ट के पुराने फैसले के खिलाफ नजर आते हैं। अदालत ने डीजीपी बनाई गई वरिष्ठ आईपीएस अधिकारी तदाशा मिश्रा से भी जवाब मांगा है। शीर्ष अदालत ने झारखंड सरकार को इस प्रावधान पर पुनर्विचार करने के लिए एक सप्ताह का समय दिया है। साथ ही राज्य से कहा है कि यदि वह नियम में बदलाव नहीं करना चाहता है, तो उसे अदालत के समक्ष इसका बचाव करना होगा। केंद्र सरकार ने झारखंड सरकार की ओर से 8 जनवरी 2025 को जारी 'झारखंड डीजीपी चयन और नियुक्ति विनियमन, 2025' को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी है। केंद्र का कहना है कि ये नियम पुलिस प्रमुख की नियुक्ति को लेकर सुप्रीम कोर्ट के प्रकाश सिंह फैसले के अनुरूप नहीं हैं। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि नियमों को रद्द करने की स्थिति में तदाशा मिश्रा प्रभावित हो सकती हैं। इसलिए, अदालत उन्हें अपना पक्ष रखने का मौका दे रही है। दरअसल, राज्य के नियमों में छह महीने से कम सेवा अवधि वाले अधिकारी को भी डीजीपी बनाने की अनुमति दी गई है। अगर सुप्रीम कोर्ट इन नियमों को रद्द करता है, तो इसका सीधा असर तदाशा मिश्रा की नियुक्ति पर पड़ सकता है। इसी वजह से अदालत ने उन्हें अपना पक्ष रखने का मौका दिया है। सुनवाई के दौरान जस्टिस जॉयमाल्या बागची ने साफ कहा कि अदालत की चिंता इस बात से नहीं है कि केंद्र या राज्य में किस दल की सरकार है। उन्होंने कहा कि सुप्रीम कोर्ट का बाध्यकारी कर्तव्य है कि वह यह सुनिश्चित करे कि उसके घोषित कानून को कमजोर या बेअसर न किया जाए। इतना ही नहीं, सुप्रीम कोर्ट ने झारखंड सरकार को डीजीपी की नियुक्ति से जुड़े नियमों पर एक सप्ताह के भीतर दोबारा विचार करने से उन्हें उचित ठहराने का निर्देश दिया है।

दूसरे राज्यों के नियम भी देखे जाएंगे

शीर्ष अदालत ने मामले में नियुक्त एमिकस क्यूरी से अन्य राज्यों में डीजीपी की नियुक्ति से जुड़े कानूनों और नियमों का भी अध्ययन करने को कहा है। इसके जरिए सुप्रीम कोर्ट अलग-अलग राज्यों की व्यवस्थाओं की तुलना करेगा और यह देखेगा कि वहां डीजीपी नियुक्ति के नियम उसके पहले के निर्देशों के अनुरूप हैं या नहीं।

स्वतंत्र मत
जबलपुर
शुक्रवार 09 अक्टूबर 2026

कांग्रेस ने मनाया काला दिवस

गांधी चौक पर कांग्रेसजनों ने काली पट्टियां बांधकर जताया विरोध

शहडोल (स्वतंत्र मत)। भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस द्वारा 08 अक्टूबर को लोकतंत्र और संविधान की रक्षा के लिए 'काला दिवस' के रूप में मनाया गया। इसी क्रम में जिला कांग्रेस कमेटी के जिलाध्यक्ष अजय अवस्थी के नेतृत्व में कांग्रेसजनों ने गांधी चौक पर काली पट्टियां बांधकर विरोध दर्ज कराया।इस अवसर पर जिला कांग्रेस अध्यक्ष अजय अवस्थी ने कहा कि कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे एवं लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के नेतृत्व में कांग्रेस तथा प्छक्प्। गठबंधन के सांसद निर्वाचन आयोग से जवाबदेही की मांग को लेकर शांतिपूर्ण ढंग से जंतर-मंतर की ओर बढ़ रहे थे। इस दौरान उन्हें रोका गया और उनके साथ कथित रूप से बलपूर्वक व्यवहार किया गया। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी, प्रियंका गांधी वाड्रा, वरिष्ठ कांग्रेस नेताओं तथा इण्डिया गठबंधन के सांसदों के साथ किए गए दुर्व्यवहार और लाठीचार्ज की घटना अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण एवं लोकतांत्रिक मूल्यों के विपरीत है। उन्होंने आरोप लगाया कि इस कार्रवाई में कई नेताओं को गंभीर चोटें भी आईं। अजय अवस्थी ने कहा कि लोकतांत्रिक तरीके से अपनी बात रखने वाले लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष एवं जनता के निर्वाचित प्रतिनिधियों के साथ बलपूर्वक व्यवहार करना लोकतंत्र और संविधान की गरिमा पर आघात है।

कांग्रेस शांतिपूर्ण एवं लोकतांत्रिक माध्यमों से निर्वाचन प्रक्रिया में पारदर्शिता और जवाबदेही की मांग करती रहेगी।उन्होंने कहा कि भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस ने इस घटना के विरोध में 08 अक्टूबर को भारतीय लोकतंत्र के लिए 'काला दिवस' घोषित किया है। इसी भावना के साथ शहडोल में कांग्रेसजनों ने काली पट्टियां बांधकर लोकतांत्रिक अधिकारों, संविधान और संवैधानिक संस्थाओं की स्वतंत्रता के प्रति अपनी प्रतिबद्धता व्यक्त की। इस दौरान जिलाध्यक्ष अजय अवस्थी,पूर्व जिलाध्यक्ष सुभाष गुप्ता,पूर्व जिलाध्यक्ष नीरज द्विवेदी,जिला उपाध्यक्ष कुलदीप निगम,वरिष्ठ कांग्रेसी सुनील खरे,जिला मुख्य प्रवक्ता पीयूष शुक्ला,जिला उपाध्यक्ष अनुज मिश्रा,नगर अध्यक्ष प्रभात पाण्डेय, युवाकाँग्रेस जिला उपाध्यक्ष आशीष तिवारी,एनएसयूआई जिलाध्यक्ष सौरभ तिवारी,पूर्व पार्षद जितेंद्र सिंह,सोहागपुर ब्लाक अध्यक्ष प्रीतमदास सोनी,अनूपपुर कार्यवाहक अध्यक्ष संतोष पाण्डेय, ब्लॉक अध्यक्ष अजीत सोनी,पार्षद हीरालाल प्रजापती,शिक्षक प्रकोष्ठ जिलाध्यक्ष रामनरेश तिवारी,कौमी एकता अध्यक्ष सबी खान बंटी, इबरार खान,कुंज बिहारी द्विवेदी,इकबाल खान,राजेश बैगा, रज्जन खान,उमाकांत अठ्या,संजय पटेल, यादव, आशीष द्विवेदी, आशु सिंह, शिवांशु साहू,आरुष तिवारी, गुलशन, अशोक तिवारी, धन्नू बर्मन,वरुण पाल, शोभराज नागपाल,गोविंद प्रजापती आदि बड़ी संख्या में कांग्रेस पदाधिकारी, कार्यकर्ता एवं वरिष्ठ कांग्रेसजन उपस्थित रहे।'

बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व पर बनी डॉक्यूमेंट्री फिल्म `ए डे इन द लैंड ऑफ टाइगर्स' का मुख्यमंत्री ने किया विमोचन

उमरिया (स्वतंत्रमत)। बुधवार 7 अक्टूबर को वन्य प्राणी सप्ताह, 2026 के समापन के अवसर पर मुख्यमंत्री, मध्य प्रदेश डॉ. मोहन यादव जी के कर-कमलों से वीरांगना दुर्गावती टाइगर रिजर्व, मोहली में 'बाँधवगढ़ टाइगर रिजर्व पर आधारित लघु फिल्म ए डे इन द लैंड ऑफ टाइगर्स' रिलीज की गई। यह 13 मिनट 13 सेकंड की फिल्म दर्शकों को बांधवगढ़ के घने जंगलों, इसके गौरवशाली इतिहास, वन्यजीवों और पर्दे के पीछे की अनकही कहानियों से रूबरू कराएगी, साथ ही यह भी दिखाएगी कि प्रदेश के सबसे घने बाघ साम्राज्य को संभालना कितना चुनौतीपूर्ण है। इस अवसर पर फिल्म के एक मिनट का अंश भाग सभी के समक्ष प्रदर्शित किया गया। फिल्म का निर्माण उड़न गिलहरी नाम की कंपनी द्वारा किया गया जिसमें श्री ओजैर एवं श्री अमन का महत्वपूर्ण योगदान रहा.फिल्म में जिस चुनौतीपूर्ण प्रबंधन को दर्शाया गया है, उसे धरातल पर बाँधवगढ़ टाइगर रिजर्व, उमरिया में कार्यरत एक समर्पित अमला संभव बना रहा है. बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व में वन सुरक्षा हेतु वर्तमान में क्षेत्र संचालक, उप संचालक, 5 सहायक वन संरक्षक , एक वन्यप्राणी स्वास्थ्य अधिकारी, 10 वनक्षेत्रपाल, 11 उप वनक्षेत्रपाल, 31 वनपाल, 155 वन रक्षकों सहित मुख्य महावत, महावत, सहायक महावत और वाहन चालकों को मिलाकर कुल 228 अधिकारी-कर्मचारी दिन-रात तैनात हैं। इनके सहयोग के लिए 101 स्थाईकर्मी, 37 टी.पी.एफ. जवान और 583 ई.डी.सी. श्रमिक भी वन सुरक्षा में लगे हुए हैं। इसके अतिरिक्त क्षेत्र संचालक कार्यालय में कार्यालयीन कार्य हेतु लेखापाल, मानचित्रकार, सहायक ग्रेड-3, चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी और कम्प्यूटर ऑपरेटरों सहित कुल 32 कर्मचारियों की टीम कार्यरत है, जो इस पूरे संरक्षण तंत्र को कार्यालयीन सहयोग एवं गति प्रदान करती है। इस अवसर पर मुख्यमंत्री जी ने फिल्म की सराहना करते हुए कहा कि इस प्रकार की फिल्में वन्यजीव संरक्षण के प्रति जागरूकता बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगी।

शहडोल के डॉ. मुकेश तिवारी को मिली बड़ी जिम्मेदारी, केआरसीएल बोर्ड में बने नॉन-ऑफिशियल डायरेक्टर

शहडोल (स्वतंत्र मत)।

जिले के लिए गौरव का विषय है कि डॉ. मुकेश तिवारी को कोंकण रेलवे कॉरपोरेशन लिमिटेड (के.आर.सी.एल) के बोर्ड में नॉन-ऑफिशियल डायरेक्टर नियुक्त किया गया है। रेलवे बोर्ड द्वारा की गई यह नियुक्ति तत्काल प्रभाव से तीन वर्ष की अवधि के लिए की गई है। डॉ. तिवारी की नियुक्ति को रेलवे क्षेत्र में महत्वपूर्ण जिम्मेदारी के रूप में देखा जा रहा है। नॉन-ऑफिशियल डायरेक्टर के रूप में वे कंपनी के बोर्ड स्तर पर होने वाली महत्वपूर्ण बैठकों एवं निर्णय प्रक्रियाओं में सहभागिता करेंगे। साथ ही कंपनी की कार्यप्रणाली, प्रबंधन की निगरानी, नीतिगत विषयों तथा विभिन्न महत्वपूर्ण प्रस्तावों पर अपने सुझाव एवं सलाह देंगे। कोंकण रेलवे कॉरपोरेशन लिमिटेड देश की महत्वपूर्ण रेल परियोजनाओं और परिचालन व्यवस्था से जुड़ी संस्था है। ऐसे प्रतिष्ठित संस्थान के बोर्ड में डॉ. तिवारी को जिम्मेदारी मिलना शहडोल के लिए भी उपलब्धि मानी जा रही है। डॉ. मुकेश कुमार तिवारी को मिली इस नई जिम्मेदारी पर क्षेत्र के नागरिकों, शुभचिंतकों एवं विभिन्न वर्गों के लोगों ने बधाई एवं शुभकामनाएं दी हैं। लोगों ने विश्वास जताया कि वे अपनी जिम्मेदारी का कुशलतापूर्वक निर्वहन करते हुए संस्था के हित में महत्वपूर्ण योगदान देंगे।

फुटबॉल प्रतियोगिता प्रारंभ

मण्डला(स्वतंत्रमत)। अंतर शालेय बालक आयु वर्ग 19 वर्ष फुटबॉल प्रतियोगिता का आयोजन किया जा रहा है। प्रतियोगिता का आयोजन 8 अक्टूबर से स्थानीय महात्मा गांधी स्टेडियम में प्रारंभ हुआ है। प्रतियोगिता का उद्देश्य जिले में खेल गतिविधियों को बढ़ावा देना तथा विद्यार्थियों को फुटबॉल के प्रति प्रोत्साहित करना है। जिला खेल एवं युवा कल्याण विभाग एवं जिला फुटबॉल संघ मंडला के संयुक्त तत्वावधान में आयोजन किया जा रहा है।

सेवा संकल्प अभियान में वृद्धजनों को नि:शुल्क चशमे वितरित

जैतपुर विधायक ने कहा, स्वास्थ्य सुविधाओं का लाभ समाज की अंतिम पंक्ति तक पहुंचाना सरकार की प्राथमिकता

बुढार (स्वतंत्र मत)। सेवा सेतुदृसेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बुढार में वृद्धजनों के लिए विशेष नि:शुल्क नेत्र जांच एवं चश्मा वितरण शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में जैतपुर विधानसभा क्षेत्र के विधायक एवं जिला मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. राजेश मिश्रा ने नेत्र परीक्षण के बाद चयनित वृद्धजनों को नि:शुल्क चश्मे वितरित किए। स्वास्थ्य विभाग द्वारा आयोजित शिविर का उद्देश्य वृद्धजनों में दृष्टि संबंधी समस्याओं की समय पर पहचान कर उन्हें आवश्यक उपचार, परामर्श एवं चश्मे की सुविधा उपलब्ध कराना रहा। शिविर में सुबह से ही बड़ी संख्या में वृद्धजन पहुंचे। नेत्र सहायक आर.के. त्रिवेदी ने हितग्राहियों की क्रमवार नेत्र जांच की।

जांच के दौरान कई लोगों में मोतियाबिंद, निकट दृष्टि दोष, दूर दृष्टि दोष तथा उम्रजनित अन्य नेत्र संबंधी समस्याएं सामने आईं। चिकित्सकीय परीक्षण के बाद जरूरतमंदों को दवाइयां एवं उचित परामर्श दिया गया, जबकि गंभीर मामलों में मरीजों को जिला अस्पताल में नि:शुल्क ऑपरेशन के लिए चिन्हित किया गया। नेत्र परीक्षण के उपरांत आयोजित चश्मा वितरण कार्यक्रम में विधायक और सीएमएचओ ने हितग्राहियों को अपने हाथों से नि:शुल्क चश्मे प्रदान किए।

चश्मा मिलने के बाद वृद्धजनों के चेहरे पर खुशी दिखाई दी और उन्होंने स्वास्थ्य विभाग की इस पहल की सराहना की। इस अवसर पर विधायक ने कहा कि प्रदेश सरकार का उद्देश्य स्वास्थ्य सुविधाओं का लाभ समाज की अंतिम पंक्ति में खड़े व्यक्ति तक सहजता से पहुंचाना है। सेवा संकल्प अभियान के माध्यम से वृद्धजनों को सम्मान के साथ बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराने का प्रयास किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि आंखों की रोशनी बेहतर रहने से बुजुर्ग अपने दैनिक कार्य अधिक आसानी से कर सकते हैं। उन्होंने नागरिकों से समय-समय पर आंखों की जांच कराने की अपील की। सीएमएचओ डॉ. राजेश मिश्रा ने कहा कि उम्र बढ़ने के साथ आंखों से जुड़ी समस्याएं सामान्य रूप से सामने आती हैं, लेकिन कई बार लोग शुरुआती लक्षणों को नजरअंदाज कर देते हैं। ऐसे शिविरों के माध्यम से समय पर जांच और उपचार संभव होता है तथा लोगों में नेत्र स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता भी बढ़ती है।

उन्होंने बताया कि स्वास्थ्य विभाग द्वारा आगे भी ब्लॉक स्तर पर इस तरह के शिविर आयोजित किए जाएंगे। कार्यक्रम में जिला कार्यक्रम प्रबंधक मनोज द्विवेदी, खंड चिकित्सा अधिकारी डॉ. सचिन कारखुर, बीईई समीर खान, बीसीएम शिखा गुप्ता, नेत्र सहायक आर.के. त्रिवेदी सहित सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बुढार का मेडिकल एवं पैरामेडिकल स्टाफ तथा बड़ी संख्या में हितग्राही उपस्थित रहे।

अवैध खनिज उत्खनन एवं परिवहन की कार्यवाही जारी...ट्रेक्टर और जेसीबी मशीन जब्त

उमरिया (स्वतंत्रमत)।

कलेक्टर श्रीमती राखी सहाय के निर्देशन में जिले में खनिजों के अवैध उत्खनन-परिवहन एवं भंडारण की रोकथाम के लिए लगातार कार्यवाही की जा रही है। जिला खनिज अधिकारी डा विद्याकांत तिवारी ने बताया कि गत दिनों एक ट्रेक्टर ट्राली एवं एक जेसीबी मशीन अवैध उत्खनन कार्य में संलिप्त पाए जाने पर जप्त की गई है। कार्यवाही के दौरान तहसील चंदिया अंतर्गत चंदिया से बांका रोड में एक वाहन ट्रेक्टर आयशर से खनिज गिट्टी का परिवहन करते हुए जप्त किया जाकर थाना चंदिया कों सुपुर्द किया गया। इसी प्रकार तहसील मानपुर अंतर्गत ग्राम बांधा हार स्थित एक जे.सी.बी. द्वारा खनिज मिट्टी/मुरुम का अवैध उत्खनन करते हुए जप्त किया जाकर थाना कोतवाली उमरिया में अभिरक्षार्थ सुपुर्द कराया गया। कार्यवाही में सहायक खनि अधिकारी प्रभात कुमार पट्टा एवं प्रभारी खनि निरीक्षक एन.एस. आर्मो तथा खनिज विभाग के कर्मचारी उपस्थित रहे।

दिव्यांग छात्रावास में बच्चों के साथ मनाया सेवा संकल्प अभियान'

उमरिया (स्वतंत्रमत)।

सेवा संकल्प अभियान के तहत भारतीय जनता पार्टी व्यापारी प्रकोष्ठ एवं कॉन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) की टीम ने दिव्यांग छात्रावास पहुंचकर बच्चों के साथ उत्सवपूर्ण माहौल में समय बिताया। इस दौरान सचिन गुप्ता एवं पूरी टीम ने बच्चों को फल, बिस्किट, नमकीन, चॉकलेट, कॉपी, पेन, पेंसिल सहित विभिन्न उपयोगी सामग्री का वितरण किया गया। कार्यक्रम के दौरान बच्चों का उत्साहवर्धन करते हुए उन्हें जीवन में आगे बढ़ने और अपने आत्मविश्वास को मजबूत बनाए रखने के लिए प्रेरित किया गया। इस अवसर पर कैट के जिलाध्यक्ष कीर्ति कुमार सोनी ने बच्चों का मनोबल बढ़ाते हुए कहा कि दिव्यांगता किसी भी व्यक्ति की सफलता के मार्ग में बाधा नहीं बन सकती। उन्होंने उदाहरण देते हुए बताया कि उमरिया जिले में पूर्व में एक ऐसे कलेक्टर भी पदस्थ रहे हैं, जिन्हें दिखाई नहीं देता था, इसके बावजूद उन्होंने एक कुशल प्रशासक के रूप में जिले का सफलतापूर्वक संचालन किया और अपनी कार्यक्षमता से सभी के लिए प्रेरणादायक उदाहरण प्रस्तुत किया। उन्होंने बच्चों से कहा कि वे अपने अंदर की प्रतिभा और क्षमता को पहचानें तथा आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ें। कार्यक्रम का उद्देश्य बच्चों के बीच खुशियां बांटने के साथ-साथ उनमें सकारात्मक सोच, आत्मविश्वास और आगे बढ़ने की प्रेरणा देना रहा।

कार्यक्रम में मुख्य रूप से भाजपा व्यापारी प्रकोष्ठ जिला संयोजक सचिन गुप्ता जिला एवं कार्यक्रम प्रभारी अश्वनी वाधवा, कैट जिला अध्यक्ष कीर्ति सोनी, राजा सोनी, अभिषेक गुप्ता, अमित यादव, शिवांगी गुप्ता, सोनम सोनी, कापूरिया बाई, प्रेमलता बर्मन, सुषमा गुप्ता, नरेश लालवानी, दिव्यांग छात्रावास प्रमुख सुनीता सिंह सहित अन्य सभी सहयोगी मित्र एवं व्यापारीगण उपस्थित रहे।

एसडीएम की अध्यक्षता में शांति समिति की बैठक संपन्न

मानपुर (स्वतंत्रमत)- आगामी त्योहारों जिसमे नवरात्रि, दशहरा एवं दीपावली को शांतिपूर्ण, सौहार्दपूर्ण माहौल एवं कानून व्यवस्था बनाए रखने हेतु अनुविभागीय अधिकारी राजस्व हरनीत कौर कलसी की अध्यक्षता में नगर पालिका मानपुर के सभाकक्ष में गुरुवार 8 अक्टूबर को सुबह 11 बजे उपखण्ड स्तरीय शांति समिति की महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में तहसीलदार मानपुर अभ्यानंद शर्मा जी, मुख्य नगर पालिका अधिकारी श्रीमती रचियता अवस्थी जी,थाना प्रभारी गर्ग जी,सामाजिक संगठन,व्यापारी बंधु,विद्युत विभाग, स्वास्थ्य विभाग का अमला भी उपस्थिति रहा। बैठक में भाजपा जिला महामंत्री हरीश विश्वकर्मा जी,रसिक खंडेलवाल किसान मोर्चा जिला महामंत्री,अधिकारी विद्युत विभाग,अधिकारी स्वास्थ्य विभाग,सहित नगर के समस्त जनप्रतिनिधिगण, गणमान्य नागरिक एवं पत्रकार बंधु उपस्थित रहे। बैठक में प्रशासन ने स्पष्ट किया कि त्योहारों के दौरान साफ-सफाई, विद्युत, पेयजल, यातायात, डीजे एवं लाउडस्पीकर के माननीय न्यायालय के नियमानुसार उपयोग, तथा असामाजिक तत्वों पर सख्त निगरानी रखी जाएगी। एसडीएम हरनीत कौर कलसी ने सभी जनप्रतिनिधियों एवं पत्रकार साथियों से अपील की कि प्रशासन का सहयोग कर त्योहारों को आपसी भाईचारे के साथ सभी मिलकर मनाएं।

समय पर नहीं हो रहा कर्मचारियों का वेतन भुगतान..!

ट्रेजरी कार्यालय में हफ्तों अटके रहते हैं वेतन के देयक, कर्मचारियों में बढ़ रही नाराजगी

उमरिया (स्वतंत्रमत)।

शासकीय कर्मचारियों को समय पर वेतन भुगतान सुनिश्चित करने के लिए शासन स्तर से स्पष्ट व्यवस्था होने के बावजूद जिले में वेतन भुगतान प्रक्रिया में देरी के आरोप सामने आ रहे हैं। कर्मचारियों का आरोप है कि वेतन के देयक ट्रेजरी कार्यालय पहुंचने के बाद भी कई-कई दिनों तक लंबित रखे जाते हैं, जिसके कारण निर्धारित समय पर वेतन उनके खातों में नहीं पहुंच पाता।कर्मचारियों के अनुसार, विभागों द्वारा वेतन संबंधी देयक समय पर तैयार कर ट्रेजरी कार्यालय भेजे जाते हैं, लेकिन वहां प्रक्रिया में अनावश्यक देरी होने से भुगतान प्रभावित होता है। आरोप है कि कई देयकों को सप्ताहों तक रोककर रखा जाता है और उन्हें आगे बढ़ाने में बेवजह समय लगाया जाता है।

आखिर क्यों रोके जाते हैं देयक?

कर्मचारियों का कहना है कि यदि किसी देयक में वास्तविक तकनीकी या दस्तावेजी कमी है तो संबंधित विभाग को तत्काल इसकी जानकारी देकर कमी दूर कराई जानी चाहिए। लेकिन बिना स्पष्ट कारण देयकों को लंबे समय तक लंबित रखना कर्मचारियों के लिए परेशानी का कारण बन रहा है। समय पर वेतन नहीं मिलने से कर्मचारियों को बैंक की किस्त, बच्चों की फीस, घरेलू खर्च सहित अन्य आर्थिक दायित्वों को पूरा करने में परेशानी का सामना करना पड़ता है।

जिम्मेदारी तय करने की उठी मांग

कर्मचारियों ने वरिष्ठ अधिकारियों से मांग की है कि वेतन देयकों के लंबित रहने की स्थिति की समीक्षा की जाए तथा प्रत्येक स्तर पर देयक लंबित रखने की समय-सीमा और जिम्मेदारी तय की जाए। साथ ही यह भी स्पष्ट किया जाए कि किन कारणों से वेतन संबंधी देयक कई दिनों तक लंबित रहते हैं। अब सवाल यह है कि जब विभागों से वेतन देयक समय पर भेजे जा रहे हैं, तो ट्रेजरी स्तर पर इनके भुगतान में देरी क्यों हो रही है? इस मामले में प्रशासन द्वारा जांच कर वास्तविक स्थिति स्पष्ट किए जाने की जरूरत है।

गोवा में जिले की बालिका खिलाड़ियों का शानदार प्रदर्शन, जीते 9 पदक

इंडो-श्रीलंका ओपन कराते चैम्पियनशिप में काता और कुमीते में जिले का बढ़ाया गौरव

डिंडौरी (स्वतंत्र मत) गोवा के मनोहर पार्कर इंडोर स्टेडियम, नवेलिम में आयोजित इंडो-श्रीलंका ओपन कराते चैम्पियनशिप-2026 में डिंडौरी की बालिका खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए कुल 9 पदक अपने नाम किए। काता एवं कुमीते इवेंट में खिलाड़ियों ने उत्कृष्ट खेल कौशल का प्रदर्शन कर जिले का नाम राष्ट्रीय स्तर पर रोशन किया। कराते प्रशिक्षक श्रीमती मनीषा बैरागी के मार्गदर्शन में प्रतियोगिता में शामिल खिलाड़ियों ने विभिन्न वजन वर्गों में शानदार प्रदर्शन किया। कु. मैना वालरे ने 55 किलोग्राम वजन वर्ग के काता इवेंट में स्वर्ण पदक तथा कुमीते में कांस्य पदक हासिल किया। वहीं कु. गरिमा भारद्वाज ने 40 किलोग्राम वर्ग में काता एवं कुमीते दोनों में रजत पदक जीते। इसी क्रम में कु. दुर्गा अहिरवार ने 50 किलोग्राम वर्ग के काता एवं कुमीते में रजत पदक हासिल किए। कु. दामिनी परस्ते ने 55 किलोग्राम वर्ग में काता में रजत तथा कुमीते में कांस्य पदक जीता। कु. केशरी धुर्वे ने 55 किलोग्राम वर्ग के काता इवेंट में कांस्य पदक हासिल कर जिले की पदक तालिका में योगदान दिया।

कलेक्टर ने किया विजेता खिलाड़ियों का सम्मान- प्रतियोगिता से लौटे विजेता खिलाड़ियों का कलेक्टर श्रीमती अंजू पवन भदौरिया ने स्वागत करते हुए उन्हें मेडल एवं प्रमाण-पत्र प्रदान कर सम्मानित किया। कलेक्टर ने खिलाड़ियों को बधाई एवं शुभकामनाएं देते हुए कहा कि जिले की खेल प्रतिभाओं को आगे बढ़ाने के लिए जिला प्रशासन की ओर से आवश्यक सहयोग उपलब्ध कराया जाएगा। उन्होंने कहा कि प्रशिक्षण के दौरान खिलाड़ियों को किसी भी प्रकार के खेल उपकरण अथवा सामग्री की आवश्यकता होने पर उसे उपलब्ध कराने के लिए आवश्यक प्रयास किए जाएंगे। कलेक्टर ने कराते प्रशिक्षक श्रीमती मनीषा बैरागी का भी स्वागत एवं सम्मान किया। जिला खेल एवं युवा कल्याण अधिकारी श्री मोहम्मद अहमद खान ने भी विजेता खिलाड़ियों को बधाई देते हुए आगामी प्रतियोगिताओं के लिए शुभकामनाएं दीं।

उन्होंने कहा कि खेल विभाग द्वारा खिलाड़ियों को बेहतर प्रशिक्षण तथा प्रतियोगिताओं की तैयारी के लिए आवश्यक सामग्री उपलब्ध कराने का हरसंभव प्रयास किया जाएगा।इस अवसर पर खेल एवं युवा कल्याण विभाग के रोशन बाबू झारिया, कु. आरती सोंधिया, श्रीमती सुनीता धुर्वे एवं राजकुमार धुर्वे सहित अन्य उपस्थित रहे। सभी ने खिलाड़ियों की उपलब्धि पर उन्हें बधाई एवं शुभकामनाएं दीं।

जिला जेल में विधिक साक्षरता शिविर संपन्न

उमरिया (स्वतंत्रमत)। जिला एवं सत्र न्यायाधीश प्रियदर्शन शर्मा, के मार्गदर्शन में अहमद रज़ा, द्वितीय अपर सत्र न्यायाधीश, उमरिया द्वारा जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की ओर से जिला जेल उमरिया का निरीक्षण किया गया तथा विधिक साक्षरता शिविर का आयोजन किया गया।

ग्राम पंचायत प्रेमपुर, जनपद पंचायत समनापुर, जिला डिंडोरी (म.प्र.)

निविदा सूचना

ग्राम पंचायत प्रेमपुर अंतर्गत विभिन्न निर्माण कार्यों हेतु आवश्यक निर्माण सामग्री (सीमेंट, रेत, गिट्टी, सरिया, ईंट, मुरुम आदि) की आपूर्ति के लिए योग्य एवं पंजीकृत फर्म/आपूर्तिकर्ताओं से सीलबंद निविदाएं आमंत्रित की जाती हैं।

इच्छुक फर्म/आपूर्तिकर्ता निर्धारित तिथि तक अपने निविदा प्रपत्र आवश्यक दस्तावेज (पंजीयन प्रमाण पत्र, जीएसटी नंबर, पैन कार्ड) सहित ग्राम पंचायत कार्यालय में जमा करें।

निविदा जमा करने की अंतिम तिथि- 09/10/2026
निविदा खोलने की तिथि- 14/0/2026

पंचायत को किसी भी या सभी निविदाओं को स्वीकार/अस्वीकार करने का पूर्ण अधिकार सुरक्षित रहेगा।

स्थान- ग्राम पंचायत प्रेमपुर, जनपद पंचायत समनापुर
सरपंच/सचिव ग्राम पंचायत प्रेमपुर

एआई को समझें, भविष्य को बेहतर बनाएं

आज का युग तकनीक और विज्ञान का युग है। हमारे आसपास ऐसी अनेक तकनीकें मौजूद हैं, जो हमारे काम को आसान, तेज और बेहतर बना रही हैं। इन्हीं आधुनिक तकनीकों में से एक है एआई यानी कृत्रिम बुद्धिमत्ता। आज एआई का उपयोग शिक्षा, चिकित्सा, बैंकिंग, कृषि, उद्योग, मोबाइल फॉन, इंटरनेट और मनोरंजन जैसे अनेक क्षेत्रों में हो रहा है। विद्यार्थियों के लिए एआई को समझना इसलिए भी जरूरी है, क्योंकि आने वाले समय में इसका प्रभाव लगभग हर क्षेत्र में दिखाई देगा।

एआई क्या है?

एआई यह ऐसी कंप्यूटर तकनीक है, जिसके माध्यम से मशीनों को ऐसे कार्य करने योग्य बनाया जाता है, जिनके लिए सामान्यत: मानव की बुद्धि और समझ की आवश्यकता होती है। उदाहरण के लिए, मनुष्य किसी तस्वीर में व्यक्ति, जानवर या वस्तु को पहचान सकता है। इसी प्रकार एआई आधारित कंप्यूटर सिस्टम भी तस्वीरों और अन्य डेटा के आधार पर चीजों को पहचानना सीख सकते हैं। मोबाइल में आवाज से खोज करना, ऑनलाइन वीडियो या गाने सुझाना, भाषा का अनुवाद करना और चैटबॉट से सवालों के जवाब पाना एआई के सामान्य उदाहरण हैं।

एआई कैसे काम करता है?

एआई को समझने के लिए इसे ऐसे विद्यार्थी की तरह समझ सकते हैं, जो बहुत सारी किताबें और उदाहरण देखकर किसी विषय को समझना सीखता है। एआई सिस्टम को भी बड़ी मात्रा में डेटा और उदाहरण दिए जाते हैं। कंप्यूटर इस डेटा में मौजूद पैटर्न और संबंधों को पहचानने के लिए गणितीय तरीकों और एल्गोरिदम का उपयोग करता है।

पहला चरण

डेटा - इसमें शब्द, चित्र, आवाज, वीडियो, संख्याएं और अन्य जानकारियां शामिल हो सकती हैं।

दूसरा चरण

प्रशिक्षण - एआई मॉडल को दिए गए डेटा से पैटर्न सीखने के लिए प्रशिक्षित किया जाता है।

तीसरा चरण

मॉडल - प्रशिक्षण के बाद तैयार मॉडल नए डेटा का विश्लेषण करके संभावित उत्तर या परिणाम देने का प्रयास करता है।

चौथा चरण

परिणाम - जब हम एआई को कोई प्रश्न, तस्वीर या आवाज देते हैं, तो वह उसका विश्लेषण कर उत्तर या परिणाम देता है।

जनरेटिव एआई क्या है?

एआई की एक महत्वपूर्ण शाखा जनरेटिव एआई है। यह केवल जानकारी पहचानने या वर्गीकृत करने तक सीमित नहीं रहती, बल्कि नई सामग्री भी तैयार कर सकती है। इसकी मदद से लेख, सारांश, चित्र, कंप्यूटर कोड और अन्य सामग्री बनाई जा सकती है। हालांकि, विद्यार्थियों को यह समझना चाहिए कि एआई द्वारा दिया गया प्रत्येक उत्तर जरूरी नहीं कि सही हो। इसलिए महत्वपूर्ण शैक्षिक जानकारी को किताब, शिक्षक या विश्वसनीय स्रोत से जांचना आवश्यक है।

विद्यार्थियों के लिए एआई का महत्व

एआई पढ़ाई में विद्यार्थियों का सहायक बन सकता है। कठिन विषयों को सरल भाषा में समझने, अभ्यास प्रश्न बनाने, किसी विषय का सारांश तैयार करने और अपनी गलतियों को समझने में इसकी मदद ली जा सकती है। लेकिन एआई शिक्षक या विद्यार्थी की सोच का विकल्प नहीं है। इसका उपयोग उत्तर की नकल करने के बजाय समझने, जांचने और अपने शब्दों में लिखने के लिए करना चाहिए।

मुकेश तिवारी

शिक्षक,
हितकारिणी उ.मा. शाला, गोरखपुर,
जबलपुर।

टेलर के वैज्ञानिक प्रबंधन सिद्धांतों से बढ़ती कार्यकुशलता

फ्रेडरिक विंसलो टेलर को 'वैज्ञानिक प्रबंधन का जनक' कहा जाता है। उन्होंने प्रबंधन में वैज्ञानिक पद्धति को अपनाने पर जोर दिया। उनका उद्देश्य कम समय और कम लागत में अधिक तथा बेहतर उत्पादन प्राप्त करना था। टेलर ने प्रबंधन और श्रमिकों के बीच सहयोग तथा कार्यकुशलता बढ़ाने के लिए पाँच प्रमुख सिद्धांत प्रतिपादित किए। बोर्ड परीक्षा की दृष्टि से यह एक महत्वपूर्ण टॉपिक है।

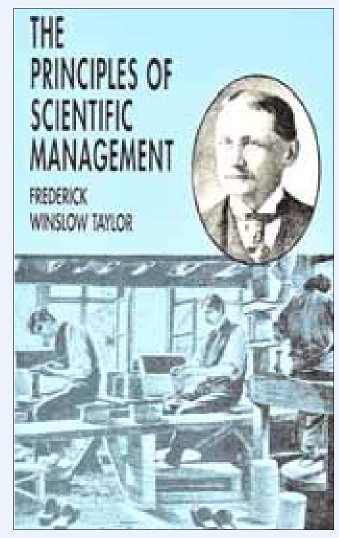

अंगूठे के नियम के स्थान पर विज्ञान

टेलर के अनुसार कार्य करने के लिए केवल पुराने अनुभव या अनुमान पर निर्भर नहीं रहना चाहिए। प्रत्येक कार्य का वैज्ञानिक ढंग से अध्ययन करके सबसे अच्छी कार्य-विधि निर्धारित करनी चाहिए। इससे समय, श्रम और लागत की बचत होती है तथा उत्पादन बढ़ता है।

असामंजस्य के स्थान पर सामंजस्य

टेलर ने प्रबंधन और श्रमिकों के बीच संघर्ष के स्थान पर सामंजस्य स्थापित करने पर बल दिया। दोनों पक्षों को एक-दूसरे के महत्व को समझना चाहिए। प्रबंधन और श्रमिकों के हितों में संतुलन होने से संगठन के उद्देश्यों को आसानी से प्राप्त किया जा सकता है।

मानसिक क्रांति से परिवर्तन

मानसिक क्रांति का अर्थ प्रबंधन और श्रमिकों की सोच में सकारात्मक परिवर्तन से है। दोनों पक्षों को एक-दूसरे को विरोधी न मानकर सहयोगी समझना चाहिए। उनका साझा उद्देश्य उत्पादन बढ़ाना, संगठन का विकास करना और सभी के हितों की रक्षा करना होना चाहिए।

सहयोग, व्यक्तिवाद नहीं

टेलर ने प्रबंधन और श्रमिकों के बीच आपसी सहयोग को आवश्यक माना। प्रबंधकों को श्रमिकों का मार्गदर्शन और सहयोग करना चाहिए, जबकि श्रमिकों को निर्धारित वैज्ञानिक विधियों के अनुसार कार्य करना चाहिए। इससे अनावश्यक प्रतिस्पर्धा और विवाद कम होते हैं तथा कार्यक्षमता बढ़ती है।

प्रत्येक व्यक्ति का अधिकतम विकास

टेलर के अनुसार प्रत्येक कर्मचारी की क्षमता का अधिकतम उपयोग किया जाना चाहिए। इसके लिए कर्मचारियों का वैज्ञानिक चयन, उचित प्रशिक्षण और सही कार्य पर नियुक्ति आवश्यक है। प्रशिक्षण से कर्मचारियों के कौशल में वृद्धि होती है और संगठन को बेहतर परिणाम मिलते हैं। एफ डब्ल्यू. टेलर के पाँच सिद्धांतों का मुख्य उद्देश्य वैज्ञानिक कार्य-पद्धति, प्रबंधन-श्रमिक सामंजस्य, सहयोग और कर्मचारियों के विकास के माध्यम से संगठन की कार्यकुशलता बढ़ाना है। आज भी आधुनिक प्रबंधन में इन सिद्धांतों का महत्व दिखाई देता है।

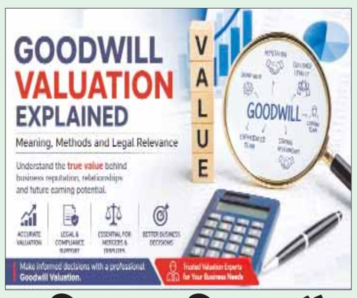

जानिए गुडविल और इसके मूल्यांकन की विभिन्न विधियाँ

साझेदारी फर्म या व्यवसाय की सफलता केवल उसकी संपत्तियों पर निर्भर नहीं करती, बल्कि उसकी प्रतिष्ठा, ग्राहकों का विश्वास, उत्पाद की गुणवत्ता और बाजार में उसकी स्थिति का भी महत्वपूर्ण योगदान होता है। व्यवसाय की इसी प्रतिष्ठा एवं ग्राहकों के विश्वास से उत्पन्न विशेष मूल्य को गुडविल कहा जाता है। यह एक अमूर्त संपत्ति है।

गुडविल का अर्थ

गुडविल वह अतिरिक्त मूल्य है, जो किसी व्यवसाय को उसकी सामान्य संपत्तियों के मूल्य से अधिक कमाने की क्षमता के कारण प्राप्त होता है। सरल शब्दों में, किसी फर्म की अच्छी प्रतिष्ठा के कारण यदि वह सामान्य फर्मों की तुलना में अधिक लाभ कमाती है, तो उस अतिरिक्त लाभ कमाने की क्षमता का मौद्रिक मूल्य गुडविल कहलाता है। गुडविल का मूल्यांकन विशेष रूप से नए साझेदार के प्रवेश, साझेदार की सेवानिवृत्ति या मृत्यु तथा लाभ-विभाजन अनुपात में परिवर्तन के समय किया जाता है।

गुडविल के मूल्यांकन की प्रमुख विधियाँ

औसत लाभ विधि

इस विधि में पिछले कुछ वर्षों के औसत लाभ को निर्धारित वर्षों की खरीद संख्या से गुणा किया जाता है।

अधिलाभ विधि

इस विधि में वास्तविक औसत लाभ में से सामान्य लाभ घटाने पर अधिलाभ प्राप्त होता है। इसके बाद अधिलाभ को खरीद के वर्षों से गुणा किया जाता है।

पूंजीकरण विधि

इस विधि में फर्म के औसत लाभ को सामान्य प्रतिफल दर पर पूंजीकृत करके व्यवसाय का कुल मूल्य ज्ञात किया जाता है। इसके बाद वास्तविक पूंजी घटाने पर गुडविल प्राप्त होती है।

गुडविल किसी व्यवसाय की प्रतिष्ठा और भविष्य में अधिक लाभ कमाने की क्षमता का महत्वपूर्ण सूचक है। इसके मूल्यांकन के लिए औसत लाभ विधि, अधिलाभ विधि और पूंजीकरण विधि प्रमुख हैं। परीक्षा में गुडविल की परिभाषा के साथ प्रत्येक विधि का सूत्र और उदाहरण लिखने से उत्तर अधिक प्रभावी एवं पूर्ण बनता है।

व्यवसाय में नैतिकता: लाभ से आगे सामाजिक जिम्मेदारी

आज के समय में हर व्यवसाय का मुख्य उद्देश्य लाभ कमाना होता है, लेकिन केवल लाभ कमाना ही व्यवसाय की सफलता नहीं है। एक अच्छे व्यवसाय को ग्राहकों, कर्मचारियों, समाज और पर्यावरण के प्रति भी अपनी जिम्मेदारी समझनी चाहिए। मेरे विचार से ईमानदारी और सही व्यवहार के साथ किया गया व्यवसाय ही लंबे समय तक सफल रहता है।

व्यावसायिक नैतिकता क्या है?

व्यावसायिक नैतिकता का अर्थ है व्यवसाय को ईमानदारी और सही नियमों के अनुसार चलाना। इसमें ग्राहकों को अच्छी गुणवत्ता का सामान देना, सही कीमत लेना, सही जानकारी देना और कर्मचारियों के साथ अच्छा व्यवहार करना शामिल है। किसी भी व्यवसाय में धोखा, मिलावट और गलत जानकारी देना नैतिक नहीं माना जाता।

ग्राहकों के प्रति जिम्मेदारी

व्यवसाय में ग्राहक का विश्वास बहुत महत्वपूर्ण होता है। यदि किसी दुकान या कंपनी के उत्पाद अच्छे हों और उनकी सही जानकारी दी जाए, तो ग्राहक उस व्यवसाय पर विश्वास करते हैं। उचित मूल्य पर

अच्छी गुणवत्ता का सामान देना ग्राहक के प्रति व्यवसाय की प्रमुख जिम्मेदारी है। ग्राहकों की शिकायतों को सुनना और उनका समाधान करना भी जरूरी है।

कर्मचारियों के प्रति अच्छा व्यवहार

किसी भी व्यवसाय की सफलता में कर्मचारियों का बड़ा योगदान होता है। इसलिए उनके साथ सम्मान और समानता का व्यवहार किया जाना चाहिए। उन्हें उचित वेतन, सुरक्षित कार्यस्थल और काम करने का अच्छा वातावरण मिलना चाहिए। इससे कर्मचारी उत्साह के साथ काम करते हैं और संस्था को भी लाभ होता है।

समाज और पर्यावरण की जिम्मेदारी

व्यवसाय समाज से ही संसाधन प्राप्त करता है, इसलिए समाज के प्रति उसकी जिम्मेदारी भी होती है। कंपनियाँ शिक्षा, स्वास्थ्य, पर्यावरण संरक्षण और गरीबों की सहायता जैसे कार्यों में योगदान दे सकती हैं। कॉरपोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व के माध्यम से कंपनियाँ समाज के विकास में मदद करती हैं।

नैतिकता से मिलता है विश्वास

ईमानदारी से काम करने वाले व्यवसाय की लोगों के बीच अच्छी छवि बनती है। ग्राहक उस पर लंबे समय तक विश्वास करते हैं और कर्मचारी भी संतुष्ट रहते हैं। इसके विपरीत मिलावट, धोखाधड़ी और भ्रामक विज्ञापन से मिला लाभ कुछ समय का हो सकता है, लेकिन इससे व्यवसाय की प्रतिष्ठा खराब होती है। मेरे अनुसार व्यवसाय का उद्देश्य केवल कितना लाभ कमाया नहीं होना चाहिए, बल्कि यह भी देखना चाहिए कि लाभ किस तरह कमाया और समाज के लिए क्या किया। यदि व्यवसाय ईमानदारी, नैतिकता और सामाजिक जिम्मेदारी के साथ आगे बढ़े, तो वह स्वयं भी सफल होगा और समाज के विकास में भी योगदान देगा।

रानी नायक

कक्षा 12 वीं,
कॉमर्स आई.पी संकाय
केसी हितकारिणी चिल्ड्रन्स एकेडमी,
जोंसगंज, जबलपुर।

महंगाई : बढ़ती कीमतों से घटती क्रयशक्ति

आज हमारे आसपास लगभग हर चीज की कीमत बढ़ती दिखाई देती है। सब्जियाँ, दाल, चावल, दूध, पेट्रोल और दूसरी जरूरी चीजें महँगी होने से परिवार का बजट बिगड़ जाता है। इसे ही सामान्य रूप से महंगाई कहा जाता है। महंगाई बढ़ने पर समान पैसे से पहले की तुलना में कम सामान खरीदा जा सकता है।

महंगाई बढ़ने के कारण

महंगाई बढ़ने के कई कारण हो सकते हैं। जब किसी वस्तु की मांग अधिक हो और उसकी उपलब्धता कम हो जाए, तो उसकी कीमत बढ़ सकती है। उत्पादन लागत बढ़ना, पेट्रोल-डीजल महँगा होना, प्राकृतिक आपदाएँ, फसल खराब होना और सामान की आपूर्ति में रुकावट भी महँगाई के कारण बन सकते हैं।

परिवार के बजट पर असर

महंगाई का सबसे सीधा असर परिवार के बजट पर पड़ता है। जब आटा, दाल, तेल, सब्जियाँ और ईंधन महँगे होते हैं, तो परिवार को अपने खर्चों में बदलाव करना पड़ता है। कम आय वाले परिवारों पर इसका असर ज्यादा पड़ता है, क्योंकि उनकी आय का बड़ा हिस्सा रोजमर्रा की जरूरी चीजों पर खर्च हो जाता है।

क्रयशक्ति क्यों घटती है?

क्रयशक्ति का अर्थ है कि हम अपने पैसों से कितना सामान खरीद सकते हैं। मान लीजिए किसी परिवार की आय 30 हजार रुपये है। यदि उसकी आय थोड़ी बढ़ती है, लेकिन खाने-पीने, शिक्षा, स्वास्थ्य और यात्रा का खर्च उससे ज्यादा तेजी से बढ़ जाता है, तो परिवार की वास्तविक आर्थिक स्थिति कमजोर हो सकती है। इसलिए केवल आय बढ़ना ही पर्याप्त नहीं है। यह भी देखना जरूरी है कि बढ़ी हुई आय से कितनी चीजें खरीदी जा सकती हैं।

बचत और भविष्य पर प्रभाव

महँगाई का असर हमारी बचत पर भी पड़ता है। यदि लगातार कीमतें बढ़ती रहें, तो आज बचाए गए पैसे की वास्तविक कीमत भविष्य में कम हो सकती है। इसलिए परिवारों को अपनी आय और खर्च का सही हिसाब रखना चाहिए।

आरबीआई और सरकार की भूमिका

महँगाई को नियंत्रित करने में भारतीय रिजर्व बैंक और सरकार की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। आरबीआई ब्याज दरों और मौद्रिक नीति के माध्यम से महँगाई को नियंत्रित करने का प्रयास करता है। सरकार कृषि उत्पादन बढ़ाने, भंडारण सुधारने और जरूरी वस्तुओं की उपलब्धता बनाए रखने के लिए कदम उठाती है।

आफरीन खान,

शिक्षक
हितकारिणी चिल्ड्रन्स एकेडमी,देवताल,
गढा, जबलपुर

शब्द पहेली - 8999

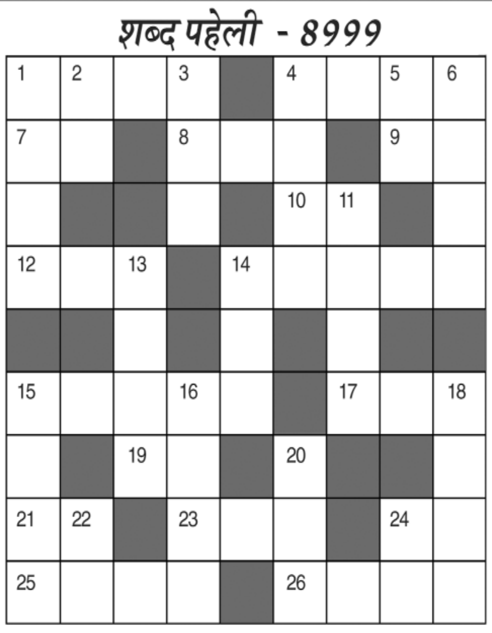

बाएँ से दाएँ

1. तमाशा करने वाला-4
4. शेविंग,दाढ़ी बनाना-4
7. बेल,लतिका-2
8. मामला-3
9. स्तर,परत-2
10. भागना (अंग्रेजी-2)
12. गिरवी रखी वस्तु-2
14. सजदे में झुका हुआ-5
15. असंभव-5
17. खुदा की इबादत-3
19. फायदा,लाभ-2
21. क्रिकेट खिलाड़ी युवराज की प्रेमिका-2
23. मुस्लिम,यवनी-3
24. मोल,कीमत-2
25. स्वभाव,आदत-4
26. करतब,करिश्मा-4

ऊपर से नीचे

1. शमशीर,कृपाण-4
2. मां,मम्मी-3
3. नीयत,चरित्र-4
4. ज्वरताप-2
5. राय,वोट-2
6. आंदोलन,संग्राम-4
11. क्षारीय,चटपटा-4
13. आशियां,नीड़-4
14. नेत्र,आंखें-3
15. अनभिज्ञ-4
16. बचत,रिआयत-4
18. आवश्यकता-4
20. उन्माद-2
22. वोट-2
24. अस्थमा,श्वास संबंधी रोग-2

शब्द पहेली -8998 का हल

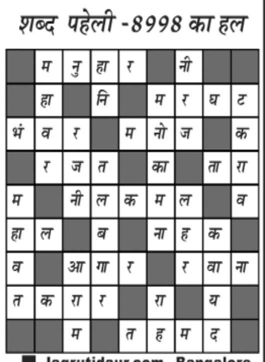

Jagrutidaur.com, Bangalore

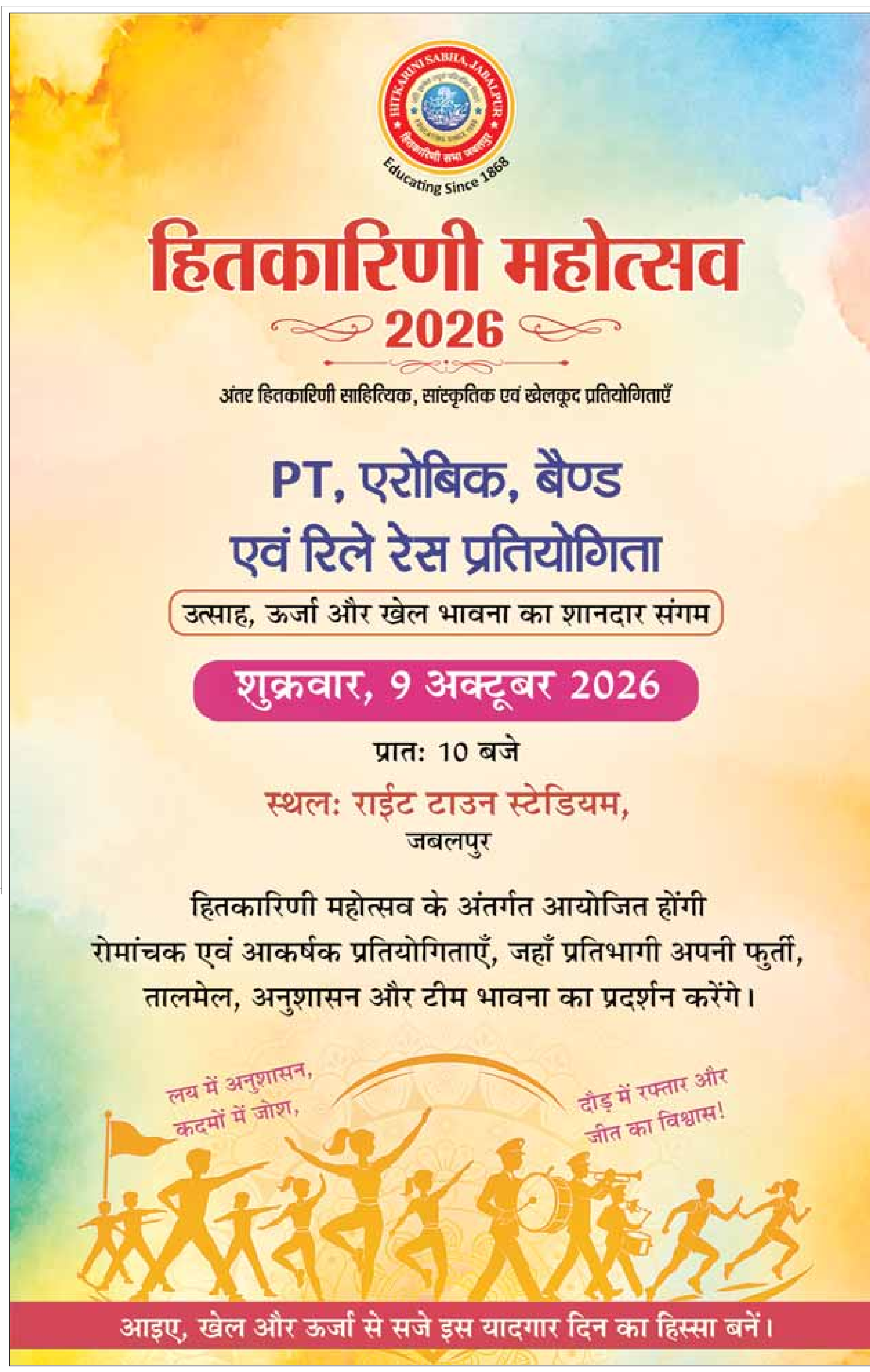

पार्षद सूर्यवंशी ने 8 साल में बदली वार्ड की तस्वीर

फिर भी पीएम आवास के लिए भटक रहे गरीब

सतना स्वतंत्र मत

नगर निगम के वार्ड क्रमांक 27 में विकास को लेकर दो अलग.अलग तस्वीरें सामने आ रही हैं। एक तरफ वार्ड वासी 90 प्रतिशत विकास का दावा कर रहे हैंए तो दूसरी तरफ इसी वार्ड के गरीब परिवार आज भी पक्के मकान के लिए नगर निगम के चक्कर काट रहे हैं। वार्ड की जनता ने स्वतंत्र मत से चर्चा में कहा हमारे पार्षद राजेश सूर्यवंशी ने 8 वर्षों में वार्ड को चमका दिया है। लोगों के मुताबिक पिछले कार्यकाल में वार्ड में ऐतिहासिक काम हुए हैं । मंगल भवन और मुक्तिधाम में शेड निर्माण,पूरे वार्ड में नाला और नाली निर्माण,384 शौचालयों का निर्माण,पीएम आवास योजना में 190 गरीबों को पक्के मकान, सभी मुख्य सड़कों का डामरीकरण और पेवर ब्लॉक, 40 नए विद्युत खंभे और नल.जल योजना का विस्तार। वार्ड वासियों का साफ कहना है कि जैसा विकास वार्ड 27 में हुआ है वैसा शहर के किसी और वार्ड में नहीं हुआ। इसलिए अगली बार भी पार्षद के रूप में वे सूर्यवंशी को ही देखना चाहते हैं।

पीएम आवास के लिए चक्कर लगा रहा हूं धनंजय चौधरी

वार्ड 27 में ही रहने वाले धनंजय चौधरी ने बताया कि बारिश के समय मेरा भी कच्चा मकान गिर गया था । पन्नी लगाकर किसी तरह मैं अपना जीवन जी रहा हूं और पीएम आवास के लिए भी प्रयास में लगा हूं कब तक मिलता है इसका कोई जानकारी नहीं है। नगर निगम में कोई सही जानकारी नहीं देते हैं यही कहते हैं कि जब आपका नाम कंप्यूटर में आ जाएगा और फाइल पास हो जाएगी तो आगे काम बढेगा इस तरह से कहकर हमें लौटा देते हैं नगर निगम के जिम्मेदार लोग अब मैं क्या करूं।

लेकिन सिक्के का दूसरा पहलू भी देखिए

मेरा पति नहीं है घर कच्चा है बारिश में सब बह गया फिर भी आवास नहीं मिला। गली नंबर 13ए राजेंद्र नगर की 55 वर्षीय विधवा गुड्डी चौधरी की आंखों में आंसू थे। बोलीं मैं गरीब विधवा हूंए पति को मरे दो साल हो गए। कच्चे मकान में रहती हूं बारिश में पूरा घर भर गया सारी गृहस्थी बर्बाद हो गई। नगर निगम में फॉर्म भरा सालों हो गए। जाती हूं तो बस एक ही जवाब मिलता है . हो जाएगा तो बता देंगे।65 वर्षीय मुन्नी बाई चौधरी ने तो सिस्टम पर ही सवाल उठा दिया गरीबों का काम कोई नहीं करता। उन्होंने कहा कि सुना था प्रधानमंत्री गरीबों को पक्का मकान दे रहे हैं फॉर्म जमा किया एक साल से ज्यादा हो गया आज तक कोई सुनवाई नहीं। राम बाई चौधरी का दर्द भी ऐसा ही है निगम वाले आए फोटो खींचकर ले गए बोले पक्का मकान मिलेगा अब कच्चे वाले पक्के में रहेंगे। सालों बीत गए कोई लौटकर नहीं आया। सवाल यही है जब वार्ड में 90: विकास हो चुका है तो ये गरीब परिवार 10: में भी क्यों नहीं आ सकेघ् क्या पीएम आवास योजना का लाभ सच में आखिरी पंक्ति में खड़े व्यक्ति तक पहुंच रहा है।

त्योहारों से पहले सतना पुलिस अलर्ट

नगर पुलिस अधीक्षक बोले गुंडे बदमाशों की अब खैर नहीं

सतना स्वतंत्र मत। शहर की कानून व्यवस्था को लेकर नगर पुलिस अधीक्षक मनीष त्रिपाठी ने वरिष्ठ पत्रकार हमीद खान से औपचारिक चर्चा की। इस दौरान उन्होंने शहर की सुरक्षा आगामी त्योहारों की तैयारी अपराध नियंत्रण और यातायात व्यवस्था को लेकर पुलिस की रणनीति का खुलासा किया। नगर पुलिस अधीक्षक श्री त्रिपाठी ने कहा कि आने वाले त्योहारों को शांतिपूर्ण और सुरक्षित तरीके से मनाने के लिए पुलिस ने अभी से तैयारी शुरू कर दी है। शहर के सभी थाना प्रभारियों को अलर्ट मोड पर रखा गया है और संवेदनशील इलाकों में विशेष निगरानी बढ़ा दी गई है। नगर पुलिस अधीक्षक श्री त्रिपाठी ने स्पष्ट कहा कि शहर में सक्रिय गुंडे बदमाश निगरानी बदमाश और आदतन अपराधियों की लिस्ट तैयार कर ली गई है। त्योहारों से पहले सभी की परेड ली जाएगी और जो भी माहौल बिगाड़ने की कोशिश करेगा उसके खिलाफ जिला बदर और छै। तक की कार्रवाई की जाएगी। शहर की बिगड़ी यातायात व्यवस्था को लेकर भी सी एस पी ने बड़ा बयान दिया। उन्होंने कहा कि मुख्य बाजार अस्पताल चौराहा बस स्टैंड और स्कूलों के आसपास जाम की समस्या को खत्म करने के लिए नया ट्रैफिक प्लान लागू किया जा रहा है। अतिक्रमण करने वालों और नो.पार्किंग में वाहन खड़ा करने वालों पर अब चालानी कार्रवाई तेज होगी।उ वरिष्ठ पत्रकार हमीद खान से चर्चा में नगर पुलिस अधीक्षक मनीष त्रिपाठी ने कहा सतना पुलिस का मकसद सिर्फ कार्रवाई नहीं बल्कि जनता में सुरक्षा का एहसास जगाना है। हर नागरिक त्योहार शांति से मनाएए इसके लिए पुलिस 24 घंटे मैदान में रहेगी। शहर में पुलिस की इस सक्रियता से आम लोगों में सुरक्षा को लेकर भरोसा बढ़ा है।

छेड़छाड़ की झूठी एफआईआर का आरोप

सतना स्वतंत्रमत। सिंहपुर थाने में दर्ज छेड़छाड़ की झूठी एफ आई आर को लेकर एक प्रार्थी ने पुलिस अधीक्षक सतना को आवेदन देकर निष्पक्ष जांच और झूठी शिकायतकर्ता के विरुद्ध कार्रवाई की मांग की है। प्रार्थी ने अपने आवेदन में बताया कि दिनांक 26/7/26 को समय करीब 9.30 बजे वह दीपू उर्फ ओमप्रकाश धीमर के साथ पैदल घर जा रहा था। जैसे ही वह पप्पू उर्फ रामलखन सेन के घर के पास पहुंचा तो रामलखन उर्फ पप्पू सेन रामजुदावन सेन एवं काजल सेन वहां आ गए और पुराने विवाद को लेकर प्रार्थी एवं उसके साथी को माँ.बहन की अश्लील गालियां देने लगे। मना करने पर पप्पू उर्फ रामलखन सेन ने डंडे से प्रार्थी के साथ मारपीट शुरू कर दी जबकि रामजुदावन सेन तथा काजल सेन ने हाथ.मुक्का और घूंसों से मारपीट की। बचाने दौड़े दीपू उर्फ ओमप्रकाश धीमर के साथ भी तीनों ने हाथ.मुक्का लात.घूंसों से मारपीट की और जान से मारने की धमकी देते हुए कहा कि आज तो बच गए दोबारा मिलोगे तो जान से खत्म कर देंगे। हल्ला.गोहार सुनकर अशोक लोधीए अरुण लोधी और प्रार्थी का भाई सीताराम मौके पर आए और बीच.बचाव कर उनकी जान बचाई। मारपीट में प्रार्थी के सिर के सामने तरफ बाईं कनपटी में बाएं गाल के नीचे गर्दन मेंए पीछे कमर में कान में तथा दाएं पैर में चोटें आई हैं। प्रार्थी का आरोप है कि इसी घटना को छुपाने के लिए विपक्षी काजल सेन ने थाना सिंहपुर में उसके विरुद्ध छेड़छाड़ की झूठी एफ आई आर दर्ज करा दी है। प्रार्थी ने एसपी से मांग की है कि पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कराई जाए । झूठी एफ आई आर में खात्मा लगाया जाए और झूठी शिकायत करने वाली काजल सेन के विरुद्ध वैधानिक कार्रवाई की जाए।

विट्स कॉलेज की छात्राओं की बढ़ी मुश्किलें

सतना स्वतंत्रमत। नगर वन के सामने लड़के से दोस्ती न करने पर एक छात्रा से मारपीट उसका वीडियो बनाकर वायरल करने और जबरन माफी मंगवाने के मामले में आरोपी छात्राओं को हाई कोर्ट से भी राहत नहीं मिली। खुशी पांडेय ` विरुद्ध मध्य प्रदेश शासन के मामले में जबलपुर हाई कोर्ट में सुनवाई हुई। न्यायाधीश अजय कुमार निरंकारी की कोर्ट में आरोपी पक्ष की ओर से अधिवक्ता कुलदीप सिंह ने सामान्य आपसी मारपीट और सभी के स्टूडेंट होने का हवाला देते हुए जमानत की मांग की। लेकिन शासन की ओर से सरकारी

अधिवक्ता बी.के. उपाध्याय और ऑब्जेक्टर अधिवक्ता अमित कुमार पांडेय ने वीडियो सहित अन्य डिजिटल साक्ष्य कोर्ट के सामने रखे। साक्ष्यों को देखने के बाद कोर्ट ने इसे सामान्य मारपीट नहीं बल्कि सुनियोजित घटना माना। बताया जा रहा है कि इंस्टाग्राम ग्रुप के जरिए इंटर कॉलेज यूथ का ग्रुप बनाकर इस तरह की घटनाओं को अंजाम दिया जा रहा था। नगर वन के सामने हुई इस घटना में पीड़ित छात्रा को न सिर्फ पीटा गया बल्कि उसका वीडियो बनाकर उसे अपमानित करने के लिए वायरल भी किया गया। अंत में बचाव पक्ष ने अपनी पहली जमानत याचिका वापस लेने की प्रार्थना की जिसे कोर्ट ने स्वीकार करते हुए आदेश दिया कि आवेदिका सक्षम न्यायालय प्राधिकारी के समक्ष समर्पण कर नियमित जमानत याचिका दायर करे जिस पर ट्रायल कोर्ट शीघ्र निर्णय ले।

कामता टोला के स्कूल में मौत की दरारें

सतना स्वतंत्रमत। शिक्षा विभाग की लापरवाही का नमूना वार्ड 36 के शासकीय हाई स्कूल कामता टोला में साफ दिख रहा है। स्कूल भवन की दीवारों में चौड़ी.चौड़ी दरारें आ गई हैं। छत का प्लास्टर जगह.जगह से उखड़ रहा है। हालात ऐसे हैं कि कभी भी कोई बड़ा हादसा हो सकता है और मासूम छात्र.छात्राओं की जान भी जा सकती है। इस स्कूल में कक्षा 9वीं और 10वीं के 200 से ज्यादा छात्र.छात्राएं पढ़ते हैं। डर के साए में बच्चे क्लास करने को मजबूर हैं। कई कमरों की दीवारें इतनी जर्जर हो चुकी हैं कि हल्का सा झटका लगते ही गिर सकती हैं।

बरसात के मौसम में खतरा और बढ़ गया है। दीवारें सीलन से फूल रही हैं। स्कूल स्टाफने नाम न छापने की शर्त पर बताया कि कई बार बीईओ और डीईओ को लिखित शिकायत की गई। भवन मरम्मत के लिए प्रस्ताव भी वार्ड पार्षद द्वारा भेजा गया। लेकिन आज तक कोई कार्रवाई नहीं हुई। शिक्षक खुद डर के माहौल में पढ़ा रहे हैं। बच्चों को जर्जर कमरों से दूर बैठाने की कोशिश करते हैं पर जगह की कमी के कारण मजबूरी है। बच्चों के माता.पिता ने कहा कि सरकार नए स्कूल खोलने के दावे करती है। पर पुराने स्कूलों की सुन नहीं ले रही। हर साल रखरखाव के नाम पर लाखों का बजट आता है वो कहां जाता है अगर हमारे बच्चों को कुछ हुआ तो कौन जिम्मेदार होगा। कलेक्टर से मांग है कि तुरंत जांच कर भवन को सुरक्षित किया जाए या बच्चों को दूसरी जगह शिफ्ट करें। शिक्षा विभाग के नियमानुसार हर साल भवन की संरचनात्मक ऑडिट होना चाहिए।

प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना कैम्प आयोजित

नरसिंहपुर। स्वतंत्रमत। मध्य प्रदेश पूर्व क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी लिमिटेड नरसिंहपुर शहर के कार्यालय प्रांगण में सेवा सेतु अभियान के अंतर्गतप्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना कैम्प आयोजित किया गया। जिसमें विद्युत विभाग. उर्जा विकास निगम, बैंक कर्मचारी, एवं सोलर वेन्डर उपस्थित रहे। कैम्प के दौरान बड़ी संख्या में उपभोक्ताओं के द्वारा योजना की जानकारी प्राप्त की गई। मौके पर 19 हितग्राहीयों के द्वारा योजना का लाभ लेने के लिए अपना पंजीकरण कराया शासन की इस पहल जिसमें एक ही स्थान पर सेवा प्रदाता ,आर्थिक सहायता हेतु बैंक, एवं भौतिक सहायता के लिए संबंधित सोलर वेन्डर उपस्थित रहने की हितग्राहियों के द्वारा सराहना की गई है।

सड़क सुरक्षा जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

नरसिंहपुर। स्वतंत्रमत। शासकीय हाईस्कूल खापा शेढ़ में विद्यार्थियों को सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से सड़क सुरक्षा जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में विद्यार्थियों को यातायात नियमों एवं सड़क पर सुरक्षित आवागमन के संबंध में महत्वपूर्ण जानकारी दी गई। कार्यक्रम के दौरान विद्यालय स्टाफ कुबेर सिंह पटेल, भूपेन्द्र पटेल, ओंकार गोस्वामी, गेन्दालाल काछी, प्रशांत सिंगोतिया एवं आकांक्षा राजोरिया द्वारा विद्यार्थियों से सड़क सुरक्षा एवं यातायात नियमों के संबंध में अवगत कराया। विद्यार्थियों से विभिन्न नियमों एवं सड़क पर बरती जाने वाली सावधानियों के बारे में प्रश्न पूछे गए तथा उनके विचार भी जाने गए। विद्यार्थियों को हेलमेट पहनने, सीट बेल्ट लगाने, यातायात संकेतों का पालन करने, सड़क पार करते समय सावधानी रखने तथा वाहन चलाते समय मोबाइल फोन का उपयोग न करने के बारे में बताया गया। साथ ही रात के समय सड़क पर चलते हुए रिफ्लेक्टिव या हल्के रंग के कपड़े पहनने के महत्व को भी समझाया गया। कार्यक्रम में विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता करते हुए सड़क सुरक्षा नियमों को समझा और उनका पालन करने का संकल्प लिया। विद्यालय स्टाफ द्वारा विद्यार्थियों को स्वयं सुरक्षित रहने तथा अपने परिवार एवं समाज के अन्य लोगों को भी यातायात नियमों के प्रति जागरूक करने के लिए प्रेरित किया गया।

मध्यप्रदेश साहू समाज की कार्यकारिणी में नरसिंहपुर को विशेष प्रतिनिधित्व

नरसिंहपुर स्वतंत्रमत। मध्यप्रदेश साहू समाज भोपाल कोर समिति की विगत दिवस आयोजित वर्चुअल बैठक में संगठन के विस्तार को लेकर महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए। बैठक में प्रदेश संगठन की नई कार्यकारिणी का विस्तार करते हुए विभिन्न पदों पर पदाधिकारियों की नियुक्तियां की गईं। कार्यकारिणी में जबलपुर संभाग के अंतर्गत नरसिंहपुर जिले को विशेष प्रतिनिधित्व मिला है। बैठक में अध्यक्ष भगवानदास साहू, कार्यकारी अध्यक्ष चौधरी राजेश कुमार साहू, महासचिव प्रो. टी.आर. साहू, अतिरिक्त महासचिव सतीश साहू, संरक्षक प्रो. एम.आर. साहू, चौधरी अशोक कुमार साहू एवं कोषाध्यक्ष काशीराम साहू सहित संगठन के प्रमुख पदाधिकारी शामिल हुए। संगठन विस्तार के तहत चौधरी राजेश कुमार साहू नरसिंहपुर को प्रादेशिक कार्यकारी अध्यक्ष भोपाल तथा चौधरी अशोक कुमार साहू को संरक्षक की जिम्मेदारी दी गई। वहीं शांतनु साहू को जिला अध्यक्ष नरसिंहपुर एवं श्रीमती सविता सुभाष साहू को जिला महिला अध्यक्ष बनाया गया। इसके अलावा मोहन लाल साहू करेली एवं महेश साहू करेली को प्रादेशिक संगठन सचिव, चंद्र मोहन साहू बरमान को प्रादेशिक युवा अध्यक्ष, गोविंद साहू नरसिंहपुर को प्रादेशिक संगठन प्रचार सचिव, डॉ. महेश साहू को प्रादेशिक संगठन सचिव, सुभाष साहू को व्यापारी प्रकोष्ठ प्रभारी तथा चौधरी दीपक साहू को सचिव आईटी सेल की जिम्मेदारी सौंपी गई। मोहन लाल साहू नरसिंहपुर को शिक्षा प्रकोष्ठ प्रभारी, नित्यगोपाल साहू सालीचौका को प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य, ओमप्रकाश साहू गोटेगांव को प्रादेशिक संगठन सह सचिव, आशीष साहू गोटेगांव को मीडिया प्रभारी तथा पवन साहू एवं खेमचंद साहू गोटेगांव को प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य बनाया गया। चौधरी चंद्रशेखर साहू नरसिंहपुर को प्रदेश प्रभारी राजनीतिक प्रकोष्ठ, विजय नायक गाडरवारा को जिला उपाध्यक्ष, एडवोकेट नितिन साहू गाडरवारा को विधि प्रकोष्ठ प्रभारी, गीतेश साहू सालीचौका को संगठन सचिव युवा प्रकोष्ठ तथा नितिन साहू बंधा, तेंदूखेड़ा को संगठन मंत्री युवा प्रकोष्ठ की जिम्मेदारी दी गई। इसके साथ ही करोड़ी लाल साहू एवं देवी प्रसाद साहू को प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य, शिवशंकर साहू कमती गोटेगांव को संभागीय प्रचार मंत्री, राधेश्याम साहू नरसिंहपुर को जिला मीडिया प्रभारी, बी.डी. साहू गोटेगांव को तहसील अध्यक्ष, चौधरी चरणसेवक साहू को कार्यकारिणी सदस्य, डॉ. के.के. साहू को प्रदेश चिकित्सा प्रकोष्ठ प्रमुख, रामेश्वर साहू इमलिया एवं संतोष कुमार साहू को जिला उपाध्यक्ष तथा हरिओम साहू को छत्तीसगढ़ राज्य प्रभारी बनाया गया।

विधायक निवास पर आयोजित हुई जनसुनवाई में 193 आवेदनों पर सुनी आमजनों की समस्याएं

नरसिंहपुर। स्वतंत्रमत। विधानसभा क्षेत्र के लोकप्रिय पूर्व राज्यमंत्री जालम सिंह पटेल द्वारा प्रत्येक गुरुवार को विधायक निवास पर आयोजित की जाने वाली जनसुनवाई में इस सप्ताह 193 आवेदन प्राप्त हुए। जिले के विभिन्न ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों से पहुंचे नागरिकों ने अपनी समस्याएं, शिकायतें और मांगें श्री पटेल के समक्ष रखीं। उन्होंने सभी प्रकरणों को गंभीरता से सुनते हुए संबंधित विभागों के अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए तथा कई मामलों का मौके पर ही त्वरित समाधान कराया जनसुनवाई अब आमजन और जनप्रतिनिधि के बीच प्रभावी संवाद का सशक्त माध्यम बनती जा रही है। बड़ी संख्या में लोग अपनी समस्याओं के समाधान की उम्मीद लेकर यहां पहुंचते हैं। त्वरित कार्रवाई, संवेदनशीलता और सकारात्मक पहल के कारण लोगों का जनसुनवाई के प्रति विश्वास लगातार बढ़ रहा है इस अवसर पर जालम सिंह पटेल ने कहा कि जनता की समस्याओं का स्थायी समाधान उनकी सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि लंबित प्रकरणों का शीघ्र निराकरण सुनिश्चित किया जाए, ताकि लोगों को अनावश्यक परेशानियों का सामना न करना पड़े।

नरसिंहपुर में कांग्रेस ने वोट चोरी के विरोध में किया प्रदर्शन, पुतला दहन के दौरान पुलिस से झड़प

कांग्रेस कार्यकर्ताओं को पुलिस ने हिरासत में लिया

नरसिंहपुर। स्वतंत्रमत

अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के निर्देश पर दिल्ली में श्री राहुल गांधी , श्रीमती प्रियंका गांधी एवं ब्लॉक के सांसदों को कथित वोट चोरी के खिलाफ प्रदर्शन के दौरान रोके जाने एवं हिरासत में लिए जाने के विरोध में नरसिंहपुर कांग्रेस द्वारा विरोध प्रदर्शन किया गया।प्रदर्शन के दौरान कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार एवं केंद्र की मोदी सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। कार्यकर्ताओं ने लोकतांत्रिक अधिकारों एवं संविधान की रक्षा की मांग उठाते हुए पुतला दहन किया। पुतला दहन के दौरान प्रदर्शनकारियों और पुलिस के बीच झड़प की स्थिति निर्मित हो गई। स्थिति को नियंत्रित करने के लिए पुलिस द्वारा वॉटर कैनन का इस्तेमाल किया गया। कुछ समय तक घटनास्थल पर तनावपूर्ण

स्थिति बनी रही।प्रदर्शन के बाद पुलिस ने मौके पर मौजूद कांग्रेस के कई कार्यकर्ताओं को डिटेन कर हिरासत में लिया। हिरासत में लिए जाने के दौरान भी कांग्रेस कार्यकर्ता अपनी मांगों को लेकर लगातार नारेबाजी करते रहे। कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने कहा कि लोकतांत्रिक तरीके से अपनी आवाज उठाना हर नागरिक का अधिकार है। लोकतंत्र एवं संविधान से जुड़े महत्वपूर्ण मुद्दों पर उठ रही आवाज को दबाया नहीं जा सकता। कांग्रेस का यह प्रदर्शन लोकतांत्रिक अधिकारों एवं संवैधानिक मूल्यों की रक्षा के संकल्प को मजबूती से सामने रखता है। इस अवसर पर पूर्व विधायक सुनील जायसवाल, पूर्व नगर पालिका अध्यक्ष राजेंद्र रघुवंशी , विधानसभा प्रभारी गणेश पटेल, नपा नेता प्रतिपक्ष रुद्रेश तिवारी, वरिष्ठ कांग्रेस नेता संजीव चाँदोरकर,जिला प्रवक्ता अजय दुबे, आशीष गुप्ता, मुकेश शर्मा, चंद्रप्रकाश यादव,नगर कांग्रेस अध्यक्ष रोहित पटैल , सेवादल जिला अध्यक्ष अतुल चोरसिया पार्षद बॉबी खान, बबलू खान, मुकेश कटारे, ग्रामीण ब्लॉक अध्यक्ष धनीराम पटेल, पूर्व पार्षद मनोहर ठाकुर, अखिलेश शर्मा, दुलीचंद नेमा, नीलू राय, मनोज राव, जग्गी सोनी, प्रताप गुमास्ता, मयंक साहू, पूर्व एनएसयूआई जिला अध्यक्ष ईशान राय, अभिषेक जाट, अभिषेक प्रजापति, मनीष कौरव, युवा कांग्रेस प्रदेश सचिव सोमनाथ पटेल, विधानसभा अध्यक्ष शुभम ठाकुर, अभय राय, हेमराज ठाकुर, एडवोकेट संजय राजपूत, आकाश ठाकुर, आज़ाद खान, प्रियांक कहार, पलाश पटेल, अभिषेक गुप्ता, समद भाईजान, अन्नी यादव, कैलाश नोरिया, शिवम पाठक, रक्षित चौरसिया, समीर खान, आरिफ खान, निखिल सराठे, राजाराम पटेल, इमरान खान सहित बड़ी संख्या में कांग्रेस पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

भव्य शोभायात्रा और प्रतिभा सम्मान समारोह के साथ मनाया जाएगा अग्रसेन जयंती महोत्सव

गाडरवारा (स्वतंत्र मत)

प्रति वर्षानुसार इस वर्ष भी अग्रवाल समाज, अग्रवाल महिला मंडल एवं अग्रवाल युवा परिषद के संयुक्त तत्वावधान में समाजवाद के प्रणेता, प्रातः वंदनीय श्री श्री 1008 महाराजाधिराज अग्रसेन जी का जन्मोत्सव आगामी 9, 10 एवं 11 अक्टूबर 2026 को अत्यंत धूमधाम व श्रद्धाभाव के साथ मनाया जाएगा। त्रिदिवसीय इस भव्य आयोजन को लेकर समाज के सभी वर्गों में भारी उत्साह देखा जा रहा है। ?आयोजन के पहले दिन, 9 अक्टूबर (शुक्रवार) को शाम 4ः00 बजे श्रीदेव बांके बिहारी मंदिर में विभिन्न मनोरंजक व खेलकूद प्रतियोगिताओं के साथ महोत्सव का शुभारंभ होगा। इस दौरान बच्चों के लिए खेलकूद और मातृशक्ति के लिए विशेष सरप्राइज गेम तथा 'फूलों की ज्वेलरी' प्रतियोगिता आयोजित की जाएगी। ?दूसरे दिन, 10 अक्टूबर (शनिवार) को शाम 7ः00 बजे स्थानीय सुखदेव भवन में सांस्कृतिक संध्या एवं स्वरुचि भोज का आयोजन रहेगा। इसमें विभिन्न आयु वर्ग के बच्चों और महिलाओं द्वारा धार्मिक गीतों पर आधारित नृत्य प्रस्तुतियां दी जाएंगी तथा फैंसी ड्रेस प्रतियोगिता संपन्न होगी। जयंती के मुख्य दिवस, 11 अक्टूबर (रविवार) को प्रातः 9ः00 बजे श्रीदेव लक्ष्मीनारायण मंदिर (लाड़ोमोदन) में विधि-विधान से महाराजा अग्रसेन जी का पूजन-अर्चन कर महाप्रसादी वितरित की जाएगी। दोपहर 4ः00 बजे इसी मंदिर से नगर के प्रमुख मार्गों पर भव्य शोभायात्रा निकाली जाएगी, जिसका समापन

शाम 6ः00 बजे राधावल्लभ वार्ड स्थित श्रीदेव बांके बिहारी जी मंदिर में होगा। इसके उपरांत महाआरती, प्रतियोगिताओं का पुरस्कार वितरण तथा 10वीं व 12वीं बोर्ड परीक्षाओं में 75त्न से अधिक अंक प्राप्त करने वाले समाज के मेधावी छात्र-छात्राओं का %प्रतिभा सम्मान समारोह% आयोजित होगा। ?महोत्सव श्रृंखला के अंतर्गत 13 अक्टूबर (मंगलवार) को शाम 7ः00 बजे से सुखदेव भवन में भव्य गरबा महोत्सव का आयोजन भी किया जाएगा। अग्रवाल समाज के सचिव मोहन अग्रवाल ने समस्त अग्रबंधुओं से सपरिवार पारंपरिक वेशभूषा में शोभायात्रा सहित सभी कार्यक्रमों में सम्मिलित होकर आयोजन को भव्य और सफल बनाने की अपील की है।

आम सूचना

मै शपथकर्ता विनोद किरार आ. श्री कोमलसिंह किरार ग्राम देवरी पो. भौरा तहसील तेंदूखेड़ा जिला नरसिंहपुर का निवासी हूं। मेरे पुत्र का जन्म दिनांक 09.09.2012 को पराड़कर नर्सिंग होम, नरसिंहपुर मे हुआ था। पूर्व मे जारी जन्म प्रमाणपत्र मे मेरे पुत्र का नाम "ब्रजेश पटेल" पिता का नाम विनोद किरार तथा माता का नाम श्रद्धा किरार दर्ज हो गया था। नामकरण के पश्चात उसका सही और वास्तविक नाम "राज किरार" रखा गया है। उसके अन्य सभी आधिकारिक दस्तावेजो जैसे आधार, समग्र आईडी, अंकसूची आदि मे उसका नाम "राज किरार" ही दर्ज चला आ रहा है। अतः मुझे अपने पुत्र के जन्म प्रमाण पत्र मे पुत्र का नाम "ब्रजेश पटेल" के स्थान पर "राज किरार" दर्ज किया जाकर संशोधित डिजीटल जन्म प्रमाणपत्र प्रदान किया जाए।

विनोद किरार, शपथकर्ता

शांति समिति की बैठक आज

मण्डला(स्वतंत्रमत)।

जिले में आगामी विजयादशमी दशहरा दीपावली एवं अन्य पर्वों को शांतिपूर्ण सौहार्दपूर्ण एवं व्यवस्थित वातावरण में संपन्न कराने के उद्देश्य से जिला प्रशासन द्वारा आवश्यक तैयारियाँ की जा रही हैं। इसी क्रम में शांति समिति की आवश्यक बैठक आयोजित की जाएगी कार्यालय तहसीलदार से प्राप्त जानकारी के अनुसार बैठक आज शाम 5:30 बजे जिला योजना भवन में आयोजित होगी बैठक में आगामी पर्वों के दौरान कानून-व्यवस्था, साफ-सफाई, यातायात व्यवस्था, विद्युत एवं अन्य आवश्यक व्यवस्थाओं के संबंध में चर्चा कर आवश्यक समन्वय एवं तैयारियों की समीक्षा की जाएगी।

फाउंडेशन कार्यशाला आज

मण्डला(स्वतंत्रमत)। हम फाउंडेशन भारत की जिला शाखा की कार्यशाला 9 अक्टूबर को कटरा रोड स्थित खाना खजाना रेस्टोरेंट में दोपहर बाद 12 बजे से 3 बजे तक आयोजित की गई है। इस कार्यशाला में प्रदेश संरक्षक बीके राय, समग्र विकास प्रमुख महाकौशल प्रांत से संतोष कुमार असाटी, प्रदेश महासचिव युनुस खान, बालाघाट जिले के अध्यक्ष श्याम कौशल जिले से अध्यक्ष एचपी झरिया मुख्य रूप से उपस्थित रहेंगे।

समय सीमा की बैठक आयोजित

मण्डला(स्वतंत्रमत)। कलेक्टर द्वारा जिला योजना भवन में आयोजित समय-सीमा बैठक में जिले में संचालित विभिन्न विभागीय योजनाओं कार्यक्रमों एवं जनकल्याणकारी गतिविधियों की प्रगति की समीक्षा की गई। बैठक में टीएल के लंबित प्रकरणों के निराकरण के साथ-साथ शासन की प्राथमिकता वाली योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित करने के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए गए बैठक में एनीमिया मुक्त मंडला अभियान की विशेष रूप से समीक्षा की गई। स्वास्थ्य एवं शिक्षा विभाग के अधिकारियों को निर्देशित किया गया कि जिले में बच्चों की नियमित स्वास्थ्य स्क्रीनिंग का कार्य निरंतर जारी रखा जाए। स्क्रीनिंग के दौरान एनीमिया से चिन्हित बच्चों को आवश्यकतानुसार आयरन टेबलेट उपलब्ध कराने तथा उनके नियमित सेवन की निगरानी सुनिश्चित की जाए।

हरिलाल यादव का निधन

मण्डला/निवास(स्वतंत्रमत)। नगर के रसलगंज निवासी भाजपा युवा मोर्चा उपाध्यक्ष एवं समाजसेवी अंकित यादव तथा रोहित यादव के पिता हरिलाल यादव (भक्कू) का लगभग 55 वर्ष की आयु में निधन हो गया। वे लंबे समय से अस्वस्थ चल रहे थे और जबलपुर मेडिकल में उपचार के दौरान हृदय गति रुकने से उनका निधन हुआ हरिलाल यादव क्षेत्र के प्रतिष्ठित नागरिक के रूप में जाने जाते थे। बुधवार को स्थानीय मुक्तिधाम में उनका अंतिम संस्कार किया गया अंतिम यात्रा में बड़ी संख्या में नगरवासी एवं परिचित शामिल हुए और दिवंगत आत्मा को श्रृद्धांजलि अर्पित की।

जनता के पैसे की सरकारी होली, सड़क निर्माण में की खुलेआम लूट बातें बड़ी-बड़ी धरातल में सब कुछ हवा-हवाई

मण्डला(स्वतंत्रमत)।

हाल ही में नगर पालिका सीएमओ गजानन नाफडे 2 लाख की रिश्वत खुलेआम लेते हुए दबौचे गए हैं नगरीय प्रशासन विभाग ने उन्हें सस्पेंड करते हुए जबलपुर कार्यालय अटैच किया है। लेकिन उनके अनेक कारनामे अब खुल कर सामने आ रहे हैं। इन कारनामों की नगर पालिका अध्यक्ष, उपाध्यक्ष और पार्षदों को कितनी जानकारी है यह तो स्पष्ट नही हो पाया है लेकिन ऐसे हैरत करने वाले घपले किए गए हैं जो कि गंभीर जांच के दायरे में आ सकते हैं और अगर ऐसे मामलो की गंभीर उचित जांच निष्पक्ष तरीके से होती है तो इंजीनियर सहित अन्य अमला भी कानूनी प्रक्रिया में उलझ सकता है। ऐसा ही एक मामला मुख्यमंत्री नगरीय क्षेत्र अधोसंरचना निर्माण कार्य का सामने आया है। टेंडर के अनुसार आंगन तिराहा महाराजपुर से घंसोर रोड़ नगर पालिका सीमा तक सडक़ चौड़ीकरण पुलिया

निर्माण एवं सौन्दर्यीकरण कार्य के लिए लगाए गए टेंडर का सामने आया है। टेंडर अब्दुल अजीज ठेकेदार मंडला को नियम व शर्तो के आधार पर दिया गया था इस निर्माण कार्य का भूमि पूजन भव्यता से किया गया और ठेकेदार को पूर्णत: प्रमाण पत्र भी जारी कर दिया गया। मतलब निर्माण कार्य की टेंडर राशि भी प्रदान कर दी गई लेकिन विभागीय दस्तावेज और टेंडर की नियमावलि अनुसार इस सडक़ का पूर्ण निर्माण नही कराया गया है। वहीं पूरी सडक़ में कहीं पर भी सौन्द्रीयकरण का कार्य नही हुआ है यही नही कहीं पर भी पुलिया निर्माण भी नही हुआ है। आम आदमी पार्टी को शिकायत मिली और उन्होंने इसके दस्तावेज खंगाले जिस पर इंजीनियर और पूर्व सीएमओ की मिलीभगत से लंबा घपला किया गया है। सडक़ में न तो डिवाडर बनाए गए हैं और न ही सौन्द्रीयकरण हुआ है और न ही सडक़ की मानक स्तर को मेटेंन्स किया गया है। आम आदमी पार्टी के जिला अध्यक्ष पंकज सोनी ने बताया कि नगर पालिका घपलेबाजी का अड्डा बन गई है यहां पर नगर के अंदर जो भी कराए गए हैं सब में जमकर हेराफेरी की गई है। वहीं यह सडक़ ही नही अन्य सडक़ो में भी जमकर ठेकेदारों के साथ मिलकर भ्रष्टाचार किया गया है। आम आदमी पार्टी ने कलेक्टर के संज्ञान में मामला लाया है जहां से जांच कराए जाने की बात कहीं गई है लेकिन सवाल यह है कि नगर मुख्यालय में अगर इस तरह का भ्रष्टाचार खुलेआम होगा तो फिर दूर दराज के क्या हाल होंगे वहीं स्थानीय महाराजपुर के रहवासियों ने बताया कि सडक़ बनाने में जमकर लापरवाही बरती गई है साइड सोल्डर नही बनाए गए हैं वहीं पूरी सडक़ बब्लिंग कर रही हैं। वहीं सड़क में जो मटेरियल यूज किया गया है उसका कोई लैबटेस्ट में सवाल हैं। जबकि करोड़ो के कामों में ठेकेदारों को मौंका स्थल में लैब रखे जाने के निर्देश हैं यह काम इंजीनियर श्री डेहरिया के मार्गदर्शन में किए जाने की बात सामने आई है। मामले को लेकर आम आदमी पार्टी उच्च स्तरीय शिकायत के लिए प्रयासरत बताई जाती है। बता दें कि शहर के विकास और यातायात व्यवस्था को बेहतर बनाने के नाम पर करोड़ों रुपये की परियोजनाएं स्वीकृत की जाती हैं लेकिन जब कागज और जमीन की तस्वीर अलग-अलग नजर आए तो सवाल उठना स्वाभाविक है। मंडला में आंगन तिराहा से घंसौर रोड नगर पालिका सीमा तक प्रस्तावित सड़क चौड़ीकरण डिवाइडर पुलिया निर्माण एवं सौंदर्यीकरण कार्य को लेकर ऐसा ही मामला सामने आया है। परियोजना के दस्तावेजों में जहां कार्य को पूर्ण दर्शाते हुए कार्यपूर्ति प्रमाण-पत्र जारी किया गया है वहीं मौके पर निर्धारित सीमा तक सडक़ निर्माण नहीं होने के आरोप लगाए जा रहे हैं।

मुख्यमंत्री नगरीय क्षेत्र अधोसंरचना निर्माण कार्य से जुड़ा है। इस परियोजना के लिए मूल प्राक्कलन 2 करोड़ 89 हजार 285 रुपये निर्धारित किया गया था जबकि बाद में पुनरीक्षित तकनीकी स्वीकृति 2 करोड़ 24 लाख 96 हजार रुपये की जारी हुई। यानी मूल अनुमान की तुलना में 24 लाख 6 हजार 715 रुपये की वृद्धि हुई। अब सवाल यह है कि जब दस्तावेजों में काम पूर्ण है तो सडक़ की वास्तविक स्थिति क्या है और पुनरीक्षित राशि में बढ़ोतरी किन कार्यों के लिए हुई उपलब्ध शासकीय दस्तावेजों के अनुसार परियोजना का नाम आंगन तिराहा से घंसौर रोड नगर पालिका सीमा तक रोड चौड़ीकरण डिवाइडर एवं सौंदर्यीकरण कार्य दर्ज है। पुनरीक्षित तकनीकी स्वीकृति में पुलिया निर्माण को भी कार्य का हिस्सा बताया गया है। परियोजना के तहत सडक़ को चौड़ा करने डिवाइडर बनाने पुलिया निर्माण तथा सौंदर्यीकरण जैसे कार्य किए जाने थे। यह मार्ग शहर के महत्वपूर्ण मार्गो में शामिल है। इसके बाद भी लापरवाही की गई है वहीं सूत्रों के अनुसार इस सड़क के मद को अन्य मार्गो में सामाहित करने की जानकारी भी सामने आई है जो कि नियमों के विपरीत है।

महाविद्यालय की छात्राएं बनीं एक्सपर्ट

मण्डला/बम्हनी(स्वतंत्र मत)।

उच्च शिक्षा विभाग भोपाल द्वारा प्रायोजित एवं स्वामी विवेकानंद करियर मार्गदर्शन के तहत शासकीय कला महाविद्यालय बम्हनी बंजर में पच्चीस दिवसीय आर्टिफिसियल ज्वेलरी निर्माण का प्रशिक्षण संपन्न हुआ। प्रभारी प्राचार्य ने दीप प्रज्वलित कर प्रशिक्षण उद्घाटन कार्यक्रम को प्रारंभ किया प्रभारी प्राचार्य एसपी झरिया ने अपने उद्बोदन में कहा की इस प्रशिक्षण में ज्वेलरी मेकिंग एक्सपर्ट के रूप में आप तैयार हुए है इस कार्य से निरंतर आगे बढ़ते रहिये डॉ. कुंती बराठे ने सभी छात्राओं को प्रोत्साहित करते हुए बधाई दी और कहा कि रोजगार की ये पहली सीढ़ी थी अब आप इसको अपने रोजगार के रूप में उपयोग करे डॉ विवेक कुमार जायसवाल ने अपना मार्गदर्शन देते हुए अनेक उदहारण से छात्राओं का मनोबल बढाया प्रशिक्षण संस्था सेंटर ऑफ़ डिस्कवरी फॉर विलेज डेवेलपमेंट संस्था के डायरेक्टर निशार कुरैशी ने अपने अनुभव और प्रशिक्षण से होने वाले लाभ को बताते हुए कहा की संस्था आपको बाज़ार व्यवस्था में सहयोग प्रदान करेगी। मास्टर ट्रेनर्स श्रीमती भूमिका पटेल ने प्रशिक्षण एवं सफलते के लिए केसे कार्य करे इस विषय पर अपनी बात रखी प्रशिक्षित छात्राओं में सुश्री दीपांशी एवं मुस्कान ने अपने अनुभव को बताते हुए कहा की संस्था ने हमें इस प्रशिक्षण से स्व रोजगार की प्रेरणा दी।

मेडिकल कॉलेज भवन का औचक निरीक्षण गुणवत्ता पर जांच दल ने जताई संतुष्टि

मण्डला(स्वतंत्रमत)।

निर्माणाधीन मेडिकल कॉलेज भवन की गुणवत्ता की जांच को लेकर बीते दिनों मुख्य अभियंताओं के दल ने निरीक्षण किया है। अचानक निरीक्षण करने पहुंची टीम ने निर्माणाधीन मेडिकल कॉलेज की संपूर्ण जांच की और रिपोर्ट तैयार की। जिले में मेडिकल कॉलेज भवन के निर्माण कार्य का भी औचक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण दल ने भवन निर्माण कार्य की गुणवत्ता को संतोषजनक एवं गुणवत्तापूर्ण पाया गया। निर्माण कार्य में निर्धारित गुणवत्ता मानकों के पालन को लेकर मंडला के संभागीय उप महाप्रबंधक मानवेंद्र सिंह सेंगर तथा निर्माण एजेंसी मेसर्स बीपीसीसी इंफ्रा के कार्य की सराहना की गई। मेडिकल कॉलेज जैसे महत्वपूर्ण एवं बड़े निर्माण कार्य में गुणवत्ता बनाए रखने को सकारात्मक उदाहरण माना गया।

समीक्षा के दौरान अधिकारियों ने निर्माण एजेंसी द्वारा किए जा रहे कार्यों की गुणवत्ता एवं निगरानी व्यवस्था को लेकर संतोष व्यक्त किया। प्रोजेक्ट मैनेजर विशाल दुबे ने बताया कि निर्माण कार्यों की गुणवत्ता सुनिश्चित करने और निर्माण एजेंसियों की कार्यप्रणाली की जमीनी स्तर पर जांच करने के उद्देश्य से 5 अक्टूबर 2026 को लेकर मेडिकल कॉलेज भवन का औचक निरीक्षण किया गया। लोक निर्माण विभाग के मंत्री राकेश सिंह एवं प्रमुख सचिव सुखवीर सिंह के निर्देशानुसार गुणवत्ता सुधार की कार्ययोजना के तहत निर्माण कार्यों का मौके पर निरीक्षण किया गया। औचक निरीक्षण के बाद मध्यप्रदेश सडक़ विकास निगम के प्रबंध संचालक भरत यादव की अध्यक्षता में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से समीक्षा बैठक आयोजित की गई। जिसमें मेडिकल कॉलेज भवन निर्माण की गुणवत्ता पर संतुष्टि व्यक्त की गई है। बैठक में निरीक्षण दलों द्वारा प्रस्तुत रिपोर्ट के आधार पर विभिन्न निर्माण कार्यो की गुणवत्ता, प्रगति और आवश्यक सुधारों पर विस्तार से चर्चा की गई।

प्रदेश के सात जिलों में मुख्य अभियंताओं के नेतृत्व में गठित सात दलों ने कुल 35 निर्माण कार्यो का औचक निरीक्षण किया। इनमें लोक निर्माण विभाग के 21 सडक़ एवं पुल निर्माण कार्य, परियोजना क्रियान्वयन इकाई के 4 भवन निर्माण कार्य, मध्यप्रदेश सडक़ विकास निगम के 6 कार्य, मध्यप्रदेश भवन विकास निगम के 3 कार्य तथा राष्ट्रीय राजमार्ग से संबंधित 1 कार्य शामिल रहा निरीक्षण के दौरान निर्माण कार्यों की गुणवत्ता, निर्धारित मापदंडों का पालन, मौके पर उपलब्ध सामग्री, कार्य की प्रगति तथा सडक़ सुरक्षा से जुड़े बिंदुओं का परीक्षण किया गया।

जहां कमियां पाई गईं, वहां संबंधित अधिकारियों एवं निर्माण एजेंसियों को आवश्यक सुधार के निर्देश दिए गए। समीक्षा में अधिकारियों को निर्माण कार्यो की नियमित निगरानी, गुणवत्ता परीक्षण और मौके पर निरीक्षण की प्रक्रिया को प्रभावी बनाने पर जोर दिया गया। प्रदेश में निर्माण कार्यों की गुणवत्ता में सुधार के लिए इस तरह के औचक निरीक्षण आगे भी जारी रहने की बात कही गई।

अनुशासन, दृढ़ संकल्प से ही मिलती है सफलता: एसपी

मण्डला(स्वतंत्रमत)।

शासकीय उत्कृष्ट विद्यालय मण्डला में सेवा संकल्प अभियान एवं प्रोजेक्ट संकल्प के अंतर्गत एक वृहद करियर कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस कार्यशाला का मुख्य उद्देश्य छात्र-छात्राओं को भविष्य की राह दिखाना और देश सेवा के प्रति प्रेरित करना था। कार्यक्रम में मुख्य मार्गदर्शक के रूप में पुलिस अधीक्षक राजेश रघुवंशी, डीएसपी सतीश चतुर्वेदी और 33वीं वाहिनी की डिप्टी कमांडेंट रुचिता चतुर्वेदी विशेष रूप से उपस्थित रहे। लक्ष्य के प्रति एकाग्रता ही सफलता की कुंजी है पुलिस अधीक्षक राजेश रघुवंशी ने विद्यार्थियों में जोश भरते हुए कहा कि अनुशासन से ही सफलता मिलती है। उन्होंने जोर

देकर कहा कि जीवन में एक कड़ा अनुशासन, अपने लक्ष्य के प्रति पूरी तरह से ध्यान केंद्रित करना और बिना रुके निरंतर आगे बढ़ते रहने की ललक ही किसी भी व्यक्ति को उसकी मंजिल तक पहुंचाती है। उन्होंने छात्रों को समय का सदुपयोग करने और विपरीत परिस्थितियों में भी विचलित न होने की सीख दी। कार्यशाला में डीएसपी सतीश चतुर्वेदी ने छात्र-छात्राओं को पुलिस विभाग अर्धसैनिक बलों और भारतीय सेना में करियर बनाने की बारीकियों से अवगत कराया।

उन्होंने इन सेवाओं में चयन की पूरी पद्धति शारीरिक और मानसिक योग्यता तथा लिखित परीक्षाओं की तैयारी के संबंध में व्यावहारिक मार्गदर्शन दिया। 33वीं वाहिनी की डिप्टी कमांडेंट रुचिता चतुर्वेदी ने विशेष रूप से छात्राओं का हौसला बढ़ाया।

उन्होंने बताया कि लड़कियों के लिए पुलिस विभाग में बेहतरीन करियर के अवसर मौजूद हैं। कार्यक्रम का बेहतरीन संयोजन करते हुए करियर काउंसलर अखिलेश उपाध्याय ने विद्यार्थियों को करियर निर्धारण की महत्ता के बारे में विस्तार से समझाया। अग्निवीर एवं एन सी सी के फायदों से अवगत कराया। इस अवसर पर शिवनारायण झारिया, कार्यक्रम अधिकारी एन एस एस प्रवीण अग्रवाल, सेकंड ऑफिसर एन सी सी संजय धनगर, आरके हरदहा सहित विद्यालय का स्टाफ और बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

सौम्या ने मालवा नृत्य में पाई उपलब्धि

मण्डला(स्वतंत्रमत)।

इंदौर में 1 से 4 अक्टूबर तक आयोजित चार दिवसीय ऑल इंडिया 23वें कल्चरल नेशनल डांस कॉन्टेस्ट एवं फेस्टिवल मालवा नृत्य महोत्सव 2026 में सौम्या खरे ने शानदार उपलब्धि हासिल कर जिले का नाम रोशन किया है। अखिल नटराज अंतर सांस्कृतिक संघ के तत्वावधान में आयोजित इस राष्ट्रीय स्तर के महोत्सव में 15 कैटेगरी में करीब 2000 प्रतियोगियों ने हिस्सा लिया। 20 वर्षीय सौम्या खरे ने सेमी-क्लासिकल नृत्य की प्रतिस्पर्धा में करीब 500 प्रतिभागियों को पीछे छोड़ते हुए प्रथम स्थान प्राप्त किया। राष्ट्रीय स्तर की इस प्रतियोगिता में शानदार प्रदर्शन कर प्रथम स्थान

हासिल करने के साथ दो प्रतिष्ठित सम्मान प्राप्त करना न केवल सौम्या और उनके परिवार के लिए, बल्कि पूरे जिले के लिए गौरव का विषय है। मालवा नृत्य महोत्सव में भरतनाट्यम, कथक, ओडिसी, कुचिपुड़ी, मोहिनीअट्टम, रवीन्द्र नाट्यम, आंध्रनाट्यम, पेरिनी नाट्यम, सत्त्रिया, मणिपुरी, सेमी-क्लासिकल, भारतीय लोक नृत्य, बॉलीवुड, हिप-हॉप और कंटेम्परेरी सहित 15 नृत्य विधाओं में प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं।

नैनपुर महाविद्यालय में अव्यवस्थाओं के खिलाफ विद्यार्थियों ने खोला मोर्चा: 18 लाख के फंड में गड़बड़ी के आरोप!

नैनपुर (स्वतंत्र मत)। नैनपुर स्थित शासकीय महाविद्यालय इन दिनों छात्र-छात्राओं की शिकायतों और प्राचार्य के खिलाफ लगाए जा रहे गंभीर आरोपों को लेकर चर्चा में है। कॉलेज के विद्यार्थियों ने प्राचार्य के खिलाफ मोर्चा खोलते हुए जनभागीदारी मद में प्राप्त करीब 18 लाख रुपये के फंड में गड़बड़ी का आरोप लगाया है। छात्रों ने कॉलेज की व्यवस्थाओं पर सवाल उठाते हुए प्राचार्य को हटाने की मांग की है। विद्यार्थियों का आरोप है कि कॉलेज में मूलभूत सुविधाओं का अभाव है। परिसर में जगह-जगह गंदगी पसरी हुई है, बिजली के खुले तार और टूटे हुए बोर्ड हादसे को न्योता दे रहे हैं। विद्यार्थियों के अनुसार कॉलेज परिसर में गुटखा, सिगरेट और शराब की खाली बोतलें तक मिलती हैं। चौतरफा अव्यवस्थाओं के आलम में नगर के महाविद्यालय के वातावरण से छात्र-छात्राये नाखुश हैं।

फीस हजारों में, सुविधाएं नदारद-बीएससी प्रथम वर्ष की छात्रा प्रदर्शनी भारद्वाज ने बताया कि विद्यार्थियों से करीब 4 से 4.5 हजार रुपये फीस ली जाती है, लेकिन इसके बावजूद कक्षाओं में पंखे सहित अन्य मूलभूत सुविधाएं ठीक नहीं हैं। छात्राओं ने गर्ल्स वॉशरूम की स्थिति पर भी नाराजगी जताई। उनका कहना है कि वॉशरूम के दरवाजे टूटे हुए हैं और पानी की पर्याप्त व्यवस्था नहीं है। शिकायत लेकर पहुंचने पर प्राचार्य के व्यवहार को लेकर भी छात्राओं ने आपत्ति जताई।

शिकायतों की जांच के लिए पहुंची तीन सदस्यीय टीम-मामला बढ़ने के बाद मंडला से तीन सदस्यीय जांच टीम नैनपुर कॉलेज पहुंची। जांच अधिकारी एवं पीजी कॉलेज मंडला के डॉ. भुवनेश्वर ने बताया कि जांच के दौरान उन्हें तीन स्तरों से शिकायतें प्राप्त हुई हैं। इनमें पहली शिकायत छात्र-छात्राओं की, दूसरी जनभागीदारी समिति के सदस्यों की और तीसरी कॉलेज के करीब 12-13 प्रोफेसरों की शिकायत है, जिन्होंने प्राचार्य के खिलाफ करीब 10 बिंदुओं में शिकायतें की हैं। जांच टीम ने कॉलेज की व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया। जांच अधिकारी के अनुसार कॉलेज में अव्यवस्थाएं दिखाई दीं।

वॉशरूम की सफाई, पेयजल व्यवस्था, बिजली के टूटे बोर्ड सहित अन्य बुनियादी व्यवस्थाओं को लेकर कमियां सामने आईं। टीम ने लाइब्रेरी और कंप्यूटर रूम के नियमित संचालन को लेकर भी स्थिति देखी।

छात्रावास में बिना लिखित अनुमति ठहरने का मामला-जांच के दौरान छात्रावास की व्यवस्था भी सवालों के घेरे में आई। जांच अधिकारी के अनुसार छात्रावास में नियमित वार्डन नहीं है और वहां एक ठेकेदार के रहने की जानकारी सामने आई है। जांच टीम ने बताया कि संबंधित व्यक्ति के वहां रहने की लिखित अनुमति उपलब्ध नहीं मिली। इस मामले को भी जांच रिपोर्ट में शामिल किया जाएगा।

प्राचार्य ने आरोपों को बताया बेबुनियाद-वहीं कॉलेज के प्राचार्य ने छात्रों और जांच में सामने आए आरोपों को गलत बताते हुए अपना पक्ष रखा। उनका कहना है कि कंप्यूटर रूम और लाइब्रेरी समय-समय पर खोली जाती है। पिछले दो-चार दिनों से कमरे नहीं खुले थे, जिसके कारण वहां गंदगी दिखाई दे रही होगी। उन्होंने कॉलेज में नियमित सफाई होने का दावा करते हुए कहा कि विद्यार्थियों की संख्या अधिक है और किसी के थूकने आदि से परिसर दोबारा गंदा हो जाता है। प्राचार्य ने शिक्षकों द्वारा कक्षाएं नहीं लेने के आरोपों को भी गलत बताया। उन्होंने कहा कि वे स्वयं कक्षाओं का निरीक्षण करते हैं। कॉलेज में आयोजित होने वाले कार्यक्रमों के संबंध में उन्होंने कहा कि कार्यक्रम पूजा-पाठ और अगरबत्ती के साथ शुरू किए जाते हैं। छात्रावास में ठेकेदार के रहने के मामले में प्राचार्य ने कहा कि संबंधित व्यक्ति को उनके द्वारा अनुमति दी गई थी।

जबलपुर भेजी जाएगी जांच रिपोर्ट-जांच टीम अब अपनी रिपोर्ट तैयार कर उच्च अधिकारियों को भेजेगी। अधिकारियों के अनुसार रिपोर्ट एक-दो दिन में जबलपुर भेजे जाने की संभावना है। इसके बाद उच्च शिक्षा विभाग द्वारा मामले में आगे की कार्रवाई तय की जाएगी। फिलहाल एक ओर छात्र-छात्राएं कॉलेज की व्यवस्थाओं और कथित वित्तीय अनियमितताओं को लेकर प्राचार्य को हटाने की मांग पर अड़े हुए हैं, वहीं प्राचार्य ने अधिकांश आरोपों को

नाम सुधार सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मैं भूपेंद्र कुमार मरावी पिता कुलदीप सिंह निवासी मसूर घुघरी पोस्ट हर्राटोला ब्लॉक मेंहदवानी डिस्टिक डिंडोरी मप्र मैंने वर्ष 2021 में ड्राईविंग लाईसेन्स हेतु आरटीओ कार्यालय जबलपुर में आवेदन पत्र प्रस्तुत किया था। जो दिनांक 19/03/2021 को मुझे ड्राईविंग लाईसेन्स नम्बर एमपी5220210012132 प्रदान किया था। उक्त लाईसेन्स में मेरा नाम भूपेंद्र कुमार मरावी व मेरे पिता का नाम कुलदीप सिंह मरावी दर्ज है। जबकि मेरा नाम भूपेंद्र कुमार व मेरे पिता का नाम कुलदीप सिंह है उक्त लाईसेन्स में मैं अपना नाम भूपेन्द्र कुमार व अपने पिता का नाम कुलदीप सिंह दर्ज करा रहा हूँ। जो सत्य और सही है।

शपथकर्ता
भूपेंद्र कुमार
पिता-कुलदीप सिंह

संपादकीय

...और पर्दा गिर गया!

अभिनेता नाना पाटेकर के निधन की खबर हिंदी और मराठी सिनेमा के चाहने वालों के बीच एक ऐसी 'शोक लहर' की तरह था, जो क्षणभर में स्तब्ध कर गई। यकीन ही नहीं होता कि भारतीय सिनेमा का एक ऐसा स्वर खामोश हो गया, जिसने अभिनय को केवल मनोरंजन नहीं, बल्कि समाज की विसंगतियों और मानवीय संवेदनाओं की अभिव्यक्ति बनाया था। लोक, अंचल और देशज दीन-दुनिया का सितारा अपनी ही रोशनी में समा गया। स्क्रीन पर उन्हें देखना, उनका अंदाजा और खाटी देशज शैली ने हमेशा कस्बाई और आंचलिक जीवन को आकर्षित और प्रभावित किया। फिल्मों का यह अभिनेता लोगों के अपने मानुस होने के किरदार में जगह बनाता रहा और चुपचाप इतना बड़ा होता चला गया और उनकी उपस्थिति की छाया हर दिल में एक खास जगह बनाती चली गई। वह ना तो परंपरागत नायक थे, ना फिल्मी दुनिया की चमक-दमक में सहजता से समाने वाले सितारे। उन्होंने अपना रास्ता बनाया और अपनी शर्तों पर चलते रहे।

मुंबई में सफलता का पैमाना बंगले की लोकेशन और स्क्वायर फीट से नापा जाता है। उसी शहर में नाना पाटेकर पिछले 40 साल से माहिम की एक पुरानी बिल्डिंग के 1बीएचके फ्लैट में रहते थे। वही पुरानी लकड़ी की अलमारी, वही एक पलंग। उससे बूढ़ा उसका फर्नीचर। लोग पूछते- क्यों? वो हंसकर कहते- ऊंची इमारतों में मुझे नींद नहीं आती। मुझे मिट्टी की सोंध आनी चाहिए। ये कोई सादगी का विज्ञापन नहीं था। ये गरीबी की कोख से आया हुआ संस्कार था। बचपन में जिसने एक वक्त की रोटी के लिए संघर्ष देखा हो, वो करोड़ों में भी रोटी की कीमत नहीं भूले। वो अपने कपड़े खुद धोते। घर में कोई मेहमान आ जाए तो वो ऑर्डर नहीं करते, खुद किचन में जाते थे। प्याज काटते, तड़का लगाते, क्योंकि उनका मानना था जिसे तुम अपने हाथ से खिलाते हो, वह तुम्हारा अपना हो जाता है। नाना का अभिनय किसी सुविधा संपन्न जीवन की कल्पनाओं से नहीं, बल्कि साधारण मनुष्य के अनुभवों से उपजा प्रतीत होता था। उनके किरदारों में मजदूर की थकान, किसान की विवशता, व्यवस्था से निराश नागरिक का गुस्सा और अस्तित्व के लिए संघर्ष करते मनुष्य की बेचैनी दिखाई देती थी। नाना की अभिनय शैली की सबसे बड़ी विशेषता उनकी संवाद अदायगी मानी जाती है, लेकिन उन्हें केवल तीखे संवाद बोलने वाला अभिनेता समझना उनके साथ अन्याय होगा। उनकी वास्तविक शक्ति संवादों के बीच आने वाले विराम, चेहरे पर बदलते भाव और आंखों की भाषा में थी। वह एक ही दृश्य में क्रोध से करुणा, व्यंग्य से संवेदना और कठोरता से असहायता तक की यात्रा कर सकते थे। पिछले चार दशक से उसके घर बप्पा विराजते रहे हैं। गणेशोत्सव के 10 दिन नाना कहीं नहीं जाते थे। चाहे दुनिया के किसी भी कोने में शूटिंग हो, वो ये तारीखें खाली रखते रहे। खुद मंडी जाकर फूल लाते, माला पिरोते, पंडाल की लाइट लगाते और खुद ही 50 लोगों का महाप्रसाद बनाते। उनके दरवाजे पर कोई बाउंसर भी नहीं होता था। उनके घर की सबसे खूबसूरत तस्वीर यही है- सुबह कोई बड़ा प्रोड्यूसर फर्श पर बैठा मोदक खा रहा है और शाम को विदर्भ से आया एक किसान, जिसकी आंखों में कर्ज का डर है, उसी फर्श पर बैठा बप्पा को देख रहा है। नाना दोनों को उसी थाली में प्रसाद देते। क्योंकि उसके लिए बप्पा के सामने या पीठ पीछे कोई छोटा-बड़ा नहीं, सब भूखे हैं। नाना जिसने वर्दी को पहना नहीं, जिया है! नाना का सेना प्रेम डायलॉग नहीं है, वो एक जख्म है। हां अपने टेम्परामेंट, गुस्से और मुंहफट होने के बीच वे यदा-कदा अलग दिखते रहे लेकिन नाना के भीतर धड़कता एक देसी संस्कृति में डूबा आदमी हमेशा देश की जड़ों को छूता रहा। फिलहाल एक अभिनेता रुपहले पर्दे की दुनिया को अंतिम प्रणाम कहकर गुजर गया।

अंधकार से प्रकाश की ओर बढ़ने की यात्रा

मस्तिष्क के रहस्यों की नई खोज से मानवता के उजाले

ललित गर्ग
लेखक वरिष्ठ पत्रकार एवं स्तंभकार हैं

मानव सभ्यता की यात्रा अंधकार से प्रकाश की ओर बढ़ने की यात्रा है। कभी मनुष्य ने प्रकृति के रहस्यों को समझने के लिए आकाश की ओर देखा, कभी धरती की गहराइयों में उतरकर जीवन के सूत्र खोजे और कभी अपने शरीर के भीतर छिपी अद्भुत शक्तियों को जानने का प्रयास किया। विज्ञान की प्रत्येक महत्वपूर्ण खोज ने मनुष्य के सामने एक नया क्षितिज खोला है। लेकिन इन सभी खोजों के बीच मानव मस्तिष्क आज भी सबसे बड़ी पहेली बना हुआ है। जिस मस्तिष्क ने विशाल पर्वतों को लांघने, समुद्रों की गहराइयों को नापने, अंतरिक्ष तक पहुंचने और कृत्रिम बुद्धिमत्ता विकसित करने की क्षमता अर्जित की, उसी मस्तिष्क के भीतर विचार कैसे जन्म लेते हैं, स्मृतियां कैसे आकार पाती हैं, भावनाएं हमारे व्यवहार को किस प्रकार संचालित करती हैं और मानसिक पीड़ा मनुष्य के जीवन को किस तरह बदल देती है, ये प्रश्न लंबे समय से वैज्ञानिकों को चुनौती देते रहे हैं। ऐसे में मस्तिष्क की तंत्रिका कोशिकाओं को प्रकाश के माध्यम से नियंत्रित करने से संबंधित अनुसंधान का महत्व केवल वैज्ञानिक उपलब्धि तक सीमित नहीं है, बल्कि यह मानव जीवन को समझने और उसके दुखों को कम करने की दिशा में एक नई आशा का संचार करता है। वर्ष 2026 के चिकित्सा के नोबेल पुरस्कार के संबंध में प्रस्तुत विवरण में कार्ल डेइसेरोथ, पीटर हेगेमान और जॉर्ज नागेल की जिस खोज का उल्लेख है, वह विज्ञान की इसी खोजी प्रवृत्ति का उदाहरण है। इस अनुसंधान से विकसित प्रकाशानुवंशिकी तकनीक ने मस्तिष्क की गतिविधियों का अध्ययन करने के लिए एक ऐसा मार्ग उपलब्ध कराया है, जिसके माध्यम से वैज्ञानिक विशेष तंत्रिका कोशिकाओं को प्रकाश की सहायता से सक्रिय या निष्क्रिय कर सकते हैं। इस उपलब्धि की विशेषता यह है कि इसकी शुरुआत किसी विशाल प्रयोगशाला में मनुष्य के मस्तिष्क पर किए गए प्रयोग से नहीं, बल्कि एक छोटे से शैवाल में प्रकाश के प्रति संवेदनशील प्रोटीन को समझने के प्रयास से हुई। प्रकृति के एक सूक्ष्म जीव में छिपे रहस्य ने मानव मस्तिष्क के अध्ययन के लिए नई संभावनाओं के द्वार खोल दिए। यह घटना हमें बताती है कि प्रकृति में छोटा-बड़ा कुछ भी महत्वहीन नहीं होता। कभी-कभी जीवन की सबसे बड़ी समस्याओं का समाधान प्रकृति के सबसे छोटे घटकों में छिपा होता है।

इस खोज की मूल भावना को समझना आवश्यक है। हमारे मस्तिष्क में असंख्य तंत्रिका कोशिकाएं विद्युत और रासायनिक संकेतों के माध्यम से परस्पर संवाद करती हैं। यही संवाद हमारी स्मृति, संवेदना, भय, प्रसन्नता, निर्णय और व्यवहार को प्रभावित करता है। पहले वैज्ञानिक मस्तिष्क के उन हिस्सों का अध्ययन कर सकते थे जो किसी विशेष गतिविधि के समय सक्रिय होते हैं, लेकिन केवल सक्रियता देख लेने से यह निश्चित करना कठिन था कि कोई विशेष कोशिका उस गतिविधि का कारण भी है या नहीं। प्रकाश के माध्यम से चुनिंदा कोशिकाओं को नियंत्रित करने की तकनीक ने इस अंतर को समझने का अवसर दिया। अब वैज्ञानिक अधिक सूक्ष्मता से जांच सकते हैं कि किसी विशेष तंत्रिका समूह को सक्रिय करने अथवा उसकी गतिविधि रोकने से व्यवहार और शारीरिक प्रतिक्रिया में क्या परिवर्तन आता है। इस प्रकार मस्तिष्क का अध्ययन केवल देखने की प्रक्रिया से आगे बढ़कर कारण और परिणाम के संबंधों को समझने की दिशा में बढ़ा है। फिर भी वैज्ञानिक आशा और वास्तविक चिकित्सा उपलब्धि के बीच का अंतर समझना उतना ही आवश्यक है। विशेषकर मनुष्य के मस्तिष्क में इस तकनीक के सुरक्षित उपयोग के लिए अनेक वैज्ञानिक, चिकित्सकीय और नैतिक चुनौतियों का समाधान आवश्यक है। इसी प्रकार कृत्रिम बुद्धिमत्ता और मस्तिष्क के संबंधों में इस अनुसंधान की उपयोगिता की संभावनाएं हो सकती हैं, लेकिन प्रत्येक संभावित लाभ को स्थापित उपलब्धि मान लेना विज्ञान की गंभीरता के अनुकूल नहीं है। वास्तविक वैज्ञानिक दृष्टि वही है जो आशा को जीवित रखे, लेकिन तथ्यों के प्रति ईमानदार भी बनी रहे।

यहां इस खोज की तुलना विज्ञान की उन अन्य उपलब्धियों से भी की जा सकती है, जिन्होंने मानव जीवन की दिशा बदल दी। टीकों ने संक्रामक रोगों से बचाव के नए रास्ते खोले, प्रतिजैविक औषधियों ने अनेक प्राणघातक संक्रमणों के उपचार को संभव बनाया और आधुनिक शल्य चिकित्सा ने असंख्य जीवन बचाए। इन उपलब्धियों की विशेषता केवल उनकी वैज्ञानिक नवीनता नहीं थी, बल्कि उनका व्यापक सामाजिक प्रभाव भी था। दूसरी ओर, विज्ञान की कुछ खोजों को प्रयोगशाला से सामान्य जीवन तक पहुंचने में दशकों लगे। मस्तिष्क संबंधी अनुसंधान भी इसी लंबी यात्रा का हिस्सा है। इसका वास्तविक मूल्य तभी सामने आएगा, जब इससे प्राप्त ज्ञान सुरक्षित उपचारों, सुलभ चिकित्सा और रोगियों के जीवन में ठोस सुधार का आधार बनेगा। विज्ञान की महानता केवल किसी रहस्य को खोलने में नहीं, बल्कि उस ज्ञान को मानवता के हित में उपयोग करने में निहित है। इस संदर्भ में नोबेल पुरस्कार का महत्व भी नए सिरे से समझने की आवश्यकता है। यह सम्मान किसी वैज्ञानिक की व्यक्तिगत उपलब्धि का उत्सव भर नहीं होता, बल्कि उन वर्षों के परिश्रम, जिज्ञासा, असफलताओं और धैर्य की स्वीकृति भी होता है, जिनके बिना कोई महत्वपूर्ण खोज संभव नहीं होती।

इस खोज का एक नैतिक और दार्शनिक पक्ष भी है। मनुष्य का मस्तिष्क केवल विचारों और प्रतिक्रियाओं का केंद्र नहीं, बल्कि उसकी पहचान, अनुभवों और आत्मबोध से भी गहराई से जुड़ा है। यदि वैज्ञानिक किसी विशेष कोशिका समूह को सक्रिय या निष्क्रिय करके व्यवहार में परिवर्तन ला सकते हैं, तो यह प्रश्न भी उठता है कि मस्तिष्क की गतिविधियों को नियंत्रित करने की हमारी क्षमता की सीमाएं क्या होनी चाहिए। रोगों के उपचार और मानवीय पीड़ा को कम करने के लिए ऐसी तकनीकों का विकास स्वागतयोग्य है, लेकिन इनके उपयोग में व्यक्ति की गरिमा, स्वतंत्रता, निजता और सहमति की रक्षा अनिवार्य है। किसी मनुष्य के विचारों और भावनाओं को समझने की वैज्ञानिक क्षमता का अर्थ यह नहीं हो सकता कि उसके मन पर नियंत्रण स्थापित करने का अधिकार भी प्राप्त हो गया। विज्ञान को जितनी शक्ति मिलती है, उतनी ही बड़ी जिम्मेदारी भी उसके साथ जुड़ती है। भारत जैसे देश के लिए इन अनुसंधानों का संदेश विशेष महत्व रखता है। यहां बड़ी आबादी को गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराना, मानसिक स्वास्थ्य के प्रति सामाजिक संकोच दूर करना और वैज्ञानिक अनुसंधान को सामान्य जनजीवन से जोड़ना बड़ी चुनौतियां हैं। मानसिक रोगों को कमजोरी या सामाजिक कलंक मानने के बजाय उन्हें संवेदनशीलता और चिकित्सकीय समझ के साथ देखने की आवश्यकता है। विज्ञान की नई खोजें तभी सार्थक होंगी, जब उनके लाभ केवल संपन्न वर्ग या विकसित देशों तक सीमित न रहें। अनुसंधान से विकसित होने वाले उपचार सुलभ, सुरक्षित और आर्थिक रूप से वहनीय भी होने चाहिए। ज्ञान का वास्तविक लोकतंत्रीकरण तभी होगा, जब समाज का कमजोर से कमजोर व्यक्ति भी उससे लाभ प्राप्त कर सके।

अंततः मस्तिष्क के रहस्यों को समझने की यह यात्रा हमें केवल मनुष्य की जैविक संरचना के बारे में नई जानकारी नहीं देती, बल्कि हमारी सभ्यता के उद्देश्य पर भी विचार करने के लिए प्रेरित करती है। जिस बुद्धि के बल पर मनुष्य ने प्रकृति को समझा, उसी बुद्धि का सर्वोच्च उपयोग दूसरों की पीड़ा को समझने और कम करने में होना चाहिए। प्रकाश का वास्तविक अर्थ केवल अंधकार को हटाना नहीं, बल्कि जीवन को देखने की दृष्टि बदलना भी है। एक छोटे से शैवाल में छिपी वैज्ञानिक संभावना से लेकर मानव मस्तिष्क की जटिल गतिविधियों तक फैली यह यात्रा हमें विनम्रता, धैर्य और जिज्ञासा का संदेश देती है। यह याद दिलाती है कि प्रकृति के रहस्य असीम हैं और मनुष्य का ज्ञान अभी अधूरा है। इसलिए विज्ञान की हर नई उपलब्धि को अंतिम उत्तर नहीं, बल्कि बेहतर प्रश्न पूछने और अधिक मानवीय समाधान खोजने का अवसर मानना चाहिए। किसी भी खोज की सर्वोच्च सफलता तब होगी, जब वह प्रयोगशाला की सीमाओं से निकलकर पीड़ित मनुष्य के जीवन में राहत, निराश व्यक्ति के जीवन में आशा और समाज में अधिक संवेदनशीलता का संचार करे। यही विज्ञान की मानवीय कसौटी है और यही वह नई दृष्टि है, जिसकी आज पूरी दुनिया को आवश्यकता है।

रंगमंच का वो कबीर चला गया... अलविदा नाना

दिलीप कुमार पाठक

किताबों की बातें करने वाले, हमेशा दिल से जीने वाले नाना। इतने बड़े फनकार बने आप, पूरी दुनिया ने आपकी अदाकारी को सलाम किया और सम्पूर्ण अदाकार का खिताब दिया, लेकिन आप अपनी आख़िरी सांस तक वही ठेठ गाँव के सीधे-सादे इंसान ही रहे। अपनी ही मस्ती में, अपनी ही रफ्तार से चलने वाले एक अलबेले मुसाफ़िर। जिसकी अपनी एक अलग ही दुनिया थी।

आपकी वो सादगी और बेलौस अंदाज़ ऐसा था कि बड़े से बड़े लोग आपके सामने मद्धम पड़ जाते थे। कमाल का था आपका रूतबा। जब दिल किया, किसी की भी खुलकर तारीफ़ कर दी और जब गुस्सा आया, तो सामने कोई भी हो, बिना डरे खरी-खरी सुना दी। आपका कोई तय ढर्रा या बंदिश नहीं थी, न किसी दल में न दलदल में। आपकी तो बस एक ही अपनी विचारधारा थी - प्रेम, सद्भाव और मानवता। इस बेढंगी दुनिया में एक शानदार इंसान रहे हैं आप। आपको एक अभिनेता से बढ़कर एक खरे इंसान के रूप में याद किया जाएगा। सचमुच आप सिनेमा के कबीर थे।

इतनी शोहरत और नेशनल अवॉर्ड्स जीतने के बाद भी आप अक्सर कितनी मासूमियत से कहते थे, यार, मुझे अछी हिंदी आती तो मैं बहुत अछा एक्टर बन जाता... मुझे गुस्सा बहुत आता है, मैं दिखने में भी अछा नहीं हूँ... लेकिन हाँ, कुछ करने का जबा है। यही जबा आपको सबसे अलग और एक नायाब शख्सियत बनाता था। विश्वसनीयता ऐसी थी कि लोग ऐसे बोलते थे जैसे आप देश के हर आदमी के अपने हैं जैसे हर कोई आपके साथ उठता-बैठता रहा हो कि यार नाना पाटेकर कभी झूठ नहीं बोल सकते।

निहायत ही ईमानदार आदमी, हमेशा बेबाक बोलना, दूसरों की दिल खोलकर तारीफ करना, और हमेशा सीखने की ललक इसी एटिट्यूड के साथ आप अभिनय के शिखर पर पहुंचे, आपका अभिनय कोई किताबी थ्योरी नहीं था, वो तो जिंदगी के कड़वे तजुर्बों की भट्टी में तपकर निकला हुआ सोना था। गमन से शुरू हुआ आपका ये सफर परिंदा, प्रहार, क्रांतिवीर और नटसम्राट जैसी बेहतरीन फिल्मों से गुज़रते हुए भारतीय सिनेमा की सबसे ऊंची मिसाल बन गया। कैमरे के सामने आपकी खामोशी में भी एक अजीब सी चीख होती थी और जब आप दहाड़ते थे, तो थियेटर के परदे कांप उठते थे।

आपके वो कड़क डॉयलाग महज़ सिनेमा की लाइनें नहीं थे, वे इस समाज के दोगलेपन पर करारे तमाचे थे। जब आपने क्रांतिवीर में चीखकर कहा था, आ गए मेरी मौत का तमाशा देखने...! तो लगा था जैसे देश का हर आम आदमी इस खोखले सिस्टम के सामने अपनी बेबसी रो रहा है। और जब आपने अपने हाथ की नसें काटकर दिखाया, ये ले मुसलमान का खून, ये हिंदू का खून... बता इसमें मुसलमान का कौन सा, हिंदू का कौन सा...? तब मजहब की झूठी दीवारें एक झटके में ढह गई थीं। उन संवादों में कोई बनावटी शब्द नहीं थे, उसमें आम आदमी का लहू बोलता था। उस आवाज़ में एक अजीब सा जादू था, जो धमकी भी लगती थी, हंसी भी और सबसे बढ़कर-एक सचा कबूलनामा भी।

आपकी इसी बेलौस फितरत का एक वाकया पूरी दुनिया को हमेशा याद रहेगा। जब सरकार की तरफ से आपको देश के बड़े नागरिक सम्मान पद्म श्री देने का एलान हुआ, तो आपकी बेबाकी वहां भी सिर चढ़कर बोली। आपने बिना किसी हिचकिचाहट के सीधे पूछ लिया था, ये अवॉर्ड आखिर किस लिए दिया जा रहा है मुझे? वहां से जवाब आया कि आपने कला के जरिए समाज की बहुत सेवा की है, देश का नाम रोशन किया है। इस पर आपने जो जवाब दिया, उसने सबकी बोलती बंद कर दी थी। आपने मुस्कुराकर कहा था, अजी छोड़ो यार, ये कैसा सम्मान? मैंने जो भी काम किया, उसके बदले प्रोड्यूसर से पूरे पैसे वसूल किए हैं... जब काम के बदले दाम ले लिया, तो फिर ये समाजसेवा कैसी और ये सम्मान क्यों? ऐसी खरी और सची बात कहना सिर्फ और सिर्फ आपके ही बस की बात थी।

खेत से खुद उगा कर खाना और मुंबई से कमाकर लाना और किसानों की मदद में लुटा देना। यार नाना, ये दिलदारी सिर्फ आपको ही आती थी। करोड़ों की गाड़ियाँ खरीदने की बजाय अपनी गाढ़ी कमाई का एक बड़ा हिस्सा चुपचाप तंगहाल किसानों की झोली में डाल देना, नाम फाउंडेशन बनाकर महाराष्ट्र के सूखे खेतों में ज़िंदगी की नई उम्मीद बोना। ये काम कोई मामूली एक्टर नहीं, सिर्फ एक रूहानी इंसान ही कर सकता था। आप हमेशा ज़मीन से जुड़े रहे, मुंबई की चकाचौंध के बीच रहकर भी अपनी फकीरी का दामन थामे रखा। आज रंगमंच का वो काबिले-तारीफ सितारा सच में टूट गया है। आप इस फ़ानी दुनिया को अलविदा कहकर, उस पार के एक नए मंच की ओर निकल गए हैं। मौत का तमाशा देखने आई इस दुनिया को अपनी बेबाकी से निरुत्तर करके आप जा चुके हैं।यार नाना, आपकी ये बेलौस ईमानदारी, वो बेढंगा लेकिन खूबसूरत अंदाज़ बहुत याद आएगा। अलविदा नाना।

जिंदगी बदलने से पहले अपना दृष्टिकोण बदलें, जो सामने है,उसे स्वीकार करने का सूत्र सार्थक

ज्योति भास्कर

मैंने जीवन में देखा है कि ज्यादातर लोग अपनी ऊर्जा उन चीजों से लड़ने में खर्च कर देते हैं, जिन्हें वे बदल ही नहीं सकते। हम बीते हुए कल को बदलना चाहते हैं, दूसरों के फैसलों को अपने अनुसार देखना चाहते हैं और परिस्थितियों को अपनी इच्छा के मुताबिक ढालना चाहते हैं। लेकिन, ऐसा होता नहीं है। और, जितनी जल्दी हम इसे स्वीकार कर लेते हैं, उतनी ही जल्दी उस शक्ति को पहचानना शुरू कर देते हैं, जो वास्तव में हमारे पास है।

जब मेरे सामने कोई कठिन परिस्थिति आती है, तो मैं खुद से यह पूछने के बजाय कि 'मेरे साथ ही ऐसा क्यों हुआ?', दूसरा जरूरी सवाल पूछना ज्यादा उपयोगी समझता हूं कि 'अब मैं क्या कर सकता हूं?' दोनों सवालों के बीच बहुत बड़ा फर्क है। पहला सवाल मुझे उस घटना के सामने खड़ा रखता है, जिसे मैं बदल नहीं सकता, जबकि दूसरा मुझे उस छोटे-से हिस्से की ओर ले जाता है, जिस पर मेरा अधिकार अब भी है-प्रयास।

किसी खिलाड़ी का ही उदाहरण ले लीजिए। अगर वह चोटिल हो जाए, तो अपने शरीर को तुरंत ठीक नहीं कर सकता। चोट उसके नियंत्रण में नहीं है। लेकिन, उसके बाद वह क्या करता है, यह उसके वश में जरूर है। वह खुद को जल्दी ठीक करने का काम कर सकता है, अपनी कमजोरियों को सुधार सकता है और समय को व्यर्थ जाने से रोक सकता है। यही बात जीवन पर भी लागू होती है। मैं यह तय नहीं कर सकता कि कोई व्यक्ति मुझे समझेगा या नहीं, मेरे साथ रहेगा या नहीं, मुझसे प्रेम करेगा या नहीं। पर, यह जरूर तय कर सकता हूं कि उसके व्यवहार के बाद मैं क्या करूंगा। यहीं मनुष्य की वास्तविक शक्ति दिखाई देती है।

कभी-कभी सफलता की संभावना केवल एक प्रतिशत होती है। पर, मेरे लिए वह एक प्रतिशत भी मायने रखता है, क्योंकि मैं?अपने प्रयासों से उसे और बढ़ा सकता हूं। इसलिए, जहां थोड़ी-सी भी संभावना बची हो, वहां प्रयास का कोई अर्थ जरूर होता है। जब जीवन कठिन हो, तो समस्या को बहुत बड़ा बनाने के बजाय उसे एक छोटे-से सवाल में बदलना चाहिए कि 'क्या यह मेरे हाथ में है?' अगर जवाब हां है, तो वह काम करना चाहिए। बिना बहाने, बिना शिकायत और पूरी ताकत के साथ। और, अगर जवाब नहीं है, तो उसे स्वीकार करना चाहिए। स्वीकार कर लेने का मतलब हार मान लेना नहीं, बल्कि यह समझना है कि ऊर्जा सीमित है और उसे वहीं लगाना चाहिए, जहां उससे कोई फर्क पड़ सकता है। मेरे लिए वास्तविक स्वतंत्रता का अर्थ यह नहीं है कि दुनिया मेरी इच्छा के अनुसार चले। इसका अर्थ यह है कि दुनिया जैसी भी हो, मैं अपने हिस्से का चुनाव करने की क्षमता बनाए रखूं। मैं पूरी दुनिया को नियंत्रित नहीं कर सकता। और, शायद मुझे करना भी नहीं चाहिए। -द ऑब्सटेकल इज द वे के अनूदित अंश

जो बीत गया, उसे बदलने में अपनी शक्ति मत गंवाइए। जो सामने है, उसे पूरी सजगता से स्वीकार कीजिए और जहां थोड़ी-सी भी संभावना दिखाई दे, वहां अपना पूरा प्रयास देने में कोई कसर न छोड़ें। जीवन की असली शक्ति परिस्थितियों को नियंत्रित करने में नहीं, बल्कि उनके बीच अपने विचार, निर्णय और कर्म को नियंत्रित करने में है।

लोकतंत्र में सबसे महत्वपूर्ण जनता का विश्वास

सौरभ वार्ष्णेय

भारतीय लोकतंत्र की सबसे बड़ी ताकत उसकी चुनाव प्रणाली और जनता का मताधिकार है। सत्ता बदलने का अधिकार जनता के पास है और इसी अधिकार की विश्वसनीयता लोकतंत्र की बुनियाद को मजबूत करती है। लेकिन जब चुनाव प्रक्रिया पर ही सवाल उठने लगें, मतदाता सूची की शुद्धिता को लेकर संदेह पैदा हो और विपक्ष चुनाव प्रणाली में कथित अनियमितताओं के आरोप लगाते हुए सड़क पर उतर आए, तो यह केवल किसी राजनीतिक दल का विरोध नहीं रह जाता, बल्कि लोकतांत्रिक संस्थाओं की विश्वसनीयता से जुड़ा गंभीर प्रश्न बन जाता है। इसलिए लोकतंत्र में सबसे महत्वपूर्ण है जनता का विश्वास है। अगर यह विश्वास खो गया तो लोकतंत्र का अस्तित्व ही खो जायेगा? इस पर लोकतंत्र के चौकीदारों को सोचा पड़ेगा समझना पड़ेगा? जनता के अंदर यह विश्वास दिलाना होगा कि आपका वोट सुरक्षित है।

राजधानी दिल्ली में मंगलवार को जो राजनीतिक घटनाक्रम देखने को मिला, उसने इस बहस को और तेज कर दिया। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी इंडिया गठबंधन के मार्च की धुरी बने और विपक्षी सांसद संसद भवन से निर्वाचन आयोग के मुख्यालय की ओर मार्च करने निकले, लेकिन पुलिस ने उन्हें संसद मार्ग पर ही रोक दिया। इसके बाद सड़क पर धरना, हिरासत और फिर आकाशवाणी भवन परिसर में राहुल गांधी, प्रियंका गांधी वाड्रा तथा अन्य नेताओं का करीब नौ घंटे तक चला विरोध प्रदर्शन भारतीय राजनीति में एक महत्वपूर्ण घटनाक्रम के रूप में सामने आया। राहुल गांधी की हिरासत और उनके साथ बड़ी संख्या में विपक्षी नेताओं की गिरफ्तारी ने राजनीतिक टकराव को और तीखा कर दिया। देर रात सभी को छोड़ दिया गया, लेकिन इस घटनाक्रम ने एक बुनियादी सवाल जरूर खड़ा किया है। क्या चुनावी प्रक्रिया को लेकर उठ रहे सवालों का समाधान राजनीतिक टकराव से होगा या संस्थागत संवाद से? विपक्ष का आरोप है कि मतदाता सूची और चुनाव प्रणाली में ऐसी अनियमितताएं हो रही हैं जो लोकतांत्रिक प्रक्रिया को प्रभावित कर सकती हैं। राहुल गांधी ने अपने संबोधन में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रमुख मोहन भागवत और मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार पर गंभीर आरोप लगाए तथा वोट चोरी के जरिए देश को हाईजैक करने तक की बात कही। उन्होंने इसे देशद्रोह बताया और कहा कि ऐसा करने वाले बच नहीं पाएंगे। इन आरोपों की गंभीरता को देखते हुए इनका राजनीतिक भाषणों तक सीमित रह जाना उचित नहीं होगा। यदि आरोप गलत हैं तो उन्हें तथ्यों के साथ खारिज किया जाना चाहिए और यदि किसी स्तर पर चुनावी प्रक्रिया में गड़बड़ी के प्रमाण हैं तो उसकी निष्पक्ष जांच होनी चाहिए। लोकतंत्र में आरोप और प्रत्यारोप से अधिक महत्वपूर्ण तथ्य और प्रमाण होते हैं।दूध का दूध पानी का पानी होना चाहिए।

यहां निर्वाचन आयोग की भूमिका सबसे महत्वपूर्ण हो जाती है। चुनाव आयोग केवल चुनाव कराने वाली संस्था नहीं है, बल्कि उसकी निष्पक्षता पर जनता का विश्वास चुनाव परिणामों की स्वीकार्यता का आधार है। इसलिए जब देश का प्रमुख विपक्षी दल चुनाव प्रक्रिया की विश्वसनीयता पर सवाल उठाता है, तब आयोग को इसे केवल राजनीतिक बयान मानकर खारिज करने के बजाय जनता के सामने अधिकतम पारदर्शिता के साथ तथ्यों को रखना चाहिए। इसी तरह विपक्ष की भी जिम्मेदारी कम नहीं है। लोकतंत्र में सरकार से सवाल पूछना उसका अधिकार है, लेकिन गंभीर आरोपों के साथ ठोस प्रमाण प्रस्तुत करना उसकी जिम्मेदारी भी है। वोट चोरी जैसा आरोप सामान्य राजनीतिक आरोप नहीं है। यह करोड़ों मतदाताओं के विश्वास और पूरी चुनाव प्रक्रिया पर प्रश्नचिह्न लगाता है। इसलिए यदि विपक्ष के पास प्रमाण हैं तो उन्हें सार्वजनिक और संवैधानिक संस्थाओं के समक्ष रखना चाहिए। केवल नारों और राजनीतिक आक्रोश से लोकतंत्र की विश्वसनीयता मजबूत नहीं हो सकती। दूसरी ओर, सत्ता पक्ष को भी विपक्ष के सवालों को देशविरोध या लोकतंत्र विरोध के चश्मे से देखने से बचना होगा। लोकतंत्र में असहमति व्यवस्था की कमजोरी नहीं, बल्कि उसकी ताकत है। यदि विपक्ष सवाल पूछता है तो सरकार और संवैधानिक संस्थाओं का दायित्व है कि वे सवालों का जवाब दें। सवालों से बचने के बजाय पारदर्शिता के जरिए संदेह दूर करना अधिक प्रभावी रास्ता है।

मंगलवार का घटनाक्रम इस दृष्टि से भी चिंताजनक है कि देश की संसद से निकले निर्वाचित जनप्रतिनिधियों को निर्वाचन आयोग तक मार्च करने से रोक दिया गया और बाद में उन्हें हिरासत में लिया गया। कानून-व्यवस्था बनाए रखना प्रशासन की जिम्मेदारी है, लेकिन लोकतांत्रिक विरोध को किस सीमा तक रोका जाए, यह भी लोकतंत्र की परिपक्वता की कसौटी है। शांतिपूर्ण विरोध, धरना और अपनी बात रखने का अधिकार लोकतांत्रिक व्यवस्था का अभिन्न हिस्सा है।वहीं इस संबंध में केंद्रीय निर्वाचन आयोग ने कहा कि किसी ने मिलने का समय नहीं मांगा तो ऐसे में जब विपक्ष मिलने आ रहा है तो खुले दिन से स्वागत करना चाहिए। उनका समाधान करना चाहिए। भारत जैसे विशाल लोकतंत्र में चुनाव केवल पांच वर्ष में एक बार होने वाली प्रक्रिया नहीं है। चुनाव जनता के विश्वास का उत्सव है। बूथ पर खड़ा मतदाता जब अपना वोट डालता है तो उसे यह भरोसा होना चाहिए कि उसका मत सुरक्षित है, उसकी पसंद का सम्मान होगा और चुनाव परिणाम निष्पक्ष प्रक्रिया का परिणाम होंगे। यदि इस विश्वास में दरार आती है तो उसका असर किसी एक पार्टी पर नहीं, पूरी लोकतांत्रिक व्यवस्था पर पड़ता है। आज आवश्यकता राजनीतिक आरोपों को और तीखा करने की नहीं, बल्कि चुनाव प्रणाली में जनता का विश्वास और मजबूत करने की है। मतदाता सूची, मतदान प्रक्रिया, इलेक्ट्रॉनिक मतदान व्यवस्था, परिणामों और चुनावी शिकायतों से जुड़े प्रत्येक सवाल पर पारदर्शिता बढ़ाई जानी चाहिए। राजनीतिक दलों, निर्वाचन आयोग, न्यायपालिका और नागरिक समाज के बीच संवाद का रास्ता खुला रहना चाहिए।

राहुल गांधी का सड़क पर उतरना कांग्रेस और विपक्ष की राजनीतिक रणनीति हो सकती है, लेकिन इसके पीछे उठाया गया मूल सवाल राजनीति से कहीं बड़ा है। क्या भारत का मतदाता अपनी वोट की ताकत को लेकर पूरी तरह आश्वस्त है? इस सवाल का जवाब किसी राजनीतिक दल के भाषण से नहीं, बल्कि निष्पक्ष जांच, पारदर्शी व्यवस्था और संस्थागत विश्वास से मिलना चाहिए। लोकतंत्र में चुनाव केवल जीतने और हारने का माध्यम नहीं हैं। चुनाव वह प्रक्रिया है जिसके जरिए जनता सत्ता को अधिकार देती है और आवश्यकता पडने पर सत्ता वापस भी ले सकती है। इसलिए चुनाव प्रणाली पर उठने वाले हर सवाल को गंभीरता से लेना जरूरी है।

सरकार को विपक्ष की आवाज सुननी चाहिए, विपक्ष को अपने आरोपों के प्रमाण देने चाहिए और निर्वाचन आयोग को अपनी विश्वसनीयता के लिए पारदर्शिता की कसौटी पर खरा उतरना चाहिए। यदि ऐसा होता है तो मंगलवार का टकराव लोकतंत्र के लिए संकट नहीं, बल्कि लोकतांत्रिक व्यवस्था को और मजबूत करने का अवसर बन सकता है।

क्योंकि लोकतंत्र में सबसे महत्वपूर्ण न सरकार है, न विपक्ष सबसे महत्वपूर्ण है जनता का विश्वास। और जनता का विश्वास तभी कायम रहेगा, जब उसके वोट की पवित्रता पर कोई सवाल अनुत्तरित न रहे।

लेखक वरिष्ठ पत्रकार, चिंतक, राजनीतिक विचारक है।

17,500 फीट की ऊंचाई पर एफपीव्ही ड्रोन्स तैनात करेगी भारतीय सेना, चीन सीमा पर निगरानी होगी और मजबूत

नई दिल्ली

भारतीय सेना ने 225 फर्स्ट-पर्सन व्यू ड्रोन का एक ऑर्डर दिया है। यह फैसला कड़े मूल्यांकन और कड़े मैदानी परीक्षणों के बाद लिया गया है, जिनमें 17500 फीट तक की अत्यधिक ऊंचाई पर इनका सफल परीक्षण किया गया था।

वैसे तो यह ऑर्डर संख्या के लिहाज से बहुत बड़ा नहीं है, लेकिन जिस कठिन परिस्थिति और ऊंचाई पर इन ड्रोनों का परीक्षण और चयन किया गया है, वह इसे बेहद खास बनाता है। इन ड्रोनों को उनकी सहनशक्ति, सटीकता, रफ्तार और उच पहाड़ी इलाकों में काम करने की क्षमता के आधार पर परखा गया है।

इस बात को ऐसे समझा जा सकता है कि चीन से सटी वास्तविक नियंत्रण रेखा और पाकिस्तान के साथ नियंत्रण रेखा पर भारतीय सैनिक 12000 से लेकर 18000 फीट से अधिक की ऊंचाई पर तैनात हैं। हिमालय और सियाचिन ग्लेशियर जैसे इन इलाकों में अत्यधिक ठंड और कम ऑक्सीजन की वजह से न सिर्फ इंसानी क्षमता प्रभावित होती है, बल्कि पारंपरिक उपकरण भी ठीक से काम नहीं कर पाते।

ऐसे में दूर-दराज की इन चौकियों पर रसद और सामान पहुंचाने के लिए पारंपरिक रूप से पैदल सैनिकों, खचरों या पुराने हो चुके चीता हेलीकॉप्टरों पर निर्भर रहना पड़ता है।

हालांकि, हेलीकॉप्टरों से सामान पहुंचाना महंगा, मौसम पर निर्भर और धीमा होता है। ऐसे में ड्रोन एक तेज, किफायती और सुरक्षित विकल्प बनकर उभरे हैं। सेना पहले ही अश्नी प्लाटून जैसी छोटी सामरिक इकाइयों से लेकर बड़े बैटलफील्ड एयर सपोर्ट बटालियनों तक एक लेयर्ड ड्रोन रणनीति तैयार कर चुकी है।

15000 फीट की ऊंचाई पर ड्रोन उड़ाना एक बड़ी चुनौती

दूसरी ओर, यह सब इतना आसान भी नहीं है। समुद्र तल से 15000 फीट की ऊंचाई पर हवा का घनत्व लगभग 40 से 50 प्रतिशत तक कम हो जाता है। इसकी वजह से ड्रोन के पंखों को पकड़ने के लिए पर्याप्त हवा नहीं मिलती, जिससे लिफ्ट और थ्रस्ट काफी कम हो जाता है। बात यही तक खत्म नहीं होती। इसके अलावा भी कई बड़ी तकनीकी मुश्किलें सामने हैं। इसको ऐसे समझिए कि हवा कम होने के कारण मोटरों को ठंडक नहीं मिलती, जिससे वे भारी लोड के कारण जल्दी गर्म होकर जल सकती हैं।

बैटरी की समस्या भी बड़ी चुनौती

इसके अलावा कड़ाके की ठंड में लिथियम-आधारित बैटरियां धीमी हो जाती हैं। समुद्र तल पर जो बैटरी 6 मिनट का फ्लाइट टाइम देती है, वही ऊंचाई पर मात्र 2 से 3 मिनट ही टिक पाती है। इसलिए उड़ान भरने से पहले बैटरियों को गर्म करना और हवा में उन्हें इंसुलेट रखना पड़ता है।

गौरतलब है कि इन सभी चुनौतियों से पार पाने के लिए भारतीय सेना ने लद्दाख और हिमाचल प्रदेश के स्पीति जैसे दुर्गम इलाकों में घरेलू ड्रोन निर्माताओं के साथ मिलकर काम किया है। इन परीक्षणों के आधार पर सेना ने कई स्वदेशी उत्पादों को शॉर्टलिस्ट किया है।

इस बार का यह 225 FPV ड्रोन का ऑर्डर एयरोड्रोन रोबोटिक्स प्राइवेट लिमिटेड को मिला है, जो सैन्य ड्रोन, सर्विलांस और रसद प्लेटफॉर्म बनाने के साथ-साथ ऑपरेटर ट्रेनिंग भी देती है। इस कंपनी के सॉफ्टवेयर इन-हाउस विकसित किए गए हैं, जो आत्मनिर्भर भारत की दिशा में एक और मजबूत कदम है।

यूरोप की संसद में लगी ट्रंप की नग्न मूर्ति, बताया घमंडी

पेरिस

फ्रांस के स्ट्रासबर्ग में यूरोपीय संसद की इमारत के अंदर अमेरिकी राष्ट्रपति डोनल्ड ट्रंप की 23-कैरेट गोल्ड की मूर्ति लगाई गई है। इस मूर्ति में ट्रंप को नग्न अवस्था में दिखाया गया है।

ट्रंप के गोल्डन स्टैयू में उनके एक हाथ में न्याय का तराजू है और दूसरे में एक लंबा गोल्फ क्लब है। गोल्फ क्लब के पास एक गोल्फ बॉल भी है जिसे दुनिया जैसा दिखाया गया है। 8.5 फुट ऊंची मूर्ति के बारे में बताने के लिए इसके आधार पर एक संदेश लिखा है, जिस पर लिखा है, मैं एक आदमी की पीठ पर बैठा हूं। वह मेरे बोझ तले दबा जा रहा है। मैं उसकी मदद के लिए कुछ भी करूंगा। सिवाय उसकी पीठ से नीचे उतरने के।

डोनल्ड ट्रंप की इस गोल्डन मूर्ति को ऑरेंज प्लेग नाम दिया गया है। यह मूर्ति डेनिश कलाकार जेन्स गैलशियोट ने बनाई है। इसमें ट्रंप को एक छोटे, कपड़े पहने हुए व्यक्ति के कंधों पर बैठे हुए दिखाया गया है, जो उनका बोझ उठाए हुए लग रहा है। इस मूर्ति को अन्याय का राजा भी कहा जा रहा है। ट्रंप की इस मूर्ति को स्ट्रासबर्ग में यूरोपीय संसद की दो इमारतों को जोड़ने वाले सबसे व्यस्त चौराहों में से एक पर रखा गया है। इसे गुरुवार तक वहीं रखे जाने की योजना है।

मूर्ति बनाने वाले गैलशियोट ने कहा, ट्रंप उस चीज का प्रतिनिधित्व करते हैं जिसे वे नियमों पर आधारित विश्व व्यवस्था, लोकतांत्रिक मूल्यों और जलवायु संकट से निपटने के प्रयासों के लिए सबसे बड़े खतरों में से एक मानते हैं।

डेनमार्क के कलाकार ने कहा, हमें इस मुद्दे पर ध्यान देना चाहिए और ऐसे विनाशकारी प्रभाव के खिलाफ एकजुट होना चाहिए। गैलशियोट के अनुसार, यह मूर्ति द एम्परर्स न्यू क्लोद्स (सम्राट के नए कपड़े) नाम की परी-कथा से प्रेरित है। यह कहानी एक ऐसे घमंडी नेता के बारे में है जो मानता है कि उसने शानदार कपड़े पहने हैं, जबकि असल में वह नग्न होता है।

कहानी में, सम्राट के आस-पास के लोग डर और चापलूसी के कारण चुप रहते हैं, जब तक कि एक बचा यह नहीं कहता कि उसने कोई कपड़े नहीं पहने हैं, जिससे शासक हंसी का पात्र बन जाता है।

इस मूर्ति को देखने आने वालों को विरोध के प्रतीक के तौर पर मूर्ति के छोटे संस्करण भी दिए गए हैं। इन छोटी मूर्तियों को विरोध के प्रतीक या मैस्कॉट के तौर पर देखा जा सकता है। गैलशियोट ने कहा, ये ऐसी चीजें हैं जिन्हें लोग अपने साथ ले जा सकते हैं। ये उन्हें उकसाने और उनके दबदबे के खिलाफ एकजुट होकर खड़े होने के लिए प्रेरित करने का काम करती हैं।

यमन में लड़ाई फिर से शुरू होने के बाद से दो लाख से ज़्यादा लोग विस्थापित:संयुक्त राष्ट्र

अदन, (वार्ता)

यमन में सितंबर की शुरुआत में लड़ाई फिर शुरू होने के बाद दो लाख से अधिक लोग अपने घरों से विस्थापित हो चुके हैं। संयुक्त राष्ट्र के अंतरराष्ट्रीय प्रवासन संगठन (आईओएम) की ओर से बुधवार को जारी आंकड़ों में यह जानकारी दी गयी।

आईओएम ने कहा कि ईरान समर्थित हूती समूह और सऊदी अरब समर्थित सरकारी बलों के बीच फिर शुरू हुई लड़ाई के कारण विस्थापन संकट चिंताजनक स्तर पर पहुंच गया है। सितंबर के मध्य में विस्थापित लोगों की संख्या करीब 76,000 थी, जो अब बढ़कर दो लाख से अधिक हो गयी है। इनमें से लगभग सभी लोग हालिया संघर्ष शुरू होने के बाद अपने घर छोड़ने को मजबूर हुए हैं। आईओएम की महानिदेशक एमी पोप ने कहा, लोग अपनी जान बचाकर भाग रहे हैं और उन्हें जाने के लिए कोई सुरक्षित जगह नहीं मिल रही है। उन्होंने बढ़ती जरूरतों को पूरा करने के लिए भोजन और आश्रय के वास्ते अधिक धन उपलब्ध कराने की अपील की।

यह संघर्ष वर्ष 2022 में संयुक्त राष्ट्र की मध्यस्थता में हुए संघर्षविराम के बाद सऊदी अरब और हूतियों के बीच सबसे गंभीर लड़ाई है। संघर्ष फिर बढ़ने से यमन के कुछ हिस्सों पर नियंत्रण की स्थिति बदलने और लाल सागर में नौवहन मार्गों पर असर पड़ने की आशंका है।

हूती पहले से ही राजधानी सना सहित उत्तरी यमन के बड़े हिस्से पर नियंत्रण रखते हैं। पिछले महीने उन्होंने सऊदी अरब समर्थित उन बलों से देश के पूरे लाल सागर तट पर कब्जा कर लिया, जो अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मान्यता प्राप्त यमनी सरकार के प्रति वफादार हैं। यह सरकार दक्षिणी बंदरगाह शहर अदन में स्थित है। आईओएम के अनुसार विस्थापन 10 प्रांतों में दर्ज किया गया है और ताइज सबसे अधिक प्रभावित है। इसके अलावा तीन हजार सात सौ से अधिक लोग समुद्र के रास्ते यमन छोड़कर जिबूती पहुंच चुके हैं।

संयुक्त राष्ट्र के विश्व खाद्य कार्यक्रम ने शुक्रवार को कहा था कि यमन के कुछ हिस्सों में चार में से तीन परिवार भोजन की कमी से जूझ रहे हैं। संगठन ने इसे फिर शुरू हुई लड़ाई का बेहद विनाशकारी प्रभाव बताया।

सीईसी ज्ञानेश कुमार की जेड प्लस सुरक्षा हुई और मजबूत, विपक्षी दलों के प्रदर्शन के बीच केंद्र का फैसला

नई दिल्ली

मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण में कथित गड़बड़ियों को लेकर हो रहे विरोध प्रदर्शनों के बीच, केंद्र सरकार ने मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार की जेड प्लस सुरक्षा को और अधिक मजबूत कर दिया है। उनके आवास, चुनाव आयोग कार्यालय और व्यक्तिगत सुरक्षा में तैनात जवानों की संख्या बढ़ा दी गई है। मिली जानकारी के अनुसार, दिल्ली और आगरा स्थित मुख्य चुनाव आयुक्त के आवासों के बाहर हुए

प्रदर्शनों के बाद सुरक्षा एजेंसियों ने यह कदम उठाया है।

इससे पहले भारतीय युवा कांग्रेस ने 27 सितंबर को उनके इस्तीफे की मांग को लेकर उनके आवास के बाहर प्रदर्शन किया था, जिन्हें पुलिस और सुरक्षाकर्मियों ने तुरंत रोक दिया था। अधिकारियों के मुताबिक, नई मोती बाग कॉलोनी स्थित उनके घर के बाहर और अंदर सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए हैं। कॉलोनी के बाहर एक पूरी बस में अर्धसैनिक बल तैनात किया गया है और हर आने-जाने वाले पर पैनी नजर रखी जा रही है। इसके अलावा दिल्ली के अशोक रोड स्थित चुनाव आयोग के मुख्यालय के भीतर और बाहर भी सुरक्षा बढ़ा दी गई है। केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल के अलावा रैपिड एक्शन फोर्स, सीआरपीएफ और दिल्ली पुलिस के जवानों को भी तैनात किया गया है।

साइबर हमलों के बाद 25 फ्रांसीसी मंत्रियों का निजी डेटा हुआ ऑनलाइन लीक

पेरिस, (स्पूतनिक/वार्ता)। फ्रांस सरकार के 36 में से 25 मंत्रियों का साइबर हमलों में निजी डेटा लीक होने की रिपोर्ट सामने आई है। इनमें प्रधानमंत्री भी शामिल हैं। फ्रांसीसी का साप्ताहिक समाचार पत्र ले कनार एनशेने ने अपनी रिपोर्ट में यह जानकारी दी है। रिपोर्ट के अनुसार, प्रधानमंत्री सेबास्टियन लेकोर्नू भी उन 25 मंत्रियों में शामिल हैं, जिनका डेटा ऑनलाइन उजागर हुआ है।प्रधानमंत्री लेकोर्नू भी 2024 में वस्त्र विक्रेता कंपनी ले स्लिप फ्रांसिस पर हुए साइबर हमले से प्रभावित 15 लाख ग्राहकों में शामिल थे।

भारत-घाना मिलकर विकास और रणनीतिक स्वायत्तता की आवाज मजबूत करें : जयशंकर

नयी दिल्ली , (वार्ता)

विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने घाना के विदेश मंत्री सैमुअल ओकुडजेटो अब्लाक्वा से मुलाकात के बाद कहा कि भारत और घाना विकासशील देशों के रूप में साझेदार हैं और दोनों देशों को अपने अनुभव साझा कर सहयोग बढ़ाना चाहिए।

विदेश मंत्रालय ने गुरुवार को बताया कि विदेश मंत्री ने कहा कि दुनिया बहुध्रुवीयता और विविधता की ओर बढ़ रही है, ऐसे में दोनों देशों को स्वतंत्र फैसलों और रणनीतिक स्वायत्तता की आवाज मजबूत करनी चाहिए।

श्री जयशंकर ने कहा कि भारत और घाना के बीच कृषि अनुसंधान एवं प्रशिक्षण तथा जैव विविधता पर दो समझौते हुए हैं। दोनों देश दवा और स्वास्थ्य, खनन, रक्षा, रेलवे और डिजिटल क्षेत्र में सहयोग बढ़ाने पर भी काम कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि दोनों देशों की विकास संबंधी चुनौतियां समान हैं, इसलिए अनुभव साझा करना स्वाभाविक है।

अमेरिका में इस साल 30वें व्यक्ति को मौत की सजा, जहरीले इंजेक्शन का डोज देकर ली गई जान

वाशिंगटन। अमेरिका के टेक्सस में बुधवार को एक कैदी को मौत की सजा दी गई। उसने स्टोर क्लर्क की गोली मारकर हत्या कर दी थी। वह इस साल अमेरिका में मौत की सजा पाने वाला 30वां व्यक्ति था। टेनेसी में क्रिस्टा पाइक को जानलेवा इंजेक्शन देने की नाकाम कोशिश के बाद यह पहली मौत की सजा थी। 46 वर्षीय जमाल हावर्ड को हंट्सविले की स्टेट जेल में जहरीले इंजेक्शन की डोज दिए जाने के बाद बुधवार रात 8ः03 बजे (स्थानीय समय) मृत घोषित कर दिया गया। उसने वर्ष 2000 में एक स्टोर में हुई लूट के दौरान 42 वर्षीय विकी स्वार्टआउट की हत्या कर दी थी। जेल वार्डन ने जब आखिरी इच्छा पूछी, तो उसने पीड़िता के परिवार के सदस्यों से माफी मांगी, जो कुछ दूरी पर खिड़की से यह सब देख रहे थे। टेक्सस ने 2026 में अब तक छह लोगों को मौत की सजा दी है और इस साल दो और लोगों को मौत की सजा देने की योजना है।

आम आदमी पार्टी की उप्र प्रमुख तथा वरिष्ठ बसपा नेता सहित सौ से अधिक नेता कांग्रेस में शामिल

नयी दिल्ली, (वार्ता)

आम आदमी पार्टी की राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य एवं प्रदेश महिला इकाई की पूर्व अध्यक्ष नीलम यादव, बहुजन समाज पार्टी के वरिष्ठ नेता परमानंद गर्ग और केंद्र सरकार में अधिकारी रहे दुर्गा प्रसाद समेत कई प्रमुख लोगों ने बुधवार को कांग्रेस की सदस्यता ग्रहण की। कांग्रेस के उत्तर प्रदेश प्रभारी राजेंद्र पाल की मौजूदगी में इन नेताओं ने यहां पार्टी मुख्यालय में संवाददाता सम्मेलन के दौरान पार्टी का दामन थामा। श्री पाल ने सभी का कांग्रेस में स्वागत करते हुए कहा कि भाजपा के कुशासन से तंग आकर तथा श्री राहुल गांधी और कांग्रेस की नीतियों से प्रभावित होकर आये दिन प्रमुख नेता कांग्रेस में शामिल हो रहे हैं।

उन्होंने कहा कि आज कांग्रेस ही ऐसी पार्टी है जो श्री गांधी के नेतृत्व में इंडिया गठबंधन को साथ लेकर देश के संविधान और लोकतंत्र को बचाने की लड़ाई लड़ रही है। उन्होंने कहा कि देश से प्यार करने वाले और संविधान एवं लोकतंत्र के साथ चलने वाले लोग इस लड़ाई में शामिल होने के लिए कांग्रेस से जुड़ रहे हैं।

श्रीमती यादव ने कहा कि आज देश को श्री गांधी और कांग्रेस की जरूरत है तथा लोकतंत्र एवं संविधान को बचाने के लिए वह कांग्रेस में शामिल हो रही हैं। उन्होंने कहा कि उन्होंने आम आदमी पार्टी को 12 वर्ष दिए और जमीनी स्तर पर काम किया लेकिन पार्टी का शीर्ष नेतृत्व उत्तर प्रदेश के मुद्दों तथा कार्यकर्ताओं से जुड़ने की कोशिश नहीं करता जिसके कारण कार्यकर्ता खुद को ठगा हुआ महसूस कर रहे हैं।

बसपा के गाजियाबाद प्रमुख रहे श्री गर्ग ने कहा कि वह पहले कांग्रेस में थे और उनके परिवार ने अपनी राजनीतिक यात्रा कांग्रेस से शुरू की थी। बाद में वह समाजवादी पार्टी और बहुजन समाज पार्टी में रहे लेकिन उनका मन लगातार कांग्रेस में रहा। उन्होंने कहा कि गांधी को प्रधानमंत्री बनाना उनका सपना है और सभी को उनके संघर्ष में साथ देना चाहिए। भारत सरकार में अधिकारी रहे दुर्गा प्रसाद भी अपने साथियों के साथ कांग्रेस में शामिल हुए। श्री पाल ने बताया कि उनके साथ प्रेम प्रकाश, डॉ. सीताराम, गौरी शंकर, तेजपाल, नरेश पाल, ध्यानपाल, डॉ. राधेश्याम, बी.के. राव, अनुज मौर्या, विकास, लक्ष्मण सिंह, चंद्र प्रकाश, चंचल कुमार, नवदेश कुमार, अवधेश कुमार, हरेंद्र कुमार और उपेंद्र कुमार समेत कई लोगों ने कांग्रेस की सदस्यता ग्रहण की। नूरपुर, बिजनौर के वरिष्ठ समाजसेवी एवं पूर्व समूह चेयरमैन हाजी इमामुद्दीन अंसारी भी अपने करीब 75 साथियों के साथ कांग्रेस में शामिल हुए। उन्होंने कहा कि उनका परिवार आजादी के समय से कांग्रेस के साथ रहा है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस के शासनकाल में क्षेत्र में कई धागा मिलें स्थापित हुईं, जिससे बुनकरों को रोजगार मिला।

फिल्म/टीवी मनोरंजन

अभिनय की वह आवाज जो खामोशी में भी सुनाई देती रही

भारतीय सिनेमा में नाना पाटेकर को ऐसे अभिनेता के रूप में याद किया जाएगा, जिन्होंने नायक, खलनायक और गंभीर चरित्रों से लेकर हास्य भूमिकाओं तक को अपनी खास शैली में निभा कर सम्मान और प्रशंसा अर्जित की। करीब पांच दशक के फिल्मी सफर में उन्होंने ऐसे कई किरदार निभाए, जो दर्शकों की स्मृतियों में लंबे समय तक बने रहे। उनके अभिनय में आक्रोश, संवेदना और सहजता का ऐसा मेल था, जिसने उन्हें अपने दौर के कलाकारों में एक बेहद खास मुकाम पर पहुंचा दिया। नाना पाटेकर का दुनिया से जाना सिर्फ एक अभिनेता का जाना नहीं है, बल्कि अभिनय की उस विशिष्ट परंपरा के एक महत्वपूर्ण अध्याय का समाप्त होना है, जिसमें संवाद केवल बोले नहीं जाते, बल्कि महसूस कराए जाते हैं। उनकी आवाज, चेहरे के भाव, आंखों की बेचैनी और संवाद अदायगी ने उन्हें भारतीय सिनेमा के सबसे अलग और प्रभावशाली कलाकारों में शामिल किया। नाना पाटेकर उर्फ विश्वनाथ पाटेकर का जन्म मुंबई में एक जनवरी 1951 को एक मध्यम वर्गीय मराठी परिवार में हुआ। उनके पिता दनकर पाटेकर चित्रकार थे। नाना ने मुंबई के जे.जे. स्कूल ऑफ आर्ट्स से पढ़ाई की। इस दौरान वह कॉलेज में आयोजित नाटकों में हिस्सा लिया करते थे। नाना पाटेकर को स्केचिंग का भी शौक था और वह अपराधियों की पहचान के लिए मुंबई पुलिस को उनके स्केच बनाकर दिया करते थे। उन्होंने अपने सिने करियर की शुरुआत वर्ष 1978 में रिलीज फिल्म गमन से की, लेकिन इस फिल्म में दर्शकों ने उन्हें नोटिस नहीं किया। अपने वजूद को तलाशते नाना को फिल्म इंडस्ट्री में लगभग आठ वर्ष संघर्ष करना पड़ा। फिल्म गमन के बाद उन्हें जो भी भूमिका मिली, वह उसे स्वीकार करते चले गए। इस बीच उन्होंने गिद्ध, भालू, शीला जैसी कई साधारण फिल्मों में अभिनय किया, लेकिन इनमें से कोई भी फिल्म बॉक्स ऑफिस पर सफल नहीं हुई। साल 1984 में रिलीज फिल्म आज की आवाज में बतौर अभिनेता नाना पाटेकर ने राज बब्बर के साथ काम किया। यह फिल्म पूरी तरह राज बब्बर पर केंद्रित थी, फिर भी नाना अपने किरदार को अलग अंदाज में निभाकर अभिनय की छाप छोड़ने में कामयाब रहे। नाना पाटेकर को प्रारंभिक सफलता दिलाने में निर्माता-निर्देशक एन. चंद्रा की फिल्मों का बड़ा योगदान रहा। उन्हें पहला बड़ा ब्रेक फिल्म अंकुश (1986) से मिला। इस फिल्म में नाना ने एक ऐसे बेरोजगार युवक की भूमिका निभाई, जो काम नहीं मिलने पर समाज से नाराज है और उल्टे-सीधे रास्ते पर चलता है। अपने इस किरदार को नाना ने इतनी संजीदगी से निभाया कि दर्शक उस भूमिका को आज भी भूल नहीं पाए हैं। वर्ष 1987 में नाना पाटेकर को एन. चंद्रा की ही फिल्म प्रतिघात में भी काम करने का अवसर मिला।नाना ने इस फिल्म में एक पागल पुलिस वाले की छोटी सी भूमिका निभाई लेकिन अपनी अदाकारी से वह फिल्म के बाकी किरदारों से यादा पसंद किए गए।

वर्ष 1989 में रिलीज फिल्म परिंदा नाना पाटेकर के सिने करियर की हिट फिल्मों में शुमार की जाती है। विधु विनोद चोपड़ा निर्मित इस फिल्म में नाना ने मानसिक रूप से विक्षिप्त लेकिन अपराध की दुनिया के बेताज बादशाह की भूमिका निभाई, जो गुस्से में अपनी पत्नी को जिंदा आग में जलाने से भी नहीं हिचकता। अपनी इस भूमिका को नाना ने सधे हुए अंदाज में निभाकर दर्शकों की वाहवाही लूटने में सफलता प्राप्त की।

वर्ष 1996 में रिलीज फिल्म खामोशी में उनके अभिनय का एक नया आयाम दर्शकों को देखने को मिला। इस फिल्म में उन्होंने गूंगे पिता की भूमिका निभाई। यह भूमिका किसी भी अभिनेता के लिए बहुत बड़ी चुनौती थी। बगैर संवाद बोले सिर्फ आंखों और चेहरे के भाव से दर्शकों को सब कुछ बता देना नाना पाटेकर की अभिनय प्रतिभा का ऐसा उदाहरण था, जिसे शायद ही कोई अभिनेता दोहरा पाए। वर्ष 2007 में रिलीज फिल्म वेलकम में नाना पाटेकर के अभिनय का नया रंग देखने को मिला। इस फिल्म के पहले उनके बारे में कहा जाता था कि वह केवल संजीदा अभिनय करने में ही सक्षम हैं, लेकिन नाना ने जबरदस्त हास्य अभिनय कर दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर अपने आलोचकों का मुंह सदा के लिए बंद कर दिया और फिल्म को सुपरहिट बना दिया।

जरासंध के लुक से किरदार में पूरी तरह ढलने में मदद मिलती है : आभास मेहता

सोनी सब के धारावाहिक हस्तिनापुर के वीर में जरासंध की भूमिका निभा रहे अभिनेता आभास मेहता का कहना है कि उनके किरदार का विस्तृत लुक उन्हें इसमें पूरी तरह ढलने में मदद करता है।धारावाहिक में हस्तिनापुर की दुनिया को भव्य विजुअल प्रस्तुति और विस्तृत किरदारों के साथ पेश किया गया है। जरासंध के किरदार के लिए आभास के लुक में घुटनों तक लंबे बाल, आभूषण और अन्य बारीकियों का विशेष ध्यान रखा जाता है। उन्हें तैयार होने में करीब डेढ़ घंटे का समय लगता है।

आभास ने कहा, जरासंध का लुक मुझे किरदार में पूरी तरह ढलने में बहुत मदद करता है। मेकअप और कॉस्ट्यूम टीम पूरे दिन इस बात का ध्यान रखती है कि हर बारीकी सही जगह पर हो। घुटनों तक लंबे बाल, आभूषण और लुक की बारीकियां, ये सभी एक राजा का किरदार निभाने के एहसास को और गहरा बनाते हैं। उन्होंने कहा, जब मैं पूरी तरह तैयार होकर खुद को आईने में देखता हूं, तो मुझे आभास नहीं, बल्कि जरासंध नजर आता है। यह लुक मुझे अपनी सामान्य जिंदगी से बाहर निकलकर पूरी तरह इस किरदार में ढलने में मदद करता है। हस्तिनापुर के वीर का प्रसारण हर सोमवार से शनिवार रात नौ बजे सोनी सब पर किया जाता है।

जेलर 2 को मिला यू/ए 16 प्रमाणपत्र

दक्षिण भारतीय फिल्मों के सुपरस्टार रजनीकांत एक बार फिर अपने लोकप्रिय किरदार मुथुवेल पांडियन उर्फ टाइगर के रूप में दर्शकों का मनोरंजन करने के लिए तैयार हैं। नेल्सन दिलीपकुमार के निर्देशन में बनी बहुप्रतीक्षित फिल्म जेलर 2 को केंद्रीय फिल्म प्रमाणन बोर्ड (सीबीएफसी) से यू/ए 16 प्रमाणपत्र मिल गया है। फिल्म 15 अक्टूबर को दुनियाभर के सिनेमाघरों में प्रदर्शित होगी। रिपोर्ट के अनुसार, जेलर 2 की अवधि 165 मिनट यानी करीब पौने तीन घंटे है। फिल्म का बहुप्रतीक्षित ट्रेलर भी जारी कर दिया गया है, जिसमें मुथुवेल पांडियन के नए मिशन और जबरदस्त एक्शन की झलक देखने को मिली है। फिल्म में रजनीकांत के साथ राम्या कृष्णन, योगी बाबू और मिर्ना प्रमुख भूमिकाओं में नजर आएंगी। एस.जे. सूर्या, विद्या बालन, सूरज वेंजारामूडु, मिथुन चक्रवर्ती, अन्ना राजन और जतिन सरना भी महत्वपूर्ण भूमिकाओं में हैं। मोहनलाल और शिवा राजकुमार विशेष भूमिका में दिखाई देंगे, जबकि विजय सेतुपति भी फिल्म में खास अंदाज में नजर आएंगे।

शराब के खिलाफ महिलाओं की हुंकार: रैली निकालकर दी दो टूक चेतावनी, बोलीं—बनाने-बेचने और पीने वालों की खैर नहीं

गोपालगंज।

गांव में बढ़ते शराब के चलन के खिलाफ अब महिलाएं खुलकर मैदान में उतर आई हैं। लखनवाड़ा थाना अंतर्गत ग्राम पंचायत गोपालगंज के ग्राम दतनी में करीब आधा सैकड़ा महिलाओं ने एकजुट होकर नशा मुक्ति रैली निकाली और शराब बनाने व बेचने वालों को दो टूक चेतावनी दी। महिलाओं ने साफ कहा कि गांव में शराब का कारोबार किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

रैली के दौरान महिलाओं ने पूरे गांव में घूमकर लोगों को नशे के दुष्परिणामों के प्रति जागरूक किया। महिलाओं का कहना है कि शराब की वजह से परिवारों का माहौल बिगड़ रहा है और इसका सबसे ज्यादा असर पढ़ने वाले बच्चों तथा बहू-बेटियों पर पड़ रहा है। उन्होंने कहा कि गांव को नशामुक्त बनाने के लिए अब महिलाएं चुप नहीं बैठेंगी और शराब के खिलाफ लगातार अभियान चलाया जाएगा।

महिलाओं के साथ कदम से कदम मिलाकर चली पुलिस

महिलाओं की इस मुहिम को उस समय और मजबूती मिली, जब लखनवाड़ा थाना प्रभारी सीके सिरामे पुलिस स्टाफ के साथ ग्राम दतनी पहुंचे और रैली में शामिल हुए। थाना प्रभारी ने महिलाओं के नशा मुक्ति संकल्प की सराहना करते हुए उन्हें धन्यवाद दिया और भरोसा दिलाया कि अवैध शराब के खिलाफ पुलिस सख्त कार्रवाई करेगी। उन्होंने कहा कि शराब बनाने, बेचने और अवैध रूप से पीने वालों के खिलाफ नियमानुसार कड़ी कार्रवाई की जाएगी। साथ ही ग्रामीणों से अपील की गई कि यदि गांव में कहीं शराब बनाई या बेची जा रही है तो तत्काल पुलिस को इसकी सूचना दें।

सूचना देने वाले को 1100 रुपये का इनाम

थाना प्रभारी सीके सिरामे ने ग्रामीणों को महत्वपूर्ण जानकारी देते हुए कहा कि अवैध शराब बनाने या बेचने वालों की सूचना देकर उन्हें पकड़वाने में मदद करने वाले व्यक्ति को 1100 रुपये का नकद इनाम दिया जाएगा। सूचना देने वाले व्यक्ति का नाम और पता पूरी तरह गोपनीय रखा जाएगा। पुलिस ने महिलाओं को भरोसा दिलाया कि वे बेझिझक अवैध शराब से जुड़ी जानकारी पुलिस तक पहुंचाएं। थाना प्रभारी ने कहा कि च्लखनवाड़ा पुलिस आपके साथ खड़ी है।

महिलाओं की एकजुटता बनी चर्चा का विषय

दतनी गांव की महिलाओं की इस पहल की क्षेत्र में जमकर सराहना हो रही है। महिलाओं ने स्पष्ट संदेश दिया कि वे अपने गांव के बच्चों और परिवारों के भविष्य को नशे की गिरफ्त में नहीं जाने देंगी। रैली के दौरान महिलाओं ने नशे के खिलाफ एकजुट होकर गांव को नशामुक्त बनाने का संकल्प लिया। रैली में लखनवाड़ा थाना प्रभारी सीके सिरामे, आरक्षक अमित रघुवंशी, महिला आरक्षक अंकिता उइके, महिला आरक्षक प्रिया नागेश, 112 वाहन के गगन डेहरिया, पायलट अभिषेक डोंगरे, ग्राम कोटवार सपना मेश्राम, संदीप उइके सहित बड़ी संख्या में ग्राम दतनी की महिलाएं मौजूद रहीं। महिलाओं की यह हुंकार अब पूरे क्षेत्र में चर्चा का विषय है—गांव को नशामुक्त बनाने की लड़ाई में मातृशक्ति ने साफ कर दिया है कि शराब के खिलाफ उनका अभियान अब रुकने वाला नहीं है।

ब्रिटिशकालीन ऐतिहासिक पुल प्रशासन की बेरुखी का शिकार

168 साल पुराना पुल आज भी हजारों लोगों का सहारा, जर्जर सड़क और उगी झाड़ियों ने बढ़ाई परेशानी

छपारा। आधुनिक दौर में जहां इमारतों की उम्र कुछ दशकों तक सिमटती जा रही है, वहीं छपारा नगर में बैनगंगा नदी पर बना ब्रिटिशकालीन ऐतिहासिक पुल करीब 168 वर्षों से मजबूती के साथ लोगों की आवाजाही का प्रमुख माध्यम बना हुआ है। वर्ष 1858 के आसपास निर्मित इस पुल से आज भी चौबीसों घंटे हजारों लोग आवागमन करते हैं, लेकिन रखरखाव के अभाव में इसकी स्थिति लगातार खराब होती जा रही है।

पुल की करीब आधा किलोमीटर लंबी सड़क पर जगह-जगह गड्ढे हो गए हैं। बारिश के पानी की निकासी की पर्याप्त व्यवस्था नहीं होने से सड़क को नुकसान पहुंच रहा है। वहीं पुल के दोनों ओर बड़ी-बड़ी झाड़ियां उग आई हैं। कई स्थानों पर पीपल और बरगद के पेड़ों ने भी जड़ें जमा ली हैं, जिससे पुल का स्वरूप प्रभावित होने के साथ संरचना की सुरक्षा को लेकर भी चिंता बढ़ रही है।

स्थानीय लोगों के अनुसार पुल की सड़क के सुधार और निर्माण को लेकर स्वीकृति होने के बावजूद अब तक कार्य शुरू नहीं हुआ है। नगरवासियों का कहना है कि यह पुल आज भी सबसे अधिक उपयोग में आने वाले सुरक्षित मार्गों में शामिल है, इसलिए इसकी उपेक्षा उचित नहीं है।

लोगों ने प्रशासन से पुल की नियमित देखरेख, झाड़ियों की सफाई, जल निकासी की व्यवस्था और गुणवत्तापूर्ण सड़क निर्माण की मांग की है। नागरिकों का कहना है कि यह केवल आवागमन का मार्ग नहीं, बल्कि छपारा की ऐतिहासिक धरोहर है, जिसे आने वाली पीढ़ियों के लिए सुरक्षित रखना जरूरी है।

बंजारी घाट पर कंटेनर ट्रक और कार की भिड़ंत, सात घायल

तीन बच्चे और दो महिलाएं शामिल, प्राथमिक उपचार के बाद जिला चिकित्सालय सिवनी रेफर

छपारा। सिवनी-लखनादौन के बीच छपारा नगर से लगभग 8 किलोमीटर दूर बंजारी घाट पर बुधवार सुबह कंटेनर ट्रक और कार की जोरदार टक्कर हो गई। हादसे में कार सवार सात लोग घायल हो गए।

घायलों में दो महिलाएं और तीन बच्चे शामिल हैं। सभी घायलों को प्राथमिक उपचार के बाद जिला चिकित्सालय सिवनी रेफर किया गया। जानकारी के अनुसार हादसा 8 अक्टूबर की सुबह करीब 11 बजे हुआ। कार सवार लोग सिवनी से जबलपुर की ओर जा रहे थे और सभी के बिहार निवासी होने की जानकारी सामने आई है। टक्कर की सूचना मिलते ही छपारा की 108 एंबुलेंस और थाना पुलिस की डायल-112 टीम मौके पर पहुंची। घायलों को तत्काल सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र छपारा लाया गया। घायलों में सूर्यांश तिवारी, निक्की तिवारी, आर्यन तिवारी, गीत तिवारी, सुनील तिवारी, वर्षा तिवारी, इंद्रजीत तिवारी और सत्यम तिवारी के नाम सामने आए हैं जिनमें बालक सत्यम को सिर पर अधिक चोट आई है । प्राथमिक उपचार के बाद सभी को जिला चिकित्सालय भेजा गया। इधर, बंजारी घाट पर अचानक ढलान और पुलिया के पास सड़क की ऊंचाई को लेकर स्थानीय लोग लंबे समय से सवाल उठा रहे हैं। उनका कहना है कि लगातार दुर्घटनाओं के बावजूद इस हिस्से में सड़क सुरक्षा सुधारों पर पर्याप्त ध्यान नहीं दिया जा रहा है।

नशा छोड़ने के लिए

दृढ़ इच्छाशक्ति और सहनशीलता जरूरी

सिवनी।

मुनि श्री 108 निर्वेगसागर जी महाराज के मंगल सान्निध्य में चल रहे मूकमाटी – उपाश्रम की छाँव के प्रवचन में नशा मुक्ति, संयम और सहनशीलता को लेकर महत्वपूर्ण संदेश दिया गया। महाराज श्री ने कहा कि किसी भी बुरी आदत को छोड़ने के लिए सबसे पहले उसके प्रति मन में अरुचि उत्पन्न होना आवश्यक है। केवल बोलने से त्याग नहीं होता, बल्कि त्याग का प्रभाव व्यक्ति के व्यवहार में दिखाई देना चाहिए। महाराज श्री ने नशे की आदत छोड़ने के उदाहरण से समझाते हुए कहा कि तंबाकू, चाय अथवा अन्य नशीली आदतों को छोड़ने पर शुरुआती दो-चार दिनों में शरीर और मन को परेशानी हो सकती है।

सिरदर्द, बेचैनी अथवा असहजता जैसी स्थिति भी बन सकती है, लेकिन व्यक्ति यदि उस कठिन समय को धैर्य और दृढ़ता से सहन कर ले तो धीरे-धीरे वह आदत समाप्त होने लगती है। इसके बाद व्यक्ति स्वयं को अधिक स्वतंत्र और

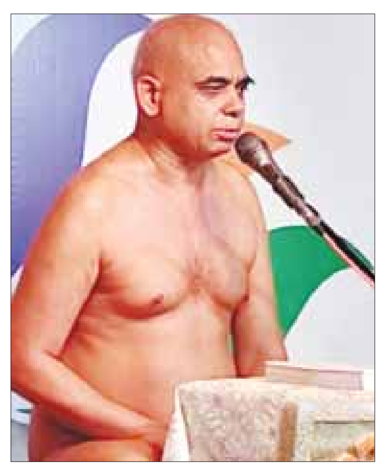

सक्षम महसूस करता है। उन्होंने कहा कि साधना का मार्ग भी प्रारंभ में श्रमसाध्य और कष्टदायी लगता है, लेकिन वही आगे चलकर सुख और आत्मबल का कारण बनता है। नशा छोड़ना भी इसी प्रकार का पुरुषार्थ है। शुरुआत में कठिनाई देखकर व्यक्ति यदि फिर उसी आदत की ओर लौट जाता है तो उसका संघर्ष व्यर्थ हो जाता है।

जब तक मंजिल न मिले, चलते रहो

मूकमाटी के कुम्भ और अग्नि-परीक्षा के प्रसंग को समझाते हुए महाराज श्री ने कहा कि जीवन में लक्ष्य प्राप्त होने तक पुरुषार्थ करते रहना चाहिए। उन्होंने कहा कि च्अगर अटक गए तो भटक गए। नशा मुक्ति के मार्ग पर भी व्यक्ति को शुरुआती परेशानी से घबराने के बजाय संकल्प पर कायम रहना चाहिए।

त्याग की शुरुआत मन की अरुचि से

प्रवचन में कहा गया कि किसी भी विषय या कषाय का वास्तविक त्याग तभी संभव है, जब उसके प्रति अंतरंग से अरुचि उत्पन्न हो। व्यक्ति यदि नशे को हानिकारक मानता है, लेकिन मन के भीतर उसकी इच्छा बनी रहती है, तो वास्तविक त्याग अभी अधूरा है। महाराज श्री ने कहा कि वही ज्ञान वास्तविक ज्ञान है, जो व्यक्ति को त्याग की ओर ले जाए। वस्तु के वास्तविक स्वरूप का ज्ञान होने पर आकर्षण कम होता है ।

सहनशीलता से मजबूत होता है आत्मविश्वास

महाराज श्री ने कहा कि जीवन में आने वाले कष्टों को धैर्यपूर्वक सहना कमजोरी नहीं, बल्कि आत्मबल की पहचान है। च्रोते हुए भी सहना है और मुस्कुराते हुए भी सहना है, तो क्यों न मुस्कुराकर सहें। उन्होंने कहा कि जितना व्यक्ति उचित कठिनाइयों को सहन करना सीखता है, उतना ही उसका विलपावर, आत्मविश्वास और मानसिक दृढ़ता मजबूत होती है।प्रवचन में अग्नि-परीक्षा के प्रसंग के माध्यम से यह भी बताया गया कि जैसे कुम्भ अग्नि में तपकर अपनी उपयोगिता की ओर बढ़ता है, वैसे ही मनुष्य भी जीवन की कठिन परिस्थितियों में धैर्य और संयम रखकर अपने भीतर की शक्ति को पहचान सकता है। नशे की आदत से मुक्ति के लिए केवल इच्छा पर्याप्त नहीं, बल्कि दृढ़ संकल्प, सही ज्ञान, सहनशीलता और निरंतर पुरुषार्थ आवश्यक है। कुछ दिनों की कठिनाई को स्वीकार कर व्यक्ति लंबे समय के लिए नशे की गुलामी से मुक्त होकर बेहतर जीवन की ओर बढ़ सकता है।

सनब्रिज बायोएनर्जी के सिवनी प्लांट में इथेनॉल उत्पादन शुरू

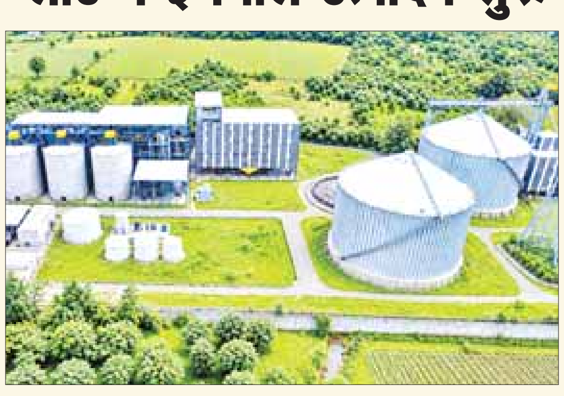

सिवनी।

सनब्रिज ग्रुप की बायोएनर्जी शाखा, सनब्रिज बायोएनर्जी लिमिटेड ने मध्य प्रदेश के सिवनी में अपने अनाज आधारित, फ्यूल-ग्रेड इथेनॉल मैन्युफैक्चरिंग प्लांट में कमर्शियल उत्पादन शुरू कर दिया है। सिवनी प्लांट की उत्पादन क्षमता 300 किलोलीटर प्रति दिन (केएलडी) है और इसकी भंडारण क्षमता 11,000 किलोलीटर है। यह प्लांट लगभग 1,17,560 वर्ग मीटर में फैला है। कंपनी अपने इथेनॉल पोर्टफोलियो को और मजबूत कर रही है। छत्तीसगढ़ के रायपुर में जल्द शुरू होने वाले 400 केएलडी के प्लांट के साथ उसकी कुल क्षमता 700 केएलडी तक पहुंच जाएगी। सिवनी प्लांट में डिस्टिलर्स ड्राइड ग्रेन्स विद सॉल्युबल्स और डिस्टिलर्स कॉर्न ऑयल जैसे सह-उत्पाद भी बनते हैं, जिनका इस्तेमाल मुख्य रूप से पोल्ट्री और मवेशियों के आहार में होता है। सनब्रिज ग्रुप के फाउंडर और चेयरमैन अनुज अग्रवाल ने कहा, हमारे सिवनी प्लांट में इथेनॉल उत्पादन की शुरुआत बायोएनर्जी के क्षेत्र में सनब्रिज की यात्रा का एक अहम कदम है। हमारा फोकस एक ऐसा बायोएनर्जी प्लेटफॉर्म तैयार करने पर है, जिसे बड़े पैमाने पर बढ़ाया जा सके, जो ऊर्जा और संसाधनों की कुशलता को एक साथ लाए और किसानों तथा ग्रामीण अर्थव्यवस्था को सार्थक फायदा पहुंचाए। सिवनी प्लांट से इस यात्रा का आगाज हुआ है। भारत का बायोएनर्जी इकोसिस्टम टिकाऊ ऊर्जा की ओर बढ़ रहा है और जीवाश्म ईंधन पर निर्भरता कम कर रहा है। इस बदलाव के साथ हमें इस नींव को आगे बढ़ाने की बड़ी संभावनाएं दिखती हैं। सनब्रिज बायोएनर्जी फ्यूल-ग्रेड इथेनॉल बनाने के लिए मक्का और टूटे चावल समेत खराब हो चुके खाद्यान्न का इस्तेमाल करती है। अनाज आधारित यह इथेनॉल उत्पादन इंसानों के खाने लायक न रहे खराब और टूटे चावल को काम में लाकर किसान समुदायों को सहारा देता है। सनब्रिज ग्रुप ने कंज्यूमर प्रोडक्ट्स, बायोएनर्जी और सोलर एनर्जी के क्षेत्रों में अपने कारोबार स्थापित किए हैं। ग्रुप का फोकस लंबे समय तक चलने वाले ऐसे कारोबार खड़े करने पर है, जो स्थायी लाभ दें और भारत की बदलती खपत और ऊर्जा जरूरतों के अनुरूप हों।

फेसबुक चैट बनी सुराग, 5 राज्यों में तलाश के बाद पकड़ी गई एरागोल्ला गैंग

अब आरोपियों को रिमांड पर लेने चार राज्यों की पुलिस कर रही कॉल

बालाघाट। सराफा व्यापारियों को निशाना बनाकर लूट करने वाले च्एरागोल्ला गैंगज्ज के शातिर लुटेरो को बालाघाट पुलिस ने फेसबुक चैट से मिले सुराग के बाद दबोच लिया है। जिन्होने बालाघाट के लांजी थाना क्षेत्र के कुल्पा गांव और किरनापुर थाना क्षेत्र के रजेंगांव में सराफा व्यापारियो के साथ लूट की वारदात की थी। इन दोनो वारदातों को लुटेरो ने बडे ही शातिराना तरिके से अंजाम दिया था। जो पुलिस के लिये बडी चुनौती थी। जिन्हे दबोचने के बाद पता चला कि ये 5 राज्यों के मोस्ट वांटेड डकैत है, जिन्हे रिमांड पर लेने के लिये अब चार राज्यों की पुलिस बालाघाट पुलिस को कॉल कर रही हैं। दरअसल, आरोपी इतने शातीर थे कि ये वारदात को अंजाम देने के दौरान ना ही सिम रखते थे और ना ही फोन कॉल करते थे। कुल्पा और रजेगांव में डकैती को अंजाम देने के बाद ये बदमाश सफर के दौरान अपने कपड़े, बाईक, बाईक ड्राईविंग, हेलमेंट बदल लिया करते थे। लेकिन बालाघाट पुलिस ने 05 राज्यों में लगभग 22 हजार किमी दूरी का सफर तय करके 65 दिन में ओडिशा के अंतर्राज्यीय एरागोल्ला गैंग के तीन सदस्यों रोशन धुव्र, सचिन धुव्र और नरसिम्हा उर्फ पुतरो प्रधान को गिरफ्तार किया। पुलिस के अनुसार आरोपियों का आपराधिक रिकॉर्ड कई राज्यों से जुड़ा है और उनकी तलाश में अब दूसरे राज्यों की पुलिस भी बालाघाट पुलिस से संपर्क कर रही है। बालाघाट पुलिस के लिए यह मामला महज दो लूट की वारदात नही, बल्कि एक ऐसे अंतर्राज्यीय गिरोह की तलाश बन गया था, जो वारदात के बाद लगातार अपना ठिकाना, वाहन और हुलिया बदल रहा था। पुलिस ने जांच शुरू की तो सामने आया कि आरोपियों का नेटवर्क कई राज्यों तक फैला है। एसपी आदित्य मिश्रा ने बताया कि आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए करीब 65 दिनों तक अभियान चलाया गया। जिसमें करीब 75 पुलिसकमीयो की 14 टीमो ने भूमिका निभाई। लूट की पहली वारदात 28 जून को लांजी के कुलपा गांव में हुई। कामना ज्वेलर्स के संचालक कपिल आसटकर को आमगांव रोड पर बदमाशों ने रोक लिया। सिर पर डंडे से हमला करने के बाद आरोपी सोने-चांदी के आभूषण और चार हजार रुपये नकद लेकर फरार हो गए। वही दूसरी वारदात 5 अगस्त को रजेगांव में हुई। जहां सागर ज्वेलर्स के संचालक गेंदलाल करंडे दुकान बंद कर आभूषणों से भरे दो बैग लेकर घर जा रहे थे। तभी मोटरसाइकिल सवार बदमाशों ने रास्ता रोककर दोनों बैग लूट लिए। इन दोनो प्रकरणो का खुलासा करने में पुलिस ने करीब 02 हजार किलोमीटर लंबे मार्ग के 300 से अधिक सीसीटीवी कैमरों के फुटेज खंगाले। करीब 169 घंटे के फुटेज का विश्लेषण किया गया। वहीं पुलिस ने 6 लाख 24 हजार 588 टेलीफोन रिकॉर्ड की जांच की। वही मध्यप्रदेश के अलावा महाराष्ट्र, छत्तीसगढ़, ओडिशा और आंध्रप्रदेश के 21 जिलों में पुलिस टीमों ने पड़ताल की। करीब 190 लोगों से पूछताछ की गई और 06 जेलों में बंद आरोपियों से भी जानकारी जुटाई गई। तकनीकी जांच और लगातार निगरानी के बाद पुलिस ने रोशन ध्रुव, नरसिम्हा उर्फ पुतरो प्रधान और सचिन ध्रुव को गिरफ्तार किया। रोशन को रायपुर, नरसिम्हा उर्फ पुतरो को ओडिशा के जाजपुर और सचिन ध्रुव को महासमुंद से गिरफ्तार किया गया। एसपी आदित्य मिश्रा के अनुसार साइबर टीम ने तकनीकी जांच के साथ फेसबुक अकाउंट की चैट और कॉल से जुड़े डिजिटल सुरागों का विश्लेषण किया। इन्हीं सुरागों की कड़ियां जोड़ते हुए पुलिस आरोपियों तक पहुंची थी। जहां इस लूट प्रकरणो में चिरंजीवी उर्फ शुभम यादव मुख्य भूमिका सामने आई। जो पूर्व में बालाघाट के इंदिरा कॉलोनी क्षेत्र का निवासी था। जो प्रेम विवाह के बाद बालाघाट छोडकर छग के महासमुंद में बस गया। जहां वह इस गिरोह से जुड़ा था और उसकी निशानदेही पर ही बालाघाट में दोनों वारदातों की रेकी की गई थी। हालांकि 15 सितंबर 2026 को सड़क दुर्घटना में चिरंजीवी उर्फ शुभम यादव मौत हो चुकी है। लेकिन जांच के दौरान पुलिस को उसके संपर्क और गिरोह के अन्य सदस्यों के बारे में महत्वपूर्ण जानकारी मिली। अब इस प्रकरण में दशमानिया ओडिशा निवासी प्रकाश प्रधान और आकाश प्रधान फरार है। पुलिस सुत्रो के मुताबित ये दोनो अन्य डकैती के मामलों में जाजपुर जेल में बंद हैं। जिन्हे बालाघाट लाने के लिए प्रोडक्शन वारंट की कार्रवाई की जा रही है। ये सभी छ: आरोपी रोशन, नरसिम्हा, सचिन, प्रकाश, आकाश और चिरंजीवी(मृतक) सभी अंतरराज्यीय एरागोल्ला गैंग के सदस्य बताए जा रहे हैं। जिनका खुलासा बालाघाट पुलिस ने महत्वपूर्ण कार्यवाही है। पुलिस के अनुसार रजेगांव की घटना से करीब 18 लाख रुपये और लांजी की घटना से करीब 4 लाख रुपये के आभूषण बरामद हुए हैं। कुल बरामद माल में करीब 70 ग्राम सोना और 2.8 किलोग्राम चांदी शामिल है। पुलिस अब आरोपियों के अन्य राज्यों में दर्ज आपराधिक मामलों और इस गिरोह से जुड़े अन्य सदस्यों की जानकारी जुटा रही है। बालाघाट की दो लूट से शुरू हुई जांच अब अंतरराज्यीय डकैती नेटवर्क तक पहुंच गई है।

हृदय रोग से पीड़ित 9 बच्चे नि:शुल्क सर्जरी के लिए जबलपुर रवाना

बालाघाट।

कलेक्टर कुमार सत्यम के मार्गदर्शन में 6 अक्टूबर को डीईआईसी जिला चिकित्सालय बालाघाट में आयोजित हृदय रोग शिविर में चयनित बच्चों में से 9 बच्चों को आज 08 अक्टूबर को निश्शुल्क सर्जरी एवं उपचार के लिए जबलपुर रवाना किया गया। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. शत्रुघ्न सिंह दाहिया ने बताया कि जिले के बच्चों के लिए आयोजित इस विशेष हृदय रोग शिविर में चिकित्सकीय जांच के दौरान हृदय रोग से पीड़ित 21 बच्चों को सर्जरी के लिए चयनित किया गया था। चयनित बच्चों में से प्रथम चरण में 9 बच्चों को बेहतर उपचार के लिए जबलपुर भेजा गया है।

डीईआईसी जिला चिकित्सालय में आयोजित शिविर में 21 बच्चों का हुआ था चयन

उन्होंने बताया कि इन सभी बच्चों का उपचार राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम (आरबीएसके) के अंतर्गत संचालित मुख्यमंत्री बाल हृदय उपचार योजना के तहत कराया जा रहा है। योजना के माध्यम से पात्र बच्चों को आवश्यक हृदय संबंधी जांच, सर्जरी एवं उपचार की सुविधा निश्शुल्क उपलब्ध कराई जाती है। बच्चों को उपचार के लिए जबलपुर भेजे जाने के दौरान स्वास्थ्य विभाग की टीम द्वारा आवश्यक व्यवस्थाएं की गईं। जिले में आयोजित शिविर के माध्यम से हृदय रोग से पीड़ित बच्चों की पहचान कर उन्हें समय पर विशेषज्ञ चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल की गई है। स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों ने बताया कि बच्चों में जन्मजात एवं अन्य हृदय संबंधी रोगों की समय पर पहचान और उपचार से उनके स्वास्थ्य एवं भविष्य को बेहतर बनाया जा सकता है। शिविर में चयनित शेष बच्चों को भी आवश्यकतानुसार उपचार के लिए भेजने की प्रक्रिया की जा रही है। समय पर पहचान, निश्शुल्क उपचार और विशेषज्ञ चिकित्सा सुविधा मिलने से हृदय रोग से पीड़ित बच्चों को स्वस्थ जीवन की नई उम्मीद मिल रही है।

जर्जर अग्रवाल बिल्डिंग को ढहाया नगर निगम ने

क्रेन और जेसीबी लगाकर गिराया भवन, एक दिन पहले मुनादी कर दी थी सूचना

कटनी (स्वतंत्रमत)

भट्ठा मोड़ पर स्थित जर्जर अग्रवाल बिल्डिंग को आज बुल्डोजर से ध्वस्त कर दिया गया। नगर निगम प्रशासन ने सुबह ठीक 10 बजे से भवन को गिराने की कार्रवाई शुरू की। इस दौरान भट्ठा मोहल्ला की तरफ से आवागमन बाधित रहा, जबकि मिशन चौक से बरगवां की ओर एक ही साइड से वाहनों को आने-जाने दिया गया, जिसकी वजह से जाम की स्थिति निर्मित रही। गौरतलब है कि पिछले दिनों अग्रवाल बिल्डिंग में एक बुजुर्ग की बारजा गिरने से उसके मलबे में दबकर मौत हो गई थी। इस घटना के बाद नगर निगम प्रशासन की कार्यप्रणाली पर प्रश्नचिन्ह लग गया था। नगर निगम ने इस साल बारिश के पहले 51 जर्जर भवनों को गिराने के लिए सूची तैयार की थी लेकिन इक्का-दुक्का ही भवनों के विरूद्ध कार्रवाई की गई। बताया जाता है कि इस घटना के बाद नगर निगम आयुक्त तपस्या परिहार के निर्देश पर जर्जर अग्रवाल बिल्डिंग को गिराने के लिए प्रक्रिया शुरू की गई। बुधवार को नगर निगम द्वारा मुनादी के माध्यम से अग्रवाल बिल्डिंग के दुकानदारों को आज होने वाली कार्रवाई की सूचना दी गई। आज सुबह पुलिस बल की मौजूदगी में एक बड़ी क्रेन और एक जेसीबी लगाकर भवन को गिराने की कार्यवाही शुरू हुई। बताया जाता है कि यह भवन कई सालों से जर्जर स्थिति में था लेकिन भवन के नीचे कई सालों से काबिज किराएदारों द्वारा दुकान खाली नहीं की जा रही थी।

तैनात रहे पुलिस और प्रशासन के अधिकारी

मिशन चौक स्थित पुरानी हीरो होंडा एजेंसी के पास भट्ठा मोहल्ला मोड़ पर स्थित अग्रवाल बिल्डिंग को गिराए जाने की कार्रवाई के मद्देनजर प्रशासन की ओर से सुरक्षा के तगड़े इंतजाम किए गए। रंगनाथ नगर थाना प्रभारी सिद्धार्थ राय ने बताया कि बिल्डिंग के आसपास किसी भी तरह की दुर्घटना से बचाव के लिए दोनों तरफ का रास्ता बंद कर दिया गया था। पुलिस द्वारा मौके पर बैरिकेड्स भी लगाए गए। बिल्डिंग को गिराए जाने के दौरान सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए क्षेत्र में विशेष सतर्कता बरती गई। राहगीरों और वाहन चालकों को वैकल्पिक मार्ग से निकाला गया।

बुजुर्ग और पत्रकार की मौत

विदित हो कि कुछ समय पहले ही यहां एक बुजुर्ग की मौत हो गई थी। बुजुर्ग जब निस्तार के लिए जा रहे थे, इसी दौरान जर्जर भवन का बारजा गिर गया था और इसके मलमे में दबकर बुजुर्ग की मौत हो गई थी। कुछ साल पहले भी पत्रकार अवधेश सिंह की बिल्डिंग से नीचे गिरने से मौत हो गई थी।

बच्चों की कल्पना में दिखा वन्यजीव संरक्षण का संदेश

निबंध और चित्रकला में उभरा मानव-वन्यजीव सह-अस्तित्व का विचार

कटनी (स्वतंत्रमत)

वन्यप्राणी सप्ताह के समापन अवसर पर विद्यार्थियों की रचनात्मकता के साथ वन्यजीव संरक्षण का संदेश भी सामने आया। वन परिक्षेत्र कटनी के तत्वावधान में शासकीय उत्कृष्ट उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, माधवनगर में निबंध एवं चित्रकला प्रतियोगिता आयोजित की गई। विद्यार्थियों ने अपनी रचनाओं के जरिए वन्यप्राणियों के संरक्षण, जैव विविधता और मानव-वन्यजीवों के बीच संतुलित सह-अस्तित्व की जरूरत को प्रभावी ढंग से प्रस्तुत किया। वन मंडल अधिकारी गर्वित गंगवार एवं पूर्व उप वन मंडल अधिकारी जगदीश वासपे के निर्देशन में 1 से 7 अक्टूबर तक आयोजित वन्यप्राणी सप्ताह के दौरान विद्यार्थियों और आमजन को वन्यजीव संरक्षण के प्रति जागरूक करने के लिए विभिन्न गतिविधियां आयोजित की गईं। निबंध प्रतियोगिता में 'मानव वन्यजीव सह-अस्तित्व : चुनौतियां एवं संभावनाएं' विषय पर विद्यार्थियों ने मानव वन्यजीव संघर्ष की वजहों, संरक्षण की चुनौतियों और समाधान की संभावनाओं पर अपने विचार रखे। वहीं चित्रकला प्रतियोगिता में बाघ, तेंदुआ, हिरण सहित विभिन्न वन्यप्राणियों और उनके प्राकृतिक आवास को कागज पर उकेरकर जैव विविधता संरक्षण का संदेश दिया। प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय पुरस्कार के रूप में शील्ड और प्रमाण-पत्र प्रदान कर समानित किया गया। वन विभाग के अधिकारियों-कर्मचारियों ने विद्यार्थियों को वन्यप्राणियों की पारिस्थितिकी में भूमिका, जैव विविधता, वन्यप्राणी संरक्षण कानून और मानव-वन्यजीव संघर्ष कम करने में जनभागीदारी की जानकारी दी। विद्यार्थियों को संरक्षण का संदेश अपने परिवार और समाज तक पहुंचाने के लिए प्रेरित किया गया। कार्यक्रम में विद्यालय की प्राचार्य संध्या बेन सहित शिक्षक डॉ. रामपद तिवारी, रमेश कुमार पटेल, राम सिंह बागरी, डॉ. परवीन खान, समिधा त्रिपाठी, विक्रम चतुर्वेदी, डॉ. असीम कुमार दत्ता, विजय कुमार कर, विनीत झारिया, उमेश लोधी एवं शैलजा तिवारी का सहयोग रहा। वन परिक्षेत्र कटनी का स्टाफ भी उपस्थित रहा। प्रतियोगिता के माध्यम से विद्यार्थियों की प्रतिभा को मंच मिलने के साथ उनमें प्रकृति और वन्यजीवों के प्रति संवेदनशीलता विकसित करने का प्रयास किया गया। आयोजन का संदेश यही रहा कि वन्यजीवों की सुरक्षा केवल वन विभाग की जिमेदारी नहीं, बल्कि प्रकृति के साथ संतुलित जीवन के लिए समाज की साझा जिमेदारी है।

स्मृति हिंदी वाद-विवाद प्रतियोगिता में सायना के अभिजीत का उत्कृष्ट प्रदर्शन

कटनी (स्वतंत्रमत)। महाराज माधवराव सिंधिया की स्मृति में द सिंधिया स्कूल ग्वालियर में राष्ट्रीय स्तर की हिंदी वाद-विवाद प्रतियोगिता का आयोजन किया गया जिसमें सायना के हिन्दी शिक्षक दिलीप कुमार झा के मार्गदर्शन में सायना के तीन प्रतिभागी सागर मिश्रा, अभिजीत तिवारी और समर्थ गुप्ता ने भाग लेते हुए आक्सफोर्ड, टर्न-कोर्ट और कैंब्रिज पद्धति से तर्क देते हुए अपने विचार साझा किए। जिसमें छात्र अभिजीत तिवारी ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए प्रतिवाद में प्रथम स्थान प्राप्त कर सर्वश्रेष्ठ वक्ता का खिताब जीता । साथ ही सुनो कहानी प्रतियोगिता में द्वितीय एवं बुनो कहानी प्रतियोगिता में तृतीय स्थान प्राप्त कर संस्था का मान बढ़ाया है। छात्र की इस सफलता पर प्राचार्य डॉ आदित्य कुमार शर्मा ने प्रात: कालीन प्रार्थना सभा में बधाई देते हुए कहा कि ऐसी प्रतियोगिताएं विद्यार्थी के अभिव्यक्ति व चिंतन कौशल को प्रदर्शित करने के

साथ उसके आत्मविश्वास को बढ़ाती हैं। बच्चों को अभिभावकों सहित समस्त स्टाफने शुभकामनाएँ दी हैं।

लोकतंत्र की रक्षा के लिए कलेक्ट्रेट पर गरजी कांग्रेस

कटनी (स्वतंत्रमत)। एडवोकेट अमित शुक्ला जिला कांग्रेस कमेटी शहर अध्यक्ष कटनी के मार्गदर्शन में भारतीय लोकतंत्र और संविधान की रक्षा के संकल्प के साथ जिला कांग्रेस कमेटी कटनी द्वारा गुरुवार को कलेक्ट्रेट कार्यालय में जोरदार धरना प्रदर्शन किया गया। राहुल गांधी, प्रियंका गांधी एवं इंडिया ब्लॉक के सांसदों के साथ किए गए दुर्व्यवहार तथा निर्वाचन आयोग की कार्यप्रणाली को लेकर कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने विरोध दर्ज कराया और निर्वाचन आयोग से जवाबदेही की मांग उठाई। धरना प्रदर्शन के दौरान ज्ञानेश कुमार हटाओ देश बचाओ के नारे लगाए कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने कहा कि लोकतंत्र में सवाल पूछना अपराध नहीं, बल्कि संवैधानिक अधिकार है। जनता के वोट की पारदर्शिता और निष्पक्ष चुनाव

व्यवस्था पर उठ रहे सवालों का जवाब देना निर्वाचन आयोग की जिम्मेदारी है। कांग्रेस ने कहा कि लोकतांत्रिक संस्थाओं की विश्वसनीयता से कोई समझौता स्वीकार नहीं किया जाएगा। जनता के मत की ताकत को कमजोर करने की किसी भी कोशिश का कांग्रेस लोकतांत्रिक तरीके से विरोध करेगी। इस दौरान कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने लोकतंत्र और संविधान के समर्थन में नारेबाजी करते हुए अपना विरोध दर्ज कराया। प्रदर्शन में बड़ी संख्या में कांग्रेस पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे। प्रमुख रूप से उपस्थित रहे, राकेश जैन कक्का, राजेश जाटव, अजय जैसवानी, जितेन्द्र गुप्ता, आफताब अहमद चोखे, भाई मंजू निषाद, मंगल सिंह, दिग्विजय सिंह, संजय गुप्ता, रमेश अहिरवार, अहमद कुरैशी, जितेंद्र सिंह, रमेश मिश्रा, हरीश आहूजा, राजकुमार विश्वकर्मा, सुशील जायसवाल, श्याम यादव, सचिन गर्ग, इमरान खान, दिलदार खान, अंशु गुप्ता, मुकेश बर्मन, हर्षित मिश्रा एवं मो. फरीद सहित बड़ी संख्या में कांग्रेसजन उपस्थित रहे। कांग्रेस ने कहा कि यह संघर्ष लोकतंत्र की रक्षा, संविधान की मजबूती और प्रत्येक मतदाता के सम्मान के लिए है।

निवार तिराहा पर मारपीट एवं घर में घुसकर हमला करने वाले 7 आरोपी गिरफ्तार

कटनी (स्वतंत्रमत)। पुलिस अधीक्षक जिला कटनी अभिनय विश्वकर्मा के निर्देशन एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक कमल मौर्य के मार्गदर्शन में जिले में अपराधियों के विरुद्ध प्रभावी एवं त्वरित कार्रवाई हेतु लगातार अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में थाना स्लीमनाबाद पुलिस द्वारा मारपीट, घर में घुसकर हमला करने एवं जान से मारने की धमकी देने के प्रकरण में 7 आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है। घटना का विवरण- दिनांक 29 सितम्बर को फरियादी अरविन्द कुमार बसोर, निवासी ग्राम मटवारा, थाना स्लीमनाबाद, अपने वाहन क्रमांक एमपी 20-एक्सए 6763 में रद्दी लोड कर निवार पहाड़ी स्थित अपनी मौसी के घर गया था। शाम करीब 7 बजे वहां से मटवारा वापस जाते समय निवार तिराहा के पास उसकी गाड़ी से एक स्कूटी टकरा गई। स्कूटी टकराने के बाद मौके पर मौजूद लोगों ने फरियादी को रोक लिया तथा उसके साथ हाथ-मुक्का एवं लाठी से मारपीट की। एक व्यक्ति द्वारा नुकीली वस्तु दिखाकर भयभीत किए जाने पर फरियादी वहां से अपनी गाड़ी लेकर निकल गया। आरोपियों द्वारा उसका पीछा करते हुए गाली-गलौज एवं जान से मारने की धमकी दी गई। डर के कारण फरियादी द्वारा वाहन तेज गति से चलाने के दौरान उसकी गाड़ी सड़क पर खड़ी गाय से टकरा गई। इसके बाद फरियादी अपने घर मटवारा पहुंचा, जहां

आरोपियों द्वारा उसका पीछा करते हुए घर में घुसकर पुन: मारपीट की गई। मारपीट में फरियादी के शरीर के विभिन्न हिस्सों में चोटें आईं। बीच-बचाव करने पहुंची उसकी मां शांति बाई बसोर के साथ भी आरोपियों द्वारा मारपीट की गई, जिससे उसे भी चोटें आईं। घटना के दौरान आरोपियों द्वारा फरियादी एवं उसके परिवार को जान से खत्म करने की धमकी दी गई। फरियादी द्वारा दिनांक 1 अक्टूबर को आवेदन प्रस्तुत करने पर प्रथम दृष्टया अपराध क्रमांक 1056/2026ए धारा 331(2), 296(बी), 115(2), 351(3), 3(5) बीएनएस के तहत अज्ञात आरोपियों के विरुद्ध प्रकरण पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया।

एसपी श्री विश्वकर्मा ने देर शाम कुठला थाने का किया औचक निरीक्षण

कटनी (स्वतंत्रमत)। पुलिस अधीक्षक अभिनय विश्वकर्मा ने बुधवार देर शाम थाना कुठला का औचक निरीक्षण कर रात्रिकालीन ड्यूटी व्यवस्था एवं पुलिसकर्मियों की सतर्कता का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान एसपी ने ड्यूटी पर तैनात पुलिस अधिकारियों एवं कर्मचारियों की उपस्थिति, ड्यूटी व्यवस्था, सतर्कता तथा कार्यप्रणाली की जानकारी ली। एसपी विश्वकर्मा ने रात्रिकालीन पुलिस गश्त व्यवस्था की समीक्षा करते हुए संवेदनशील एवं महत्वपूर्ण क्षेत्रों में प्रभावी निगरानी बनाए रखने के निर्देश दिए। उन्होंने आगामी दुर्गा पूजा, दशहरा एवं दीपावली पर्वों के दृष्टिगत पुलिस बल को विशेष सतर्कता बरतने तथा क्षेत्र में लगातार भ्रमण एवं प्रभावी पेट्रोलिंग सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। एसपी ने कहा कि

रात्रि के समय पुलिस की सक्रियता अपराध नियंत्रण एवं कानून-व्यवस्था बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। उन्होंने ड्यूटी के दौरान किसी भी प्रकार की लापरवाही नहीं बरतने, संदिग्ध व्यक्तियों एवं गतिविधियों पर पैनी नजर रखने तथा किसी भी अप्रिय स्थिति की सूचना मिलने पर त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

हर्षोल्लास एवं भव्यता के साथ मनाये जायेंगे सभी पर्व और त्यौहार

जनप्रतिनिधियों, समाजसेवियों और शांति समिति के सदस्यों ने दिये कई महत्वपूर्ण सुझाव

कटनी (स्वतंत्रमत)

सभी पर्वों और त्यौहारों को अमन, शांति, सौहार्द और भाईचारे के साथ मनाने की जिले की गौरवशाली परंपरा के मुताबिक इस साल भी पर्वों व त्यौहारों को हर्षोल्लास से मनाया जायेगा। सर्वसम्मति से यह निर्णय मंगलवार को कलेक्टर आशीष तिवारी की अध्यक्षता में आयोजित जिला शांति समिति की बैठक में हुआ। बैठक में नवरात्रि, जवारा विसर्जन, दशहरा, दीपावली, गोवर्धन पूजा, गुरूनानक जयंती के आयोजन के मद्देनजर पुलिस कंट्रोल रूम में आयोजित बैठक में पुलिस अधीक्षक, अभिनय विश्वकर्मा, निगमायुक्त तपस्या परिहार, अपर कलेक्टर नीलांबर मिश्र, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक कमल मौर्य, एसडीएम कटनी श्री जितेन्द्र पटेल, डिप्टी कलेक्टर एवं एसडीएम विजयराघवगढ़ प्रमोद चतुर्वेदी, जिला भाजपा अध्यक्ष दीपक टंडन

सोनी, जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष अमित शुक्ला, अमर ताम्रकार, नवनीत गुप्ता सहित पुलिस, प्रशासन, बिजली व नगरनिगम के अधिकारी मौजूद रहे। इस वर्ष 19 अक्टूबर को जवारा विसर्जन और 20 अक्टूबर को महाआरती के बाद शाम से दुर्गा प्रतिमाओं का विसर्जन किया जाएगा। इन सबके व्यवस्थित आयोजन को देखते हुये कलेक्टर श्री तिवारी ने नगर निगम को शहर की सड़कों की मरम्मत कर सुधार करने व प्रतिमा विसर्जन मार्गों में स्वचलित शौचालय और पेयजल की समुचित व्यवस्था करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि प्राप्त सुझाव के मुताबिक सभी प्रतिमायें तय क्रम और मार्ग से ही निकलेंगी। साथ ही कलेक्टर श्री तिवारी ने जवारा विसर्जन और नवरात्रि में प्रतिमाओं के विसर्जन हेतु समाजसेवियों, समितियों के प्रबंधकों और पदाधिकारियों से जिला प्रशासन व पुलिस के साथ सहयोग का आव्हान करते हुये बिजली विभाग के अधिकारियों को विसर्जन मार्गों में झूलते व लटकतें तथा कम ऊँचाई के बिजली के तारों को समय पर सुव्यवस्थित करने के निर्देश दिए। ताकि किसी भी प्रकार की अनहोनी से बचा जा सके। कलेक्टर ने शांति समिति के सदस्यों को त्यौहारों में पुख्ता व मजबूत कानून व्यवस्था के प्रति आश्वस्त किया। दुर्गा समितियां प्रतिमा स्थापना के पूर्व ही पंडाल के लिए अस्थाई विद्युत कनेक्शन प्राप्त कर लेंवे। कलेक्टर ने सभी अनुविभाग व पुलिस थाना स्तर पर भी स्थानीय जनप्रतिनिधियों को दुर्गा समितियों की पुलिस व प्रशासन के अधिकारियों के साथ बैठक आयोजित करने के निर्देश दिए। पुलिस अधीक्षक विश्वकर्मा ने कहा कि बेहतर ट्राफिक व्यवस्था के साथ पूरे जुलूस मार्ग में सीसीटीव्ही कैमरे लगे रहेंगे। साथ ही प्रत्येक विसर्जन स्थल पर भी सीसीटीव्ही लगाया जाएगा। एसपी ने कहा कि पुलिस बल और सीमित संसाधनों के बाद भी बेहतर कानून व्यवस्था प्रदान की जायेगी। उन्होंने सभी समितियों से आग्रह किया गया है कि वे युवाओं को संयम के साथ त्यौहार मनाने के लिए प्रेरित करें। ताकि लोगों को किसी प्रकार से असुविधा न हो। इको फ्रेंडली मिट्टी की दुर्गा प्रतिमायें स्थापित की जाय। प्रतिमा विसर्जन एवं पंडाल हेतु डीजे पूर्णत: प्रतिबंधित रहेगा। ध्वनि विस्तारक यंत्र के उपयोग हेतु संबंधित क्षेत्र के एसडीएम, एसडीओपी, सीएसपी या पुलिस थाना से अनुमति प्राप्त करनी होगी। आजाद चौक से झंडा बाजार जुलूस मार्ग में तीन और 4 पहिया वाहनों को प्रतिबंधित करने का भी प्रस्ताव मिला।

अमाड़ी से बनहरा कब्जा की गई भूमि तक पैदल मार्च करते हुए ट्रैक्टर

कटनी (स्वतंत्रमत)

पूर्व घोषित कार्यक्रम के तहत लोकतांत्रिक समाजवादी पार्टी का खूंटा गाड़ो खेत जोतो के तहत अमाड़ी में ग्रामीण इकट्ठा होकर अमाड़ी से बनहरा कब्जा की गई भूमि तक पैदल मार्च करते हुए ट्रैक्टर लेकर खेत पहुंचे और अपना विरोध प्रदर्शित किया खेत की जुताई की साथ ही पटवारी हल्का नंबर 13 और 14 की पटवारी जिसने पूर्व नाप की जाकर पंचनामा बनाया गया था को गायब कर दिया गया था जिससे व्यथित होकर आंदोलनकारियो ने पटवारी का खेत पर ही पुतला दहन किया और खेत की जुताई की साथ ही मौके पर तहसीलदार बड़वारा पहुंचे और उन्होंने हमारा ज्ञापन लिया इसमें ग्राम पंचायत अमाड़ी एवं बनेहरा के प्रस्ताव जिसमें उक्त कब्जा की गई भूमि में खेल मैदान एवं जानवरों के चरने के लिए मांग की गई थी तहसीलदार बड़वारा को

सौपा गया तहसीलदार बड़वारा ने आस्वस्थ किया धान की फसल काटने के तत्काल बाद कब्जा की गई भूमियों की नाप कराकर नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। बडवारा तहसील के ग्राम बनहरा प.ह.न.13 की खसरा नबर 1,2,4,6,7,9,11,12/1,12/2 मे लगभग 10 एकड़ जमीन जो शासकीय भूमि है जांच में कब्जा मनु नार्ला का पाया गया उक्त शासकीय भूमि ग्राम के सार्वजनिक उपयोग जानवर चरने एवं ग्राम के बच्चों के खेल मैदान के प्रयोजन के लिए संरक्षित किये जाने की कृपा की जाये।

कार्यालय नगरपालिक निगम, कटनी (म.प्र.)

क्रमांक /2195/ लो.नि.वि./निर्माण/2026 — कटनी, दिनांक 29-09-2026

द्वितीय निविदा आमंत्रण सूचना

निम्नलिखित कार्य हेतु केन्द्रीयकृत प्रणाली में पंजीकृत ठेकेदारों से ऑन लाईन निविदायें आमंत्रित की जाती हैं। निविदा का विस्तृत विवरण वेबसाईट https:/mptenders.gov.in पर देखी जा सकती हैं।

क्र.	टेण्डर क्रमांक जारी दिनांक	कार्य का नाम	कार्य की समयावधि एवं लागत रुपए में	निविदा प्रपत्र का मूल्य एवं EMD	निविदा की अंतिम तिथि
01.	2026_UAD 540344_1	टी.सी.बजान स्कूल में पालन घर में पेवर ब्लाक फलोरिंग एवं आवश्यक मरम्मत कार्य।	60 Day 4,91,485/-	1000/- 4,914/-	14/10/2026

नोट :- निविदा से संबंधित किसी भी प्रकार के संशोधन का प्रकाशन ऑनलाईन https://mptenders.gov.in की वेबसाईट पर ही किया जाएगा। पृथक से समाचार पत्र में प्रकाशन नहीं किय जाएगा।

कार्यपालन यंत्री
नगरपालिक निगम, कटनी

क्वार्टर फाइनल में, रत्वानोक इंतानोन से भिड़ेंगी पीवी सिंधु

आर्कटिक ओपन बैडमिंटन टूर्नामेंट, रीको गुंजी को 21-15, 21-15 से हराया

वांता

दो बार की ओलंपिक मेडलिस्ट पीवी सिंधु ने गुरुवार को फ़िनलैंड के वांता में जापान की रीको गुंजी को हराकर आर्कटिक ओपन बैडमिंटन टूर्नामेंट के महिला सिंगल्स क्वार्टर-फ़ाइनल में जगह बनाई। बीडब्ल्यूएफ सुपर 500 बैडमिंटन इवेंट में छठी सीड वाली सिंधु ने 49 मिनट में रीको गुंजी को 21-15, 21-15 से हराकर क्वार्टर-फाइनल में जगह बनाई, जहाँ उनका मुकाबला टॉप सीड और पूर्व वर्ल्ड चैंपियन थाईलैंड की रत्वानोक इंतानोन से होगा। जापानी शटलर के खिलाफ शुरुआती गेम काफी कड़ा था, दोनों खिलाड़ी 15-15 से बराबर थीं, लेकिन सिंधु ने लगातार छह पॉइंट बनाकर बढ़त बना ली। दूसरे गेम में भी यही पैटर्न रहा। स्कोर 13-13 से बराबर था, लेकिन भारतीय बैडमिंटन खिलाड़ी ने आखिर में फिर से अच्छा प्रदर्शन किया और अगले 10 में से आठ पॉइंट जीतकर मुकाबला अपने नाम कर लिया। शुक्रवार को पीवी सिंधु और रत्वानोक इंतानोन के बीच होने वाला मैच इन दोनों स्टार खिलाड़ियों के बीच चार साल से ज़्यादा समय में पहली बार होगा। थाई शटलर अपने हेड-टू-हेड रिकॉर्ड में 9-4 से आगे हैं और

उन्होंने अपने पिछले पाँच मैच जीते हैं। उनका सबसे हालिया मुकाबला इंडोनेशिया मास्टर्स 2022 के क्वार्टर-फ़ाइनल में हुआ था, जहाँ रत्वानोक ने 21-12, 21-10 से जीत हासिल की थी। दोनों खिलाड़ियों ने इस सीज़न में बीडब्ल्यूएफ वर्ल्ड टूर टाइटल जीते हैं। सिंधु ने जुलाई में जापान ओपन सुपर 750 जीता था, जिसमें उन्होंने फ़ाइनल में मौजूदा वर्ल्ड चैंपियन अकाने यामागुची को हराया था। रत्वानोक का सबसे हालिया टाइटल मई में मलेशिया मास्टर्स सुपर 500 में आया था, जहाँ उन्होंने फ़ाइनल में पीपल्स रिपब्लिक ऑफ़ चाइना की चेन यूफ़ेई को हराया था।

शुरुआती गेम में दी कड़ी टक्कर

रत्वानोक ने आर्कटिक ओपन क्वार्टर-फ़ाइनल में अपनी जगह पक्की की, तन्वी शर्मा को 34 मिनट में 21-18, 21-7 से हराकर, आखिरी आठ में किसी भी भारतीय के मुक़ाबले को रोक दिया। तन्वी, जिन्होंने अगस्त में ताइपे ओपन सुपर 300 में अपना पहला बीडब्ल्यूएफ वर्ल्ड टूर टाइटल जीता था, ने शुरुआती गेम में कड़ी टक्कर दी और 17-17 तक रत्वानोक के साथ बराबरी पर रहीं। लेकिन, अनुभवी थाई खिलाड़ी ने आखिरी स्टेज में बढ़त बना ली और गेम 21-18 से जीत लिया। दूसरा गेम ज़्यादा एकतरफ़ा रहा। रत्वानोक ने लगातार सात पॉइंट बनाकर 9-2 की बढ़त बना ली और इंटरवल के बाद भी कंट्रोल में रहकर मैच आराम से जीत लिया। पुरुषों के सिंगल्स में, थारुन मन्नेपल्ली राउंड ऑफ़ 16 में फ्रांस के दूसरे सीड क्रिस्टो पोपोव से 21-14, 21-19 से हारकर बाहर हो गए। भारतीय खिलाड़ी, जो पहले राउंड में डेनमार्क के मैग्नस जोहानसन को हराने से पहले क्वालिफ़ाइंग से आए थे, 50 मिनट में हार गए। थारुन की हार के साथ सुपर 500 टूर्नामेंट में भारत की पुरुष सिंगल्स चुनौती खत्म हो गई। किदांबी श्रीकांत, एचएस प्रणय और रौनक चौहान सभी ने बुधवार को पहले राउंड में क्वालिफ़ाई किया था। भारत पुरुष डबल्स में मुकाबले में बना हुआ है, जिसमें कृष्ण प्रसाद गरागा और पृथ्वी कृष्णमूर्ति रॉय का मुकाबला गुरुवार को राउंड ऑफ़ 16 में इंग्लैंड के ओलिवर बटलर और सैमुअल जोन्स से होगा।

अंडर-19 एशिया कप : भारत - पाकिस्तान 8 नवंबर को भिड़ेंगे

8 टीमों के बीच 5 नवंबर से टूर्नामेंट, ओमान में सभी 15 मैच खेले जाएंगे

नई दिल्ली

एशियन क्रिकेट काउंसिल ने अंडर-19 एशिया कप 2026 का शेड्यूल जारी कर दिया है। टूर्नामेंट 5 नवंबर से ओमान में शुरू होगा और 14 नवंबर को फाइनल खेला जाएगा। इस बार 8 टीमें खिताब के लिए उतरेंगी और सभी मुकाबले मस्कट स्थित ओमान क्रिकेट अकादमी के ग्राउंड-1 और ग्राउंड-2 पर खेले जाएंगे। भारत अपने अभियान की शुरुआत 6 नवंबर को नेपाल के खिलाफ करेगी। इसके दो दिन बाद 8 नवंबर को पाकिस्तान से मुकाबला होगा। ग्रुप स्टेज में भारत का

आखिरी मैच 10 नवंबर को यूएई के खिलाफ होगा। टूर्नामेंट 50-ओवर फॉर्मेट में होगा और कुल 15 मुकाबले खेले जाएंगे। भारत को ग्रुप-1 में पाकिस्तान, यूएई और नेपाल के साथ रखा गया है। वहीं ग्रुप-बी में बांग्लादेश, अफगानिस्तान, श्रीलंका और मलेशिया शामिल हैं। टूर्नामेंट का पहला मुकाबला 5 नवंबर को श्रीलंका -यू19 और मलेशिया -यू19 के बीच होगा। इसी दिन ग्रुप-बी में बांग्लादेश और अफगानिस्तान की टीमें भी आमने-सामने होंगी।

दोनों मुकाबले सुबह 10:30 बजे शुरू होंगे। श्रीलंका-मलेशिया मैच ह्ष्ट्र ग्राउंड-2 और बांग्लादेश-अफगानिस्तान मैच ओसीए ग्राउंड-1 पर खेला जाएगा।पाकिस्तान मौजूदा चैंपियन है। पिछले सीजन के फाइनल में पाकिस्तान ने भारत को 191 रन से हराकर खिताब जीता था। यह पाकिस्तान का अंडर-19 एशिया कप में दूसरा खिताब था।

रबाडा डरबन टेस्ट से बाहर

तीन साल बाद नॉर्ख़िये की टेस्ट में वापसी

डरबन। कगिसो रबाडा शुक्रवार को डरबन में शुरू होने वाले दक्षिण अफ्रीका के ऑस्ट्रेलिया के ख़िलाफ़ पहले टेस्ट से आधिकारिक तौर पर बाहर हो गए हैं। रबाडा को विंटर ट्रेनिंग के दौरान हैमस्ट्रिंग में चोट लगी थी और मई के अंत में आईपीएल के बाद से उन्होंने कोई मैच नहीं खेला है। उन्होंने पिछले साल अक्टूबर में पाकिस्तान दौरे के बाद से कोई टेस्ट भी नहीं खेला है। रबाडा ने टेस्ट सीरीज़ से पहले गेंदबाज़ी में वापसी ज़रूर की थी और वीकेंड पर दक्षिण अफ्रीका के इंट्रा-स्क्वाड ट्रेनिंग मैच में हिस्सा भी लिया था। इसके बाद गुरुवार को किंग्समीड में उन्होंने एक और ट्रेनिंग सेशन किया। हालांकि, दक्षिण अफ्रीका ने उन्हें आठ टेस्ट वाले घरेलू सीज़न से पहले पूरी तरह मैच-फ़िट होने के लिए थोड़ा और समय देने का फ़ैसला किया है। दक्षिण अफ्रीका के कप्तान टेम्बा बवूमा ने कहा, हमने थोड़ा सतर्क रुख़ अपनाया और उन्हें कुछ अतिरिक्त दिन देने का फ़ैसला किया, ताकि वह 100 प्रतिशत फ़िटनेस के जितना क़रीब पहुंच सकें। हालांकि, उन्होंने यह नहीं बताया कि 18 अक्टूबर से शुरू होने वाले दूसरे टेस्ट के लिए रबाडा की वापसी तय है या नहीं। बवूमा ने कहा, हमें अपनी मेडिकल टीम पर भरोसा है कि वह उन्हें उस स्थिति में पहुंचा देगी, जहां हम उन्हें चाहते हैं। लेकिन उन्होंने अभी आधिकारिक तौर पर कगिसो को हमारे हवाले नहीं किया है। वह अभी मेडिकल टीम की निगरानी में हैं। जैसे ही उन्हें हरी झंडी मिलती है, हम उम्मीद करते हैं कि वह प्लेइंग इलेवन का हिस्सा होंगे। रबाडा की ग़ैरमौजूदगी में दक्षिण अफ्रीका ने ऐसी इलेवन चुनी है जिसमें एनरिख़ नॉर्खिये शामिल हैं। नॉर्खिये मार्च 2023 के बाद पहली बार टेस्ट खेलेंगे। नॉर्खिये अब सीएसए के सेंट्रल कॉन्ट्रैक्ट का हिस्सा नहीं हैं और अप्रैल 2023 के बाद से किसी मैच में उन्होंने आठ ओवर से ज़्यादा गेंदबाज़ी नहीं की है। हालांकि, डरबन में नेट्स पर वह प्रभावशाली रहे हैं और बुधवार को उनकी रफ़्तार ख़ास तौर पर शानदार रही, जिसके बाद टीम में उनकी जगह पक्की हुई। गुरुवार के वैकल्पिक ट्रेनिंग सेशन में दक्षिण अफ्रीका के ज़्यादातर खिलाड़ी पहुंचे। सिर्फ़ बवूमा, महाराज, बॉश और रायन रिकलटन ट्रेनिंग से ग़ैरहाज़िर रहे।

धनंजय डी सिल्वा ने छोड़ी श्रीलंका की टेस्ट कप्तानी

कोलंबो। श्रीलंका के धनंजय डी सिल्वा ने टेस्ट कप्तानी छोड़ दी है। 35 साल के धनंजय ने गुरुवार को श्रीलंका क्रिकेट की चयन समिति को पत्र भेजकर अपने फैसले की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि अब टीम की जिम्मेदारी अगली पीढ़ी को सौंपने का समय है। धनंजय के कप्तानी छोड़ने के कुछ ही घंटे बाद श्रीलंका क्रिकेट ने कुसल मेंडिस को नया टेस्ट कप्तान बना दिया। धनंजय ने जनवरी 2024 में दिमुथ करुणारत्ने की जगह श्रीलंका की टेस्ट कप्तानी संभाली थी। उन्होंने 2024 से 2026 के बीच 18 टेस्ट में टीम की कप्तानी की, जिसमें श्रीलंका ने 7 मैच जीते, 8 हारे और 3 मुकाबले ड्रॉ रहे। कप्तान के तौर पर उन्होंने 36.45 की औसत से 1,130 रन बनाए और 9 विकेट भी लिए।धनंजय ने श्रीलंका के लिए अपना आखिरी टेस्ट बतौर कप्तान भारत के खिलाफ खेला था। 23 से 27 अगस्त तक खेले गए इस मुकाबले में उन्होंने 8 और 23 रन बनाए थे। कुल टेस्ट करियर की बात करें तो धनंजय ने 69 टेस्ट में 4,400 से ज्यादा रन बनाए हैं।

हरमनजोत सिंह और लिली दास वेदांता दिल्ली हाफ मैराथन में भारतीय एलीट फील्ड लेंगे हिस्सा

नयी दिल्ली।

वेदांता दिल्ली हाफ मैराथन के प्रमोटर, प्रोकैम इंटरनेशनल ने गुरूवार को 18 अक्टूबर को यहां आयोजित होने वालर वर्ल्ड एथलेटिक्स गोल्ड लेबल रोड रेस के 21वें संस्करण के लिए भारतीय एलीट फील्ड की घोषणा की। इस फील्ड में 22 पुरुष और 20 महिला धावकों में हरमनजोत सिंह, किरण मात्रे और लिली दास मुख्य रुप से शामिल हैं। टीसीएस वर्ल्ड 10के बेंगलुरु 2026 के मौजूदा भारतीय एलीट चैंपियन और 2026 एशियन क्रॉस कंट्री चैंपियनशिप के रजत पदक विजेता हरमनजोत 18 अक्टूबर को वेदांता दिल्ली हाफ मैराथन में अपना पदार्पण करेंगे। वह इस रेस के मजबूत दावेदारों में से है। इस अवसर पर हरमनजोत सिंह ने कहा, इस साल बेंगलुरु में जीत और एशियन क्रॉस कंट्री में रजत पदक जीतने से मुझे दिल्ली की रेस के लिए काफी आत्मविश्वास

मिला है। वेदांता दिल्ली हाफ मैराथन देश की सबसे कठिन रेसों में से एक है, जहां का मुकाबला आपको अपनी सीमाओं को चुनौती देने के लिए प्रेरित करता है। मैं हाफ मैराथन की दूरी पर बेहतरीन एलीट धावकों के साथ खुद को परखने के लिए उत्सुक हूँ। रेस के दिन मैं अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करूंगा।

किरण मात्रे, जो पिछले साल वेदांता दिल्ली हाफ मैराथन में भारतीय एलीट पुरुषों में दूसरे स्थान पर रहे थे और उसी रेस में 1:04:57 का अपना निजी सर्वश्रेष्ठ समय दर्ज किया था, वे अपने घरेलू मैदान पर उस प्रदर्शन को और बेहतर बनाने की कोशिश करेंगे। वे टीसीएस वर्ल्ड 10के बेंगलुरु (2024) में भारतीय एलीट रेस के पूर्व विजेता भी हैं, जहां उन्होंने 29:32 का निजी सर्वश्रेष्ठ समय दर्ज किया था। इस जोड़ी को डॉ. कार्तिक कारकेरा से कड़ी टक्कर मिलेगी, जिन्होंने टाटा मुंबई मैराथन 2026 में इंडियन एलीट पुरुष रेस जीती थी और पिछले साल वेदांता दिल्ली हाफ मैराथन में दूसरे रनर-अप रहे थे।

खिलाड़ियों से इनाम में 20 प्रतिशत कमीशन मांग रहे अधिकारी!

नई दिल्ली। पैरा एशियन गेम्स के लिए भारतीय दल के सिलेक्शन पर भ्रष्टाचार के आरोप लगे हैं। एशिया के नंबर-1 और नंबर नंबर-3 पिस्टल शूटर आकाश और संदीप कुमार ने दावा किया है कि- अधिकारियों ने उनसे कहा कि अगर इवेंट में मेडल आता है और सरकार उस पर इनाम देती है तो 20 प्रतिशत रकम कमीशन के दौर पर देनी होगी। शूटर्स ने बताया कि पैरालंपिक कमेटी ऑफ इंडिया के अधिकारियों और शूटिंग टेक्निकल कमेटी के सदस्य कमीशन मांगने वाले लोगों में शामिल हैं। शूटर्स ने क्वॉलिफाइंग स्कोर में हेरफेर और चयन समिति में बदलाव किए जाने के आरोप भी लगाए हैं। खिलाड़ियों ने एसएआई महानिदेशक से पूरे मामले की जांच की मांग की है। पांचवें पैरा एशियन गेम्स 18 से 14 अक्टूबर तक जापान के आइची-नागोया में होना है। यहीं 20वें एशियन गेम्स भी हुए हैं। शूटर्स ने दावा किया कि भारत को मिले 15 अंतर्राष्ट्रीय कोटा स्थानों में से दो का इस्तेमाल नहीं किया गया।

शेयर बाजारों में लगातार दूसरे दिन बिकवाली

सेंसेक्स 32 महीने के निचले स्तर पर

मुंबई

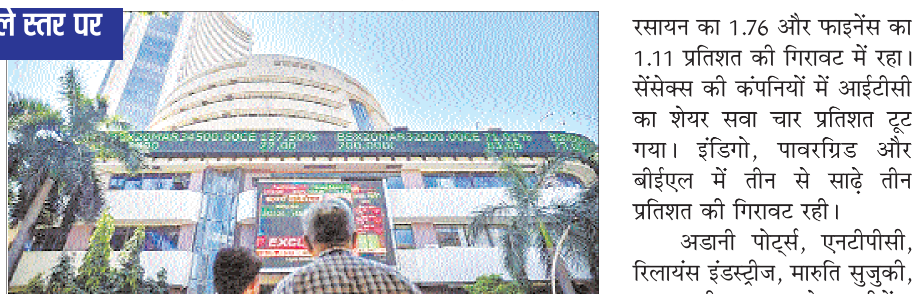

विदेशों से मिले नकारात्मक संकेतों और कच्चे तेल में तेजी से गुरुवार को घरेलू शेयर बाजारों में

बड़ी गिरावट रही और बीएसई का सेंसेक्स एक हजार अंक से ज्यादा टूटकर 32 महीने के निचले स्तर पर बंद हुआ। सेंसेक्स 29.30 अंक की बढ़त के साथ 72,668 अंक पर खुला लेकिन खुलते ही लाल निशान में चला गया। धीरे-धीरे इसकी गिरावट बढ़ती गई। एक समय यह 1,300 अंक से अधिक टूट गया था। अंत में सेंसेक्स 1,045.46 अंक (1.44 प्रतिशत) नीचे 71,593.24 अंक पर रहा जो 13 फरवरी 2024 के बाद का सबसे कम बंद स्तर है। लगभग सभी प्रमुख विदेशी बाजार आज लाल निशान में रहे। साथ ही कच्चे तेल में चार प्रतिशत की तेजी के कारण भी घरेलू शेयर बाजारों में निवेश धारणा कमजोर रही। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी-50 सूचकांक 371.25 अंक यानी 1.64 प्रतिशत लुढ़ककर 22,231.80 अंक पर रहा। यह 07 अप्रैल 2025 के बाद डेढ़ साल का निचला स्तर है। वृहत बाजार में ज्यादा बिकवाली देखी गई। निफ्टी मिडकैप-50 सूचकांक 2.71 प्रतिशत और स्मॉलकैप-100 सूचकांक 2.34 प्रतिशत उतर गया।

चौतरफा बिकवाली के बीच धातु समूह का सूचकांक 3.55 प्रतिशत, रियल्टी का 3.16, मीडिया समूह का 2.79, तेल एवं गैस का 2.52, ऑटो समूह का 2.49, स्वास्थ्य का 2.33, फार्मा का 2.32, एफएमसीजी का 2.02, टिकाऊ उपभोक्ता उत्पाद का 1.98, रसायन का 1.76 और फाइनेंस का 1.11 प्रतिशत की गिरावट में रहा। सेंसेक्स की कंपनियों में आईटीसी का शेयर सवा चार प्रतिशत टूट गया। इंडिगो, पावरग्रिड और बीईएल में तीन से साढ़े तीन प्रतिशत की गिरावट रही।

अडानी पोर्ट्स, एनटीपीसी, रिलायंस इंडस्ट्रीज, मारुति सुजुकी, टाटा स्टील, अल्ट्राटेक सीमेंट, एलएंडटी और भारती एयरटेल के शेयर दो से तीन प्रतिशत तक चढ़े। एशियन पेंट्स, बजाज फाइनेंस, सन फार्मा, एचडीएफसी बैंक, इटरनल, हिंदुस्तान यूनीलिवर, भारतीय स्टेट बैंक, महिंद्रा एंड महिंद्रा और बजाज फाइनेंस के शेयर एक से दो प्रतिशत तक के नुकसान में रहे। कोटक महिंद्रा बैंक, टीसीएस, टाइटन और ट्रेंट के शेयर भी नीचे रहे।

इंडिगो नोएडा और नवी मुंबई से उदयपुर के लिए शुरू करेगी उड़ान

नयी दिल्ली। देश की प्रमुख विमान सेवा कंपनी इंडिगो नोएडा अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे और नवी मुंबई अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे से उदयपुर के लिए उड़ानें शुरू करेगी। एयरलाइंस ने गुरुवार को बताया कि नोएडा से उदयपुर की उड़ान 25 अक्टूबर से और नवी मुंबई से उदयपुर की उड़ान 15 नवंबर से शुरू होगी। दोनों दैनिक उड़ानें होंगी। एयरलाइंस की प्रेस विज्ञप्ति में बताया गया है कि झीलों के शहर उदयपुर में साल 2025 में 20 लाख घरेलू और 1.6 लाख विदेशी पर्यटक आए थे। इन दोनों नई उड़ानों के शुरू होने अब उदयपुर से सात शहरों के लिए उसकी सीधी सेवा उपलब्ध हो जाएगी। बेंगलुरु, दिल्ली, हैदराबाद, जयपुर और मुंबई पहले से इस सूची में शामिल हैं।

1,600 उपग्रहों और 23 ग्राउंड स्टेशनों के साथ देश के कोने-कोने में पहुंचने की जियो की योजना

नयी दिल्ली। दूरसंचार कंपनी रिलायंस जियो ने करीब 1,600 उपग्रहों और 23 ग्राउंड स्टेशनों के साथ देश के कोने-कोने में अपना नेटवर्क पहुंचाने की योजना बनाई है। कंपनी ने यहां यशोभूमि में चल रहे इंडिया मोबाइल कांग्रेस में इसकी घोषणा की। उसने बताया कि यह योजना अभी प्रस्ताव के चरण में है। इसका लक्ष्य उन इलाकों तक अपना नेटवर्क पहुंचाना है, जहां जमीनी नेटवर्क की पहुंच मुश्किल है। जियो ने इसे सॉवरेन सैटेलाइट कनेक्टिविटी नाम दिया है। ये उपग्रह पृथ्वी की निचली कक्षा में स्थापित किए जाएंगे। कंपनी का विजन डिजाइन, अभियांत्रिकी, एकीकरण और परीक्षण से लेकर परिचालन तक पूरी श्रृंखला पर नियंत्रण भारत में रखने का है। जियो की प्रेस विज्ञप्ति में कहा गया है कि इस योजना में 23 प्रस्तावित ग्राउंड स्टेशन अहम भूमिका निभाएंगे। ये स्टेशन उपग्रह नेटवर्क को देश की जमीन से जोड़ेंगे। साथ ही उपग्रह और जियो के मौजूदा जमीनी नेटवर्क को एक साथ जोड़ने की योजना है। कंपनी देश के छह लाख से अधिक गांवों तक पहुंच का विजन तैयार किया है। दूरदराज के गांव, द्वीपीय इलाके और सीमा पर बनी चौकियां इसके खास फोकस में हैं। इसके अलावा उद्योग, दूरस्थ स्थलों, विमानन, सामुद्रिकी, सरकार, रक्षा और आपदा प्रतिक्रिया में भी इसके इस्तेमाल की संभावना दिखाई गई है। ग्रामीण इलाकों के लिए डायरेक्ट टू डिवाइस कॉलिंग का भी जिक्र है। इस बार इंडिया मोबाइल कांग्रेस की थीम स्केल विदाउट बाउंड्रीज है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुरुवार को इसके 10वें संस्करण का उद्घाटन किया।

सोने के दामों में आई तेजी

नई दिल्ली। सोने के भाव में गुरुवार को तेजी रही। बुलियन मार्केट में सोने के भाव में 250 रुपये की तेजी आई है। सोने का भाव 1,49,000 रुपये पर कारोबार कर रहा है।

कल सोने का भाव 1900 रुपये तक कम हुआ था लेकिन आज इसमें तेजी रही। वहीं, घरेलू वायदा बाजार में सोने की कीमत शुरुआती कारोबार में करीब 0.35 फीसदी बढ़ गई। चांदी में भी मामूली तेजी दिखी। दुनिया में जारी तनाव और सुरक्षित निवेश की मांग बढ़ने से कीमती धातुओं को सपोर्ट मिल रहा है। अगर आप आज सोना या चांदी खरीदने की सोच रहे हैं, तो पहले दिल्ली, यूपी, बिहार, मुंबई, चेन्नई समेत अपने शहर का ताजा रेट जरूर देख लें।रिटेल मार्केट में 24 कैरेट और 22 कैरेट सोने के अलग-अलग रेट होते हैं। 24 कैरेट को सबसे शुद्ध सोना माना जाता है, जबकि 22 कैरेट सोने का इस्तेमाल ज्यादातर ज्वैलरी बनाने में होता है। गुरुवार को 24 कैरेट सोने का भाव 1,49,000 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने का भाव 1,36,580 रुपये प्रति 10 ग्राम रहा। वहीं 999 फाइन सिल्वर का रेट 2,24,130 रुपये प्रति किलो था। चांदी के रेट की बात करें तो मुंबई में 999 फाइन सिल्वर 2,23,720 रुपये प्रति किलो, दिल्ली में 2,23,340 रुपये, बेंगलुरु में 2,23,900 रुपये, कोलकाता में 2,23,430 रुपये, हैदराबाद में 2,24,080 रुपये और चेन्नई में 2,24,380 रुपये प्रति किलो रही।

एयर इंडिया ने टाटा कम्युनिकेशन के साथ मिलकर पेश किया ईजीरोम

नयी दिल्ली

टाटा समूह की विमान सेवा कंपनी एयर इंडिया और संचार प्रौद्योगिकी कंपनी टाटा कम्युनिकेशंस ने गुरुवार को एयर इंडिया ब्रांडेड ट्रैवल सिम ईजीरोम पेश करने की घोषणा की जो अंतरराष्ट्रीय रोमिंग सेवा देता है।

एयर इंडिया ने इसे टाटा कम्युनिकेशंस के साथ मिलकर बनाया गया है। इसे एयर इंडिया के खास वेबपेज पर फिजिकल सिम और ई सिम दोनों के तौर पर खरीदा जा सकता है। यह एयर इंडिया के यात्रियों को विदेश यात्रा के दौरान रोमिंग पर वॉयस और डेटा सर्विस इस्तेमाल करने की सुविधा देता है। दोनों कंपनियों की साझा प्रेस विज्ञप्ति में बताया गया है कि शुरुआती दौर में ईजीरोम सिम नि:शुल्क मिल रहा है, लेकिन

रोमिंग पैक के लिए पैसे देने होंगे। रोमिंग पैक उत्तरी अमेरिका, यूरोप (ब्रिटेन सहित), ऑस्ट्रेलिया, एशिया प्रशांत और पश्चिम एशिया के 30 देशों के लिए उपलब्ध हैं। ये पैक 241 रुपये (कर अलग से) से शुरू होते हैं। इनकी कीमत यात्री जिस देश में जा रहे है और जिस प्लान का चयन कर रहा है उसके हिसाब से अलग-अलग हो सकती है। डेटा प्लान खरीदने वाले ग्राहक एकजीबी तक अतिरिक्त मुफ्त डेटा भी पा सकते हैं। यह सुविधा मालदीव और मॉरीशस को छोड़कर बाकी सभी देशों में मिलेगी। प्रेस विज्ञप्ति में कहा गया है कि ईजीरोम सिम का कवरेज धीरे-धीरे बढ़ाकर 190 देशों तक करने की योजना है। एयर इंडिया के यात्री अपनी यात्रा की जरूरतों के हिसाब से किसी एक देश के लिए या दुनिया भर में काम आने वाले ट्रैवल प्लान चुन सकते हैं। इसमें सिर्फ़ डेटा या वॉयस और डेटा दोनों के विकल्प भी मिलते हैं। टाटा कम्युनिकेशंस में कार्यकारी उपाध्यक्ष (इंटरेक्शन फैब्रिक) विवेक मांगलिक ने कहा कि आज के यात्री चाहते हैं कि उनका यात्रा का अनुभव आसान, त्वरित और सुरक्षित हो। एयर इंडिया के साथ मिलकर कंपनी बुकिंग के समय ही ट्रैवल कनेक्टिविटी की सुविधा दे रही है। इससे ग्राहक यात्रा शुरू करने से पहले ही अपना मोबाइल प्लान चुनकर एक्टिवेट कर सकते हैं और पहुंचते ही ऑनलाइन हो सकते हैं। दोनों कंपनियां साथ मिलकर इंटरनेशनल कनेक्टिविटी को आसान, अधिक सुरक्षित और पारदर्शी बना रही हैं।

यूपीआई से निकाल सकेंगे ईपीएफओ का पैसा

नई दिल्ली। पीएफ खाताधारकों के लिए बड़ी राहत की खबर है। अब जल्द ही ईपीएफओ से पैसा निकालना पहले के मुकाबले आसान हो सकता है। ईपीएफओ ने यूपीआई के जरिए पीएफ निकासी की सुविधा की टेस्टिंग शुरू कर दी है। इसके लिए ईपीएफओ ने कुछ बैंकों के साथ टेस्टिंग भी शुरू कर दी है। मनीकंट्रोल की एक रिपोर्ट के मुताबिक, यह सुविधा दिसंबर के अंत तक शुरू होने की उम्मीद है। हालांकि, अभी इसकी टेस्टिंग चल रही है और फाइनल लॉन्च की तारीख की घोषणा होना बाकी है।नई सुविधा शुरू होने के बाद ईपीएफओ सब्सक्राइबर्स को पीएफ का पैसा निकालने के लिए लंबी प्रक्रिया से नहीं गुजरना पड़ेगा। ईपीएफओ की योजना यूएएन पोर्टल को यूजर्स के यूपीआई अकाउंट से जोड़ने की है। इससे पीएफ निकासी की प्रक्रिया पहले के मुकाबले आसान और तेज हो सकती है। फिलहाल पीएफ निकालने के लिए कर्मचारी को यूएएन पोर्टल के जरिए ऑनलाइन क्लेम करना पड़ता है। क्लेम मंजूर होने के बाद ईपीएफओ पैसा कर्मचारी के बैंक अकाउंट में भेजता है। इसके बाद कर्मचारी उस पैसे का इस्तेमाल कर सकता है। नई व्यवस्था में इन सेवाओं को यूपीआई के साथ जोड़ने की तैयारी है। रिपोर्पीट के मुताबिक, ईएफओ एक नया ऐप भी लॉन्च कर सकता है, जिसे सब्सक्राइबर्स के बैंक अकाउंट से जोड़ा जाएगा। रिपोर्ट के मुताबिक, इस ऐप को भीम और दूसरे यूपीआई ऐप्स से भी जोड़ा जा सकता है।

देश के प्रमुख निवेश-अनुकूल राज्यों में शामिल मध्यप्रदेश, नए निवेश और औद्योगिक विस्तार में मिलेगा पूरा सहयोग : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

मध्यप्रदेश में 90 हजार करोड़ के निवेश प्रस्ताव, 13 हजार से अधिक रोजगार की संभावना, मुंबई में विभिन्न उद्योग प्रमुखों से वन-टू-वन चर्चा

भोपाल (स्वतंत्र मत)। मध्यप्रदेश में औद्योगिक निवेश को नई गति देने के लिये मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने गुरूवार मुंबई में देश के प्रमुख उद्योग समूहों के शीर्ष नेतत्व के साथ वन-टू-वन बैठकें की। फार्मा, टेक्सटाइल, सेमीकंडक्टर, औद्योगिक गैस, ट्रांसमिशन, टायर, आईटी और अधोसंरचना जैसे क्षेत्रों में निवेश की संभावनाओं पर हुई इन बैठकों में उद्योग समूहों ने मध्यप्रदेश में नई इकाईयाँ स्थापित करने और मौजूदा निवेश के विस्तार में रूचि दिखाई। कार्यक्रम में विभिन्न औद्योगिक समूहों द्वारा नवकरणीय ऊर्जा, टेक्सटाइल, फार्मास्यूटिकल्स, सूचना प्रौद्योगिकी, ऑटोमोबाइल, रियल एस्टेट, केमिकल तथा अन्य क्षेत्रों में लगभग 90 हजार करोड़ के निवेश प्रस्ताव प्रस्तुत किए गए। इन प्रस्तावों से प्रदेश में 14,375 रोजगार सृजित होने की संभावना है। निवेश प्रस्तावों में नवकरणीय ऊर्जा के क्षेत्र में 71 हजार 289 करोड़, टेक्सटाइल्स में 5 हजार करोड़, फार्मास्यूटिकल्स में 2 हजार 280 करोड़, रियल एस्टेट एक हजार करोड़, सूचना प्रौद्योगिकी में 200 करोड़, केमिकल उद्योग के क्षेत्र में 400 करोड़ का निवेश प्रस्ताव प्राप्त हुए हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रदेश की केंद्रीय भौगोलिक स्थिति, औद्योगिक भूमि की उपलब्धता, विकसित हो रही अधोसंरचना और कुशल कार्यबल उद्योगों के लिए महत्वपूर्ण अवसर प्रदान करते हैं।

सरकार का प्रयास है कि निवेशकों को भूमि, बिजली, पानी, सड़क, ऊर्जा और अन्य आवश्यक सुविधाएं सुगमता से उपलब्ध हों। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने मुंबई में आयोजित मध्यप्रदेश में निवेश की संभावनाओं पर संवाद कार्यक्रम अंतर्गत आरपीजी, वेलस्पन, आईनॉक्स, भिलोसा, इप्का और सन फार्मा के प्रमुखों से वन-टू-वन चर्चा की। बैठकों में विभिन्न क्षेत्रों की निवेश योजनाओं, संभावित स्थलों, परियोजनाओं के क्रियान्वयन, औद्योगिक सुविधाओं और आवश्यक प्रोत्साहनों पर विचार-विमर्श हुआ।

आरपीजी समूह ने ट्रांसमिशन, टायर और आईटी क्षेत्र में दर्शाई रुचि

मुख्यमंत्री डॉ. यादव से आरपीजी समूह के अध्यक्ष हर्ष गोयनका की मुलाकात में विद्युत पारेषण, टायर निर्माण और सूचना प्रौद्योगिकी क्षेत्र में निवेश की संभावनाओं पर विस्तृत चर्चा हुई। श्री गोयनका ने जबलपुर में विद्युत पारेषण क्षेत्र में निवेश करने की इच्छा व्यक्त की। प्रदेश की औद्योगिक अवसंरचना, भौगोलिक स्थिति और निवेश-अनुकूल नीतियों के आधार पर नई इकाइयों की स्थापना की संभावनाओं पर भी विचार किया गया। टायर निर्माण इकाई के लिए रतलाम, सागर और जबलपुर संभावित स्थलों के रूप में चर्चा में आए। समूह ने इन स्थानों पर उपलब्ध औद्योगिक सुविधाओं और आवश्यकताओं का आंकलन करने में रुचि दिखाई। उज्जैन के आईटी बिल्ट-अप पार्क की प्लग-एंड-प्ले सुविधाओं के उपयोग तथा संभावित निवेश स्थलों का दौरा कर व्यावसायिक संभावनाओं का आंकलन करने पर भी संवाद हुआ।

समूह की प्रमुख कंपनियों में केईसी इंटरनेशनल, सिएट और जेनसार टेक्नोलॉजीज शामिल हैं। आरपीजी समूह का मध्यप्रदेश से पुराना जुड़ाव है और केईसी इंटरनेशनल ने प्रदेश की विद्युत पारेषण अधोसंरचना के विकास में योगदान दिया है।

वेलस्पन समूह टेक्निकल टेक्सटाइल पार्क में निवेश की संभावनाएं तलाशेगा

वेलस्पन एंटरप्राइजेज लिमिटेड के प्रबंध निदेशक संदीप गर्ग से चर्चा में पाइप निर्माण, टेक्निकल टेक्सटाइल और अधोसंरचनात्मक क्षेत्र की निवेश योजनाओं पर विचार-विमर्श हुआ। समूह ने मिल की भूमि पर टेक्निकल टेक्सटाइल पार्क विकसित करने में निवेश तथा प्रस्तावित पार्क में एंकर यूनिट स्थापित करने की इच्छा व्यक्त की। स्थल का निरीक्षण करने के लिए समूह अपनी टीम भेजेगा। बैठक में वेलस्पन कॉर्प के एमएस लाइन पाइप क्षेत्र में 150 करोड़ रूपये के निवेश और सिंटेक्स के 700 करोड़ रूपये के प्रगतिरत निवेश पर भी चर्चा हुई। समूह की रायसेन और देवास में उपस्थिति तथा पाइप निर्माण एवं टेक्सटाइल गतिविधियों पर संवाद हुआ। वेलस्पन समूह प्रदेश में सड़क एवं राजमार्ग निर्माण सहित अन्य अधोसंरचना परियोजनाओं से भी जुड़ेगा। जल और अपशिष्ट जल प्रबंधन परियोजनाओं में समूह की सहभागिता की संभावनाओं पर भी विचार किया गया।

अति उच्च शुद्धता वाला सेमीकंडक्टर-ग्रेड सिलेन गैस संयंत्र करेगा स्थापित

आईनॉक्स एयर प्रोडक्ट्स लिमिटेड के प्रबंध निदेशक सिद्धार्थ जैन से औद्योगिक गैस एवं सेमीकंडक्टर क्षेत्र में निवेश पर चर्चा हुई। कंपनी के प्रस्ताव के अनुसार मध्यप्रदेश में 1,260 करोड़ रूपये के निवेश से देश का पहला अति-उच्च शुद्धता वाला सेमीकंडक्टर-ग्रेड सिलेन गैस संयंत्र स्थापित करने की योजना है। अप्रैल 2029 से उत्पादन प्रारंभ करना प्रस्तावित है। परियोजना से लगभग 350 करोड़ रूपये के आयात प्रतिस्थापन और 320 से अधिक स्थानीय रोजगार के अवसर सृजित होने की संभावना है। संवाद में नवीनतम तकनीक से सेमीकंडक्टर उद्योग में उपयोग होने वाली विशेष गैसों के उत्पादन के लिए लगभग 1,200 करोड़ रूपये के संभावित निवेश पर भी चर्चा हुई। इसके लिए लगभग 40 एकड़ भूमि की आवश्यकता जताई गई। प्राकृतिक गैस की उपलब्धता और गेल के आपूर्ति नेटवर्क के माध्यम से गैस की आपूर्ति से जुड़े विषयों पर भी विचार-विमर्श किया गया।

भिलोसा ने 7,500 करोड़ रूपये के चरणबद्ध निवेश की प्रस्तुत की योजना

प्रबंध निदेशक भिलोसा इंडस्ट्रीज संदीप जैन ने पीएम मित्र पार्क, धार को केंद्र में रखते हुए मध्यप्रदेश में चरणबद्ध रूप से कुल 7,500 करोड़ रूपये के निवेश और करीब 3,750 रोजगार के अवसरों की योजना प्रस्तुत की। कंपनी ने प्रारंभिक रूप से लगभग 2,500 करोड़ रूपये के पूंजीगत निवेश से कार्य शुरू करने तथा समग्र निवेश को चरणबद्ध रूप से आगे बढ़ाने की जानकारी दी। पीएम मित्र पार्क में टेक्सटाइल निर्माण के लिए 200 एकड़ और सहायक इकाइयों के लिए अतिरिक्त 100 एकड़ भूमि के संबंध में चर्चा हुई। भूमि के चयन की प्रक्रिया अंतिम चरण में बताई गई। कंपनी ने वर्ष 2028 से उत्पादन शुरू करने का लक्ष्य रखा है।

नर्सिंग सेवाओं में नवाचार और तकनीक के साथ संस्कारों का समावेश जरूरी : उप मुख्यमंत्री

भोपाल (स्वतंत्र मत)। उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल ने सेज यूनिवर्सिटी भोपाल में 11 वीं राज्य स्तरीय टीएनएआई कांफ्रेंस-2026 का उद्घाटन किया। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने कहा कि गर्भ संस्कार और नर्सिंग में इनोवेटिव टेक्नोलॉजी जैसे दो महत्वपूर्ण विषय इस सम्मेलन को विशेष बनाते हैं। उन्होंने कहा कि यदि बच्चों में अच्छे संस्कार बचपन से ही विकसित किए जाएं, तो वे बड़े होकर समाज के लिए महत्वपूर्ण संपत्ति बनते हैं। गर्भावस्था से ही मां और बच्चे के स्वास्थ्य और संस्कारों पर ध्यान देने से सुरक्षित मातृत्व को बढ़ावा मिलेगा और मातृ एवं शिशु मृत्यु दर में कमी लाने में भी मदद मिलेगी।उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने कहा कि सम्मेलन में विशेषज्ञों द्वारा नर्सिंग क्षेत्र से जुड़े विभिन्न विषयों पर दिए जाने वाले व्याख्यान और विचारों को केवल सुनना ही नहीं, बल्कि उनका मनन कर अपने आचरण और व्यवहार में उतारना भी जरूरी है। उन्होंने कहा कि नर्सें अस्पताल और फील्ड में मरीजों के साथ संवेदनशीलता और समर्पण के साथ कार्य करें और अपने कार्य से एक आदर्श नर्स के रूप में पहचान स्थापित करें, ताकि लंबे समय तक उनके सेवा कार्यों को याद किया जाए। रीडिफ़ाइनिंग क्लिनिकल प्रैक्टिस- एम्पावरिंग नर्सेस थ्रू इनोवेटिव टेक्नोलॉजी थीम पर आयोजित दो दिवसीय कांफ्रेंस में नर्सिंग शिक्षा, क्लीनिकल प्रैक्टिस, नवाचार एवं तकनीक के माध्यम से नर्सिंग सेवाओं को सशक्त बनाने से जुड़े विभिन्न विषयों पर विचार-विमर्श होगा। पहले दिन गर्भ संस्कार, सम्मानजनक मातृ देखभाल, प्रसव की तैयारी में नर्सों की भूमिका सहित महत्वपूर्ण विषयों पर सत्र आयोजित किए जा रहे हैं। इसके साथ व्यक्तित्व एवं नृत्य प्रतियोगिता तथा सांस्कृतिक कार्यक्रम भी होंगे। दूसरे दिन वैज्ञानिक सत्रों में नर्सिंग क्षेत्र के समकालीन विषयों पर विशेषज्ञ प्रस्तुतियां देंगे और समापन सत्र में पुरस्कार एवं प्रमाण-पत्र वितरण होगा। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने कहा कि ऐसे प्रयास सुरक्षित मातृत्व और बेहतर स्वास्थ्य सेवाओं की दिशा में महत्वपूर्ण हैं। उन्होंने सेज ग्रुप के संस्थापक अध्यक्ष एवं चांसलर संजीव अग्रवाल को आधुनिक शैक्षणिक परिसर विकसित करने और शिक्षा के साथ मानवीय संवेदनाओं और सामाजिक सरोकारों को जोड़ने के लिए बधाई दी।

नर्सिंग डिजिटलिया पुस्तिका एवं गर्भ संस्कार-नर्सेस प्रशिक्षण बुकलेट का किया विमोचन

सड़क पर गौवंश के कारण होने वाली दुर्घटनाओं पर लगेगा अंकुश : कलेक्टर

दमोह (स्वतंत्र मत)। जिले में निराश्रित एवं सड़क पर विचरण करने वाले गौवंश को सुरक्षित रूप से गौशालाओं तक पहुंचाने के लिए संचालित सड़क से गौशाला अभियान को अब और गति मिलेगी। अभियान के दौरान वाहनों की उपलब्धता में आ रही समस्या को देखते हुए कलेक्टर प्रताप नारायण यादव के निर्देश पर एनएचआई नेशलन हाइवे अथॉरटी ऑफइंडिया प्रबंधन द्वारा नया काउ लिफ्टर वाहन उपलब्ध कराया गया है। आज वाहन को हरी झंडी दिखाकर अभियान के लिए रवाना किया। कलेक्टर प्रताप नारायण यादव ने कहा अभियान का उद्देश्य गौवंश को सड़क पर बैठने और दुर्घटनाओं का शिकार होने से बचाना है। सड़क पर गौवंश के मौजूद रहने से आवागमन भी प्रभावित होता है तथा कई बार वाहन दुर्घटनाओं में गौवंश और आमजन दोनों घायल होते हैं। ऐसी घटनाओं पर अंकुश लगाने के लिए निराश्रित गौवंश को सुरक्षित रूप से गौशालाओं तक पहुंचाने का कार्य लगातार जारी रहेगा।

त्यौहारों को शांतिपूर्ण एवं भव्य बनाने समय पूर्व पूरी हों सभी व्यस्थाएं : कलेक्टर

शारदेय नवरात्र, दशहरा, दीपावली एवं गुरु नानक जयंती को लेकर शांति समिति की बैठक संपन्न

दमोह (स्वतंत्र मत)। शारदेय नवरात्र, गरबा, दशहरा चल समारोह, दीपावली एवं गुरु नानक जयंती सहित आगामी पर्वों को हर्षोल्लास, सौहार्द और शांतिपूर्ण वातावरण में मनाने के लिए प्रशासन द्वारा आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित कराई जायेगी। कलेक्टर प्रताप नारायण यादव की अध्यक्षता में आयोजित शांति समिति की बैठक में विशेष रूप से महिला एवं श्रद्धालु सुरक्षा, पंडालों एवं आयोजन स्थलों की सुरक्षाए स्वच्छता, प्रकाश, यातायात और विसर्जन व्यवस्था एवं जनसुविधाओ पर विस्तार से चर्चा की गई। बैठक में पुलिस अधीक्षक आनंद कलादगी सहित शांति समिति के सदस्य एवं संबंधित अधिकारी मौजूद रहे। कलेक्टर ने कहा सभी त्योहार धूमधाम एवं शांतिपूर्ण तरीके से संपन्न हों तथा किसी भी नागरिक को किसी प्रकार की असुविधा न हो, इसके लिए प्रशासन द्वारा आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित की जाएंगी। उन्होंने कहा नगर में साफ सफाई प्रमुख मार्गों पर पर्याप्त प्रकाश व्यवस्था, खराब सड़कों की मरम्मत सहित अन्य आवश्यक कार्य समय से पहले पूर्ण किए जाएं। उन्होंने आयोजकों से भी अपील की कि वे अपने.अपने आयोजनों में आवश्यक व्यवस्थाओं का विशेष ध्यान रखें और प्रशासन के साथ समन्वय बनाकर कार्य करें ताकि किसी भी प्रकार की अप्रिय स्थिति निर्मित न हो। कलेक्टर ने कहा शांति समिति की बैठक में जिले की गौरवशाली परंपराओं को लेकर भी चर्चा हुई। दमोह में लगभग 100 वर्षों से रावण दहन की परंपरा चली आ रही है। उन्होंने कहा रावण दहन के आयोजन के लिए दमोह का नाम देश के गिने-चुने स्थानों में आता है। इस परंपरा के 99 वर्ष पूर्ण हो चुके हैं और इस वर्ष 100 वर्ष पूरे होने जा रहे हैं। उन्होंने कहा जिस भव्यता और उत्साह के साथ अब तक रावण दहन का आयोजन होता आया है, उसी भावना के साथ इस वर्ष भी सभी मिलकर आयोजन को और गरिमामय मनाया जाये। पुलिस अधीक्षक आनंद कलादगी ने कहा आगामी त्यौहारों को दृष्टिगत रखते हुए सभी संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए गए। पुलिस प्रशासन द्वारा इस बार और बेहतर व्यवस्थाओं एवं सुदृढ़ सुरक्षा व्यवस्था के साथ त्यौहारों को शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराने की तैयारी की जा रही है। उन्होंने कहा त्यौहारों के दौरान कानून-व्यवस्था बनाए रखने के साथ आमजन को किसी प्रकार की असुविधा न होए इसका विशेष ध्यान रखा जाएगा।

आयोजक समितियों के साथ की चर्चा

इसके साथ ही विभिन्न त्यौहारों के आयोजक समिति के सदस्यों के साथ अलग से बैठक आयोजित कर आवश्यक व्यवस्थाओं की समीक्षा की जाएगी ताकि आयोजन स्थलों पर सुरक्षा, यातायात एवं अन्य व्यवस्थाएं और बेहतर ढंग से सुनिश्चित की जा सकें। बैठक में महिला एवं बालिकाओं की सुरक्षा पर विशेष जोर दिया गया। पुलिस अधीक्षक ने बताया कि प्रमुख आयोजन स्थलों पर शक्ति टीम की नियमित निगरानी रहेगी तथा आवश्यकता के अनुसार महिला पुलिस बल तैनात किया जाएगा।

पोषण कार्यशाला एवं व्यंजन प्रदर्शन के माध्यम से कुपोषण के खिलाफ सामूहिक पहल

दमोह (स्वतंत्र मत)।

महिला एवं बाल विकास विभाग एवं अंतरा फाउंडेशन के संयुक्त तत्वावधान में पोषण माह के तहत पोषण कार्यशाला एवं व्यंजन प्रदर्शन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम केवल एक आयोजन तक सीमित न रहकर कुपोषण के खिलाफ एक मजबूत सामूहिक पहल के रूप में सामने आया। इसका उद्देश्य समुदाय में पोषण के प्रति जागरूकता बढ़ाना तथा स्वस्थ खान.पान की आदतों को बढ़ावा देना था। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि जिपं अध्यक्ष रंजीता गौरव पटेल, जिपं उपाध्यक्ष मंजू धर्मेन्द्र कटारे, जनपद अध्यक्ष प्रीति कमल ठाकुर एवं विशिष्ट अतिथियों डिप्टी कलेक्टर रचना प्रजापति, हेड एवं प्रिंसिपल साइंटिस्ट, केवीके डॉ. एमके अहिरवार, साइंटिस्ट, केवीके बीएल साहू, एचओडी होम साइंस डॉ. आराधना श्रीवास, पोषण एवं आहार विशेषज्ञ डॉ. अमिता सिंह तथा परियोजना के सीडीपीओ द्वारा संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया गया। दीप प्रज्वलन के साथ ही कार्यक्रम का शुभारंभ सकारात्मक ऊर्जा एवं सामूहिक संकल्प के साथ हुआ। डिप्टी कलेक्टर रचना प्रजापति ने कहा अंतरा फाउंडेशन समुदाय एवं जमीनी कार्यकर्ताओं, दोनों के साथ मिलकर कार्य कर रहा है। इस प्रकार के कार्यक्रमों से यह सीखने को मिलता है कि उपलब्ध संसाधनों का बेहतर उपयोग करके प्रभावी परिणाम कैसे प्राप्त किए जा सकते हैं। जिला पंचायत अध्यक्ष रंजीता पटेल ने कहा जिले की विभिन्न परियोजनाओं से आई आंगनवाड़ी कार्यकर्ता बहनें स्थानीय स्तर पर उपलब्ध अनाज, दालें, हरी सब्जियाँ, मौसमी फल तथा टेक होम राशन टीएचआर/आंगनवाड़ी पोषाहार का उपयोग कर तैयार की गई पौष्टिक रेसिपियों का प्रदर्शन कर रही हैं। उन्होंने कहा कि यह केवल एक प्रतियोगिता नहीं बल्कि एक.दूसरे से सीखने और अनुभव साझा करने का अवसर भी है। कार्यक्रम में जिले की सभी परियोजनाओं की आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं ने अपनी-अपनी परियोजनाओं का प्रतिनिधित्व करते हुए भाग लिया। प्रतियोगिता में प्रथम स्थान दमोह ग्रामीण परियोजना, द्वितीय स्थान जबेरा परियोजना तथा तृतीय स्थान पथरिया परियोजना ने प्राप्त किया। कार्यक्रम के अंत में सभी प्रतिभागियों एवं अतिथियों का आभार व्यक्त किया गया। अंतरा फाउंडेशन के कार्यक्रम निदेशक पीयूष भट्ट, दमोह जिले के डिस्ट्रिक्ट लीड रवि यादव के साथ-साथ जिले एवं ब्लॉक स्तर की समस्त टीम उपस्थित रही।

हड्डी एवं जोड़ रोग का नि:शुल्क परामर्श शिविर कल

हटा (स्वतंत्र मत)। हड्डी एवं जोड़ रोग तथा घुटनों से संबंधित समस्याओं के मरीजों के लिए कल 10 अक्टूबर शनिवार को हटा में विशेष नि:शुल्क परामर्श शिविर आयोजित किया जाएगा। शिविर में शाल्बी हॉस्पिटल जबलपुर के जॉइंट रिप्लेसमेंट सर्जन डॉ. विकास सावला द्वारा मरीजों को विशेषज्ञ परामर्श दिया जाएगा। शिविर में घुटनों के दर्दए जोड़ संबंधी समस्याओं एवं जॉइंट रिप्लेसमेंट से संबंधित आवश्यक मार्गदर्शन दिया जाएगा। साथ ही रोबोटिक जॉइंट रिप्लेसमेंट सर्जरी की जानकारी भी दी जाएगी।

स्वामित्व योजना का प्रचार-प्रसार पात्र हितग्राहियों के लिए ई सेवा ऐप से आवेदन शुरू

दमोह (स्वतंत्र मत)।

कलेक्टर प्रताप नारायण यादव के निर्देशन में तहसीलदार आशुतोष गुप्ता एवं नायब तहसीलदार अटल वर्मा द्वारा स्वामित्व योजना की जानकारी देते हुए ग्रामीण क्षेत्रों में इसका प्रचार-प्रसार किया गया। इस दौरान ग्रामीणों को योजना के उद्देश्य, लाभ एवं आवेदन प्रक्रिया के संबंध में जानकारी दी गई। अधिकारियों ने बताया कि स्वामित्व योजना के तहत ग्रामीण क्षेत्रों की आबादी भूमि का सर्वे कर पात्र परिवारों को उनकी संपत्ति का कानूनी मालिकाना हक उपलब्ध कराया जाता है।

संपत्ति संबंधी दस्तावेज एवं प्रॉपर्टी कार्ड मिलने से ग्रामीणों को अपनी संपत्ति के अधिकार का प्रमाण प्राप्त होता है। साथ ही संपत्ति के आधार पर बैंक ऋण प्राप्त करने में सुविधा तथा भूमि एवं संपत्ति संबंधी विवादों में कमी लाने में मदद मिलती है। इस दौरान ग्रामीणों से योजना का लाभ लेने के लिए अपनी केवाईसी प्रक्रिया पूर्ण कराने की अपील की गई।

जबेरा में कांग्रेस का विरोध प्रदर्शन

जबेरा (स्वतंत्र मत)। लोकतंत्र एवं संविधान की रक्षा तथा निर्वाचन व्यवस्था में पारदर्शिता और निष्पक्षता की मांग को लेकर गुरुवार को ब्लॉक कांग्रेस कमेटी जबेरा के नेतृत्व में विरोध प्रदर्शन किया गया। प्रदर्शन के बाद कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने तहसील कार्यालय पहुंचकर नायब तहसीलदार राजेश साहू को राष्ट्रपति के नाम ज्ञापन सौंपा। अभा कांग्रेस कमेटी के निर्देशानुसार 8 अक्टूबर को देश भर में कांग्रेस द्वारा विरोध प्रदर्शन किया गया। इसी क्रम में जबेरा में भी कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने प्रदर्शन किया। कांग्रेस की ओर से दिए गए ज्ञापन में लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी, प्रियंका गांधी तथा इंडिया गठबंधन के सांसदों के साथ कथित दुर्व्यवहार, बल प्रयोग एवं लाठीचार्ज को लेकर आपत्ति जताई गई। कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने संबंधित मामले में एफआईआर दर्ज कर कानूनी कार्रवाई की मांग की।

CHANGE OF NAME

I, WAS KNOWN AS MANDEEP KAUR MAAN AFTER MARRIAGE I, HAVE CHANGED MY NAME AND HENCEFORTH I,SHALL BE KNOWN AS MANDEEP KAUR W/O HARMEET SINGH SABBARWAL RESIDENT OF H.NO. 110, NEAR HOME GUARD TRAINING CENTER KHAMARIYA, NEAR GOKULNAGARI, JABALPUR (M. P.) 482005.

नाम परिवर्तन सूचना

मैं विनीत सेन Vineet Sen पिता श्री मिट्ठू लाल सेन वर्तमान निवासी- 14/37, विजय नगर, स्टेट बैंक ऑफ इंडिया रीजनल ऑफिस के पास, करमेता जिला जबलपुर म.प्र. 482002 शपथपूर्वक कथन करता हूं कि - 1. यह कि मैं उपरोक्त पते पर निवास करता हूं। 2. यह कि मेरे समस्त दस्तावेजों जैसे मेरे आधार कार्ड, पेन कार्ड, बैंक पासबुक, में मेरा पूरा नाम विनीत सेन Vineet Sen दर्ज है, तथा मैं सभी शासकीय-अशासकीय विभाग में अपना यही नाम लिखता पढ़ता हूं। 3. यह कि मेरी अंकसूची में मेरा नाम अंग्रेजी में Vineet Kumar Sen दर्ज है। 4. इस Vineet Sen एवं Vineet Kumar Sen मेरे यानि एक ही व्यक्ति के नाम हैं।

मुझे विनीत सेन Vineet Sen पिता श्री मिट्ठू लाल सेन के नाम से जाना पहचाना लिखा पढ़ा जावे।

पुराना नाम
Vineet Kumar Sen
मेरा सही वर्तमान नाम
Vineet Sen

नाम परिवर्तन सूचना

मैं प्रेमवती यादव पति श्री कन्हैया लाल यादव उम्र 45 वर्ष निवासी 25552/ई गोराबाजार धोबीघाट जबलपुर म.प्र.

1. यह है कि विवाह से पूर्व बचपन मायके मे मेरा नाम पिंकी था, तथा मेरे पिता जी ने मेरे खाते में मेरे नाम पिंकी दर्ज करवाया था।
2. यह कि वर्तमान मे मेरे गृहस्थ जीवन में मेरा नाम चालू व व्यवहाररिक है।
3. यह कि मेरे आधार कार्ड, वोटर कार्ड, पहचान पत्र स्कूल के दस्तावेज कानूनी एवं सरकारी दस्तावेज आदि में मेरा नाम प्रेमवती यादव है।
4. यह कि खाते में दर्ज नाम पिंकी यादव और मेरे अन्य सभी कानूनी दस्तावेजो मे दर्ज नाम प्रेमवती यादव ये दोनो नाम एक ही महिला यानी मेरे ही है।
5. यह कि भविष्य में दोनो नामो के एक होने किसी भी व्यक्ति संस्था या विभाग कोई आपत्ति या परेशानी नहीं होगी। यदि कभी कोई विवाद उत्पन्न होता है तो उसकी पूर्ण जिम्मेदारी मेरी होगी।

शपथकर्ता
प्रेमवती यादव

कार्यालय संभागीय अधिकारी संभाग क्रमांक -11 नगर निगम, जबलपुर

पत्र क्र./सं.क्र.11/26-27/167

दिनांक 08.10.2026

भवन नामांतरण सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है श्री अभिषेक श्रीवास्त्री पिता एम.के. श्रीवास्त्री ने वार्ड क्रमांक 66 वार्ड का नाम रानी लक्ष्मी बाई के भवन क्रमांक प्लाट नं. 23 राजुल सिटी बिलहरी सम्पत्ति के पिन क्रमांक 1001806827 से नया पिन पर दर्ज भूमि का क्षेत्रफल 1810 व.फु. जिस पर निर्मित भूतल 905 व.फु. निर्मित 725 व.फु. पर निम्न दस्तावेज विक्रय पत्र के आधार पर निगम में दर्ज श्री ब्रजेश कुमार उपाध्याय पिता रविन्द्र उपाध्याय प्रीति उपाध्याय W/O ब्रजेश कुमार उपाध्याय का नाम हटाए जाने एवं आवेदक के नाम से नाम परिवर्तन किए जाने पर जिस किसी को भी उक्त नाम परिवर्तन पर आपत्ति हो तो वे इस प्रकाशन की तिथि से 15 दिन के अंदर कार्यालय संभाग क्रमांक 11 राजा गोकुलदास धर्मशाला नगर निगम जबलपुर में प्रमाण सहित आपत्ति प्रस्तुत करें।

संभागीय अधिकारी
संभाग क्रमांक-11
नगर निगम, जबलपुर

म.प्र. गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मण्डल
भेड़ाघाट रोड, धनवंतरी नगर, जबलपुर
म.प्र. पिन-482003

भवन लीज हस्तांतरण/ नामांतरण हेतु सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि शिवनगर दमोहनाका जबलपुर में भूखण्ड क्रमांक 686 श्रीमति मालती बाई साहू पति श्री कन्छेदीलाल साहू के नाम आवंटित है, जिसका विक्रय विलेख दिनांक 02.06.2001 को आवंटी के पक्ष में निष्पादित हो चुका है। उक्त भूखण्ड श्रीमति मालती बाई साहू पति श्री कन्छेदीलाल साहू ने पंजीकृत विक्रय विलेख दिनांक 30.03.2005 के माध्यम से श्री सुधीर खरे पिता श्री राम कृपाल खरे एवं श्रीमति गायत्री खरे पति श्री सुधीर खरे को विक्रय किया है। अतः श्री सुधीर खरे पिता श्री राम कृपाल खरे एवं श्रीमति गायत्री खरे पति श्री सुधीर खरे द्वारा उक्त भूखण्ड उनके नाम लीज हस्तांतरण हेतु दस्तावेज / आवेदन इस कार्यालय में प्रस्तुत किये गये हैं। यदि किसी व्यक्ति, संस्था आदि को उपरोक्त लीज हस्तांतरण (भवन/भूखण्ड) बाबत् आपत्ति हो तो इस सूचना के प्रकाशित होने से 15 दिवस के अंदर लिखित में वैद्य आपत्ति सप्रमाण प्रस्तुत कर सकते हैं। निर्धारित अवधि के पश्चात् लीज हस्तांतरण की कार्यवाही कर दी जावेगी। जिस पर किसी की कोई आपत्ति मान्य नहीं होगी।

संपदा अधिकारी म.प्र. गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मण्डल,प्रक्षेत्र जबलपुर

मंत्री राकेश सिंह ने की आमजन से भेंट

समस्याएं सुलझाने अधिकारियों को दिए निर्देश

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। लोक निर्माण मंत्री राकेश सिंह ने मदन महल के पास नागपाल गार्डन स्थित कार्यालय में आमजन से भेंट कर उनकी समस्याएं सुनीं। मंत्री श्री सिंह ने आवेदकों के पास पहुंचकर उनके आवेदन स्वमयं लिए और संबंधित अधिकारियों को समस्याओं के शीघ्र निराकरण के निर्देश दिए। मंत्री श्री सिंह ने आवेदकों से उनकी समस्या के संबंध में जानकारी लेकर संबंधित अधिकारियों को इसके निराकरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

आयुष्मान भारत योजना से मुंबई में हुआ उपचार

हृदय रोग से ग्रसित बालक को मिला नया जीवन

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम अंतर्गत हृदय रोग से ग्रसित 10 वर्ष के बालक का सुभाष शुक्ला जिला प्रबंधक, राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम द्वारा तत्काल कार्यवाही करते हुये बालक का रजिस्ट्रेशन कराकर परिजन की सहमति उपरांत बालक को नारायणा हृदयालय मुम्बई रैफर किया गया। उक्त चिकित्सालय में बालक की सफल सर्जरी नि:शुल्क की जाकर नया जीवन प्रदान किया गया।

13 ईएचटी सबस्टेशनों में बढ़ाई 222 एमवीएआर क्षमता

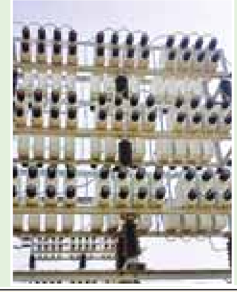

एमपी ट्रांसको ने बढ़ाई रिएक्टिव पावर कंपनसेशन क्षमता

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। मप्र पावर ट्रांसमिशन कंपनी ने रबी सीजन के ठीक पहले अपने ट्रांसमिशन नेटवर्क की रिएक्टिव पावर कंपनसेशन क्षमता में उल्लेखनीय वृद्धि की है। इसके परिणामस्वरूप जबलपुर सहित पूरे प्रदेश के एक्स्ट्रा हाई टेंशन सबस्टेशनों में वोल्टेज प्रोफाइल बेहतर हुआ है तथा कृषि उपभोक्ताओं सहित सभी उपभोक्ताओं को अधिक स्थिर, गुणवत्तापूर्ण और मानक वोल्टेज पर विद्युत आपूर्ति मिल रही है।

खेल मैदान में प्रतिभाओं का प्रदर्शन, जीते पदक

हितकारिणी महोत्सव में स्कूल, कॉलेज स्टुडेंट्स में दिखा उत्साह

फोटो-अनिल तिवारी

जबलपुर (स्वतंत्र मत)

हितकारिणी सभा विद्या परिषद द्वारा आयोजित हितकारिणी महोत्सव 2026 के अंतर्गत विभिन्न साहित्यिक, सांस्कृतिक एवं खेलकूद गतिविधियों की श्रृंखला में गुरुवार को रविशंकर शुक्ल स्टेडियम में खेलकूद प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। प्रतियोगिताओं में हितकारिणी सभा द्वारा संचालित स्कूल एवं कॉलेजों के खिलाडियों ने उत्साहपूर्वक भाग लेकर अपनी खेल प्रतिभा एवं खेल भावना का प्रदर्शन किया।

मार्चपास्ट के साथ शुभारंभ

उद्घाटन समारोह की मुख्य अतिथि जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की सचिव एवं न्यायाधीश शक्ति वर्मा रहीं। कार्यक्रम की अध्यक्षता हितकारिणी सभा की सभापति सुनयना पटेरिया ने की। विशिष्ट अतिथियों में हितकारिणी सभा के मंत्री बाबू विश्वमोहन, उपसभापति अशोक गुप्ता, हितकारिणी सभा विद्या परिषद के अध्यक्ष समर सिंह गायकवाड, हितकारिणी प्रशिक्षण महिला महाविद्यालय के शासी निकाय अध्यक्ष संदीप गोलछा एवं हितकारिणी कॉलेज देवताल के अध्यक्ष शिवदत्त मिश्रा उपस्थित रहे। अतिथियों ने मार्चपास्ट के साथ एनसीसी कैडेट्स और खिलाड़ियों से समूह सलामी ली।

100 एवं 400 मीटर दौड़ प्रतियोगिताओं के परिणाम

विद्यालय स्तर के बालिका वर्ग की 100 मीटर दौड़ में दरक्षा खातून प्रथम, ममता लोधी द्वितीय और अंशिका रजक तृतीय रहीं। बालक वर्ग की 100 मीटर दौड़ में श्रेयांश यादव ने प्रथम, ओम यादव ने द्वितीय और राघवेन्द्र ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। 400 मीटर बालक वर्ग में अंश साहू प्रथम, साहिल द्वितीय और ओर यादव तृतीय रहे। बालिका वर्ग की 400 मीटर दौड़ में देविका ने प्रथम, वैष्णवी ने द्वितीय और सरस्वती ने तृतीय स्थान हासिल किया। महाविद्यालय स्तर पर महिला वर्ग की 400 मीटर दौड़ में आरती प्रथम, साक्षी द्वितीय और आकृति विश्वकर्मा तृतीय रहीं। पुरुष वर्ग में करण ने प्रथम, आयुष ने द्वितीय तथा निहार शर्मा ने तृतीय स्थान प्राप्त किया।

विजेताओं का मेडल, प्रमाण-पत्र से सम्मान

समापन एवं पुरस्कार वितरण समारोह के मुख्य अतिथि हितकारिणी सभा अध्यक्ष एवं पूर्व विधायक नित्य निरंजन खम्परिया रहे। विशिष्ट अतिथि हितकारिणी कॉलेज देवताल के अध्यक्ष शिवदत्त मिश्रा उपस्थित रहे, जबकि अध्यक्षता विद्या परिषद के सचिव जयेश राठौर ने की। अतिथियों ने विजेता खिलाड़ियों को मेडल एवं प्रमाण-पत्र प्रदान कर उनका उत्साहवर्धन किया। कार्यक्रम में विभिन्न स्कूलों एवं कॉलेजों के प्राचार्य, शिक्षक और क्रीड़ा प्रभारी उपस्थित रहे। आभार प्रदर्शन विद्या परिषद के सचिव जयेश सिंह राठौर ने किया। संचालन विद्या परिषद के संयोजक राजीव श्रीवास्तव ने किया। आयोजन में डॉ अनूप तिवारी, दिनेश सिंह ठाकुर, राजीव श्रीवास्तव, नरेश तिवारी, शेखर खम्परिया, राजेन्द्र तिवारी सहित शिक्षकों एवं क्रीड़ा प्रभारियों का महत्वपूर्ण योगदान रहा।

मप्र हाईकोर्ट ने खारिज की आईपीस कैडर रिव्यू की याचिका

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। मप्र में आईपीस कैडर रिव्यू में कथित देरी को लेकर राज्य पुलिस सेवा के अधिकारियों के पक्ष में केंद्रीय प्रशासनिक अधिकरण (कैट), जबलपुर के आदेश को चुनौती देने वाली केंद्र सरकार की याचिका मप्र हाईकोर्ट की जबलपुर पीठ ने गुरुवार को प्रवेश स्तर पर ही खारिज कर दी। मप्र हाईकोर्ट ने कैट का आदेश बरकरार रखा। साथ ही केंद्र सरकार की उस दलील को स्वीकार नहीं किया गया, जिसमें कहा गया था कि कैडर रिव्यू की प्रक्रिया समय-समय पर और नियमानुसार होती रही है तथा इसमें कोई देरी नहीं हुई। दरअसल यह मामला मप्र पुलिस एसोसिएशन की ओर से दायर मूल आवेदन से जुड़ा है। कैट जबलपुर ने 9 जनवरी 2026 को आदेश जारी कर केंद्र और राज्य सरकार को अतिरिक्त आईपीएम कैडर रिव्यू की प्रक्रिया पूरी करने के निर्देश दिए थे। जिसके लिए 120 दिन की समय-सीमा तय की गई थी।

नहीं मानी केंद्र सरकार की दलील, प्रक्रिया आगे बढ़ाने का रास्ता साफ

स्वीकार नहीं की दलील

कैट के इस आदेश को केंद्र सरकार ने हाईकोर्ट में चुनौती दी थी। केंद्र की ओर से तर्क दिया गया कि कैडर रिव्यू की प्रक्रिया समयबद्ध तरीके से की जाती रही है और इसमें किसी तरह की अनावश्यक देरी नहीं हुई है। हालांकि, हाईकोर्ट ने यह दलील स्वीकार नहीं की और याचिका प्रवेश स्तर पर ही खारिज कर दी। इससे 9 जनवरी 2026 का आदेश प्रभावी बना हुआ है। जस्टिस विवेक रूसिया और जस्टिस प्रदीप मित्तल की डिवीजन बेंच ने गुरुवार को आदेश जारी किया। आदेश के बरकरार रहने से केंद्र और राज्य सरकार के लिए अतिरिक्त कैडर रिव्यू की प्रक्रिया आगे बढ़ाने का रास्ता साफ हो गया है।

राजीनामे का दबाव बनाने फरार आरोपियों ने चलाए बम

हत्या के प्रयास के मामले में फरार हैं आरोपी, शिकायत दर्ज कराने भटकते रहे पीड़ित

जबलपुर (स्वतंत्र मत)

घमापुर थाना क्षेत्र में हत्या के प्रयास के मामले में फरार आरोपियों द्वारा राजीनामा का दबाव बनाने और दहशत फैलाने बमबाजी करने का मामला सामने आया है। सबसे हैरानी की बात यह है कि पीड़ित द्वारा घटना की जानकारी देने और घटना सीसीटीवी फुटैज उपलब्ध कराने के बावजूद भी घमापुर पुलिस द्वारा शिकायत दर्ज करने पीड़ितों को ही थाने के चक्कर कटवाए जा रहे थे। घटना के दो दिन बाद पुलिस ने मामले में एफआईआर दर्ज की। जानकारी अनुसार दिनांक 21 सितंबर को अमन प्रजापति उम्र 20 वर्ष निवासी गोपाल होटल ने रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि 21 सितंबर को स्कूल की छुट्टी होने के बाद वह अपनी गाड़ी लेने के लिए होटल के सामने स्थित पार्किंग में गया था। पार्किंग के पास ऐश्वर्य नाहर और अभिषेक मोटरसाइकिल लेकर खड़े थे। जैसे ही अमन वहां पहुंचा, दोनों ने उसका हाथ पकड़कर जबरन अपनी मोटरसाइकिल पर बैठाने का प्रयास किया। जब अमन ने उनके साथ बैठने से मना कर दियाए तो ऐश्वर्य नाहर ने जान से मारने की नीयत से चाकू से हमला कर दिया। इस हमले में अमन के चेहरे के बाएं गाल और होंठ पर गंभीर चोट आई है। वारदात को अंजाम देने के बाद दोनों आरोपी अपनी मोटरसाइकिल पर सवार होकर मौके से फरार हो गए। मामले में पुलिस ने हत्या के प्रयास सहित अन्य धाराओं के तहत मामला दर्ज किया था। लेकिन आरोपियों को पुलिस अभी तक गिरफ्तार नहीं कर पाई है।

सीसीटीवी कैमरे में कैद हुई घटना

पीड़ित ने बताया कि फरार आरोपी ऐश्वर्य नाहर, अभिषेक द्वारा उसके ऊपर मामले में राजीनामा करने का लगातार दबाव बनाया जा रहा है। दो दिन पूर्व भी आरोपियों ने राजीनामा के लिए दहशत फैलाने के उद्देश्य से उसके घर में बमबाजी की घटना को अंजाम दे दिया। पूरा घटनाक्रम सीसीटीवी कैमरे में भी रिकार्ड हो गया। बताया जा रहा है कि घटना को अंजाम देने वाले आरोपी आदतन अपराधी हैं।

17 पटवारी हुए निलंबित

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। फार्मर रजिस्ट्री, बकेट क्लेम, पीएम किसान योजना, किसानों की ई-केवायसी तथा स्वामित्व अधिकार अभिलेखों के निष्पादन जैसे महत्वपूर्ण शासकीय कार्यों में लापरवाही और अनुशासनहीनता बरतने पर जिले में पदस्थ के 17 पटवारियों को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया है। इसके साथ ही दो पटवारियों की दो-दो वेतन वृद्धि असंचयी प्रभाव से रोकी गई है तथा 164 पटवारियों को कारण बताओ नोटिस जारी किये गये हैं। चार पटवारियों को, अनुविभागीय राजस्व अधिकारी शहपुरा मदन सिंह रघुवंशी द्वारा शहपुरा तहसील में पदस्थ दो पटवारियों को, अनुविभागीय राजस्व अधिकारी सिहोरा श्रीमती ज्योति परस्ते द्वारा सिहोरा तहसील में पदस्थ दो, मझौली और पोंड़ा तहसील में पदस्थ एक-एक पटवारी को तथा अनुविभागीय राजस्व अधिकारी कुण्डम सुश्री प्रगति गणवीर द्वारा कुंडम तहसील में पदस्थ एक पटवारी को शासकीय दायित्वों के निर्वहन में लापरवाही और अनुशासनहीनता बरतने पर निलंबित किया गया है।

आज धूमधाम से निकाली जाएगी भगवान श्रीराम की बारात

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। गोविंदगंज रामलीला की 162वीं श्रीराम बारात आज शुक्रवार शाम धूमधाम और श्रद्धामय वातावरण में निकाली जाएगी। अध्यक्ष पं. अनिल तिवारी ने बताया कि श्रीराम बारात शायं सात बजे रामलीला प्रांगण से प्रारंभ होगी। उत्तर मध्य के विधायक अभिलाष पांडे सहित नगर के जनप्रतिनिधि और विशिष्ठजन भगवान की पूजन-अर्चन कर बारात में शामिल होंगे। बारात में गुरुवर विश्वामित्र के साथ राम-लक्ष्मण, महाराज दशरथ के साथ भरत-शत्रुघन सहित कई धर्ममयी झांकियां शामिल होंगी। बारात रामलीला भवन से गुड़हाई, कोतवाली, कमानिया, फुहारा, बड़े महावीर, पांडे चौक, बल्देवबाग, चेरीताल, गोपालबाग, दमोह नाका होते हुए वापस रामलीला प्रांगण में संपन्न होगी। श्री तिवारी ने बताया कि परंपरा अनुसार पंचकोषी मंदिर निवाड़गंज में भगवान की बारात का जनवासा रहेगा। यहां की व्यवस्था नगर पूर्व कांग्रेस अध्यक्ष दिनेश यादव, संजय गोस्वामी सहित अन्य श्रद्धालुओं द्वारा की जाएगी। उन्होंने यात्रा मार्ग के समस्त प्रतिष्ठान, आसाव में तोरण द्वार लगा प्रभु की अगवानी करने की अपील की है।

गढ़ा रामलीला हर्षोल्लास से मनाया गया राम जन्मोत्सव

ऐतिहासिक गढ़ा रामलीला के सिद्ध मंच पर मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान श्रीराम की मानव लीला का भव्य मंचन श्रद्धा, भक्ति और उल्लास के वातावरण में किया गया। रामलीला मैदान में आयोजित लीला का शुभारंभ भगवान गणेश एवं भगवान विष्णु की आरती के साथ हुआ। इसके उपरांत नारद मोह की लीला के अंतर्गत देवर्षि नारद के श्राप से वशीभूत परब्रह्म परमात्मा ने ऋषि वाणी को सत्य करने तथा जगत के कल्याण के लिए मानव रूप धारण किया। अयोध्या के महाराज दशरथ के राजमहल में भगवान विष्णु अपनी दिव्य शक्तियों सहित श्रीराम, लक्ष्मण, भरत एवं शत्रुघ्न के रूप में अवतरित हुए। प्रभु श्रीराम के जन्म का दृश्य आते ही पूरा रामलीला परिसर 'जय श्रीराम' के जयघोष से गूंज उठा। इस अवसर पर समिति के संचालक अशोक मनोध्याय, अध्यक्ष एवं निर्देशक राजेश मिश्रा, महामंत्री एडवोकेट अरुण दीक्षित आदि उपस्थित रहे।

दिव्यांग क्रीड़ा उत्सव दिव्य शक्ति का प्रतीक: राकेश सिंह

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सेवा, सुशासन और जनभागीदारी के संदेश से प्रेरणा लेते हुए सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत विभिन्न सेवा गतिविधियां आयोजित की जा रही हैं, दिव्यांगजनों के लिए आयोजित यह क्रिकेट मैच समाज में सकारात्मक सोच विकसित करने और 'सबके साथ, सबका सम्मान' की भावना को मजबूत करने का माध्यम बना है। दिव्यांग क्रीड़ा उत्सव दिव्य शक्ति का प्रतीक है एवं सामाज को यह संदेश देता है कि यदि आपके मन में कुछ करने का जोश जज्बा है तो आप उस लक्ष्य को प्राप्त कर सकते हैं यह बात प्रदेश के लोक निर्माण मंत्री राकेश सिंह ने सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत सेवा मेरा योगदान के तहत आयोजित दिव्यांग क्रीड़ा उत्सव में दिव्यांगजन क्रिकेट मैच के दौरान शहीद स्मारक गोलबाजार स्थित क्रिकेट टर्फ ग्राउंड में कही। भाजपा द्वारा आयोजित दिव्यांग क्रीड़ा उत्सव में लोक निर्माण मंत्री राकेश सिंह, सांसद आशीष दुबे, जिला अध्यक्ष रत्नेश सोनकर, जेडीए अध्यक्ष संदीप जैन, निगम अध्यक्ष रिकूँज विज आदि ने विजेताओं को पुरस्कार वितरित किए।

कांग्रेसियों ने काला दिवस मनाकर राष्ट्रपति के नाम सौंपा ज्ञापन

सिहोरा (स्वतंत्र मत)। जिला ग्रामीण अध्यक्ष संजय यादव के निर्देशन पर नगर कांग्रेस कमेटी सिहोरा अध्यक्ष पवन सोनी एवं ब्लॉक कांग्रेस के संयुक्त तत्वावधान में राहुल गांधी,प्रियंका गांधी एवं कांग्रेस के वरिष्ठ नेताओं और इंडिया ब्लाक के सांसदों के साथ हुए बर्बरता पूर्वक दुर्व्योहार एवं लाठी चार्ज के विरोध में काला दिवस मनाते हुए रेस्ट हाउस सिहोरा के सम्मुख एक सभा का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का संचालन अनुराग तिवारी ने किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रकाश कुरारिया ने की मुख्य अतिथि के रूप में अमोल चौरसिया उपस्थित रहे। पवन सोनी ने अपने उद्बोधन में विपक्ष की आवाज को बर्बरता से दबाने का प्रयास करना विनाश काले विपरीत बुद्धि का उदाहरण बतलाया, साथ ही कहा की इस तरह के कृत्य मोदी सरकार के ताबूत पर अंतिम कील साबित होंगे। प्रकाश कुररिया ने अपने अध्यक्षीय भाषण में बतलाया कि, ज्ञानेश कुमार ने अपने अपने पद की गरिमा खो दी थी वे मात्र भाजपा के हाथ की कठपुतली रह गए हैं परंतु अब जनता जाग गई है और अब इनका अंत निकट है। इस दौरान सचिन श्रीवास्तव, संजय गुप्ता, लटोरी , आशीष व्यौहार आदि उपस्थित रहे।

परिवर्तित मार्ग से चलेगी जबलपुर-कोयंबटूर एक्सप्रेस

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। मुंबई मंडल के कसारा स्टेशन पर आसनगांव-कसारा तीसरी रेल लाइन परियोजना के अंतर्गत कल्याण-इगतपुरी रेलखंड पर ट्रैफिक एवं पावर ब्लॉक लिया जा रहा है। इस कार्य के कारण विभिन्न तिथियों में कुछ ट्रेनों के परिचालन मार्ग में परिवर्तन किया गया है। इसके चलते पश्चिम मध्य रेलवे से होकर संचालित होने वाली दो ट्रेनें अपने निर्धारित मार्ग के स्थान पर परिवर्तित मार्ग से संचालित होंगी। गाड़ी संख्या 12188 सीएसएमटी-जबलपुर गरीबरथ एक्सप्रेस दिनांक 15 अक्टूबर को छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस से प्रस्थान करने वाली यह ट्रेन अपने निर्धारित मार्ग के स्थान पर कल्याण-कर्जत-पुणे-मनमाड होकर जबलपुर पहुंचेगी। इस दौरान यह ट्रेन इगतपुरी एवं नाशिक रोड स्टेशन नहीं जाएगी। गाड़ी संख्या 02198 जबलपुर-कोयंबटूर एक्सप्रेस स्पेशल दिनांक 16 अक्टूबर को जबलपुर से प्रस्थान करने वाली यह ट्रेन अपने निर्धारित मार्ग के स्थान पर जलगांव-नंदुरबार-वसई रोड-पनवेल होकर कोयंबटूर पहुंचेगी। इस दौरान यह ट्रेन नाशिक रोड स्टेशन नहीं जाएगी।

फ्रांस से आया प्रतिनिधिमंडल, 200 करोड़ की लागत से संस्कारधानी को मिलेगी नई उड़ान

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। संस्कारधानी जबलपुर के शहरी विकास और अधोसंरचना को अधिक सुदृढ़ बनाने के लिए 'सिटीज 2.0' कार्यक्रम के तहत 200 करोड़ के महत्वाकांक्षी प्रोजेक्ट की शुरुआत हो चुकी है। इस योजना के माध्यम से शहर में अपशिष्ट प्रबंधन, स्वच्छ ऊर्जा और पर्यावरण संरक्षण के नए आयाम स्थापित किए जाएंगे, जिससे जबलपुर प्रदेश ही नहीं बल्कि देश के अग्रणी शहरों में शुमार होगा। होटल नर्मदा जैक्शन में आयोजित विशेष कार्यक्रम के दौरान फ्रांस से पधारे उच्चस्तरीय प्रतिनिधिमंडल का भव्य स्वागत किया गया। इस अवसर पर महापौर जगत बहादुर सिंह ''अन्नू'', निगमाध्यक्ष रिकुंज विज, कलेक्टर राघवेंद्र सिंह और निगमायुक्त रामप्रकाश अहिरवार सहित अधिकारी एवं प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

सिटीज 2.0 के अंतर्गत परियोजनाओं पर हुआ प्रस्तुतीकरण

विस्तृत कार्ययोजना का दिया प्रस्तुतीकरण

कार्यक्रम में नगर निगम प्रशासन द्वारा शहर में ठोस अपशिष्ट प्रबंधन को लेकर तैयार की गई विस्तृत कार्ययोजना का प्रस्तुतीकरण दिया गया। इसके तहत शहर में 100 टन प्रतिदिन क्षमता का सीबीजी प्लांट, 75 टन क्षमता का सीएंडडी वेस्ट प्लांट, नए मशीनीकृत ट्रांसफर स्टेशन, ऑटोमेशन तकनीक तथा आधुनिक निगरानी डैशबोर्ड विकसित किए जाएंगे महापौर जगत बहादुर सिंह अन्नू ने प्रतिनिधिमंडल का स्वागत करते हुए कहा कि जबलपुर निरंतर प्रगति की राह पर है।

जबलपुर का चयन गौरव की बात

निगमाध्यक्ष रिकुंज विज ने कहा कि सिटीज 2.0 के लिए जबलपुर का चयन शहर के नागरिकों के लिए बड़े गौरव की बात है। उन्होंने प्रशासनिक टीम और जनप्रतिनिधियों के एकजुट प्रयासों की सराहना करते हुए फ्रांसीसी प्रतिनिधिमंडल को मां नर्मदा की पावन आरती और शहर के अर्बन फॉरेस्ट भ्रमण का स्नेहमयी आमंत्रण भी दिया। कलेक्टर राघवेंद्र सिंह ने कहा कि शहर को स्वच्छ और प्रदूषण मुक्त बनाने के लिए स्वच्छ ऊर्जा और इलेक्ट्रिक वाहनों का उपयोग आज की सबसे बड़ी आवश्यकता है।

हितकारिणी प्रकाशन प्रायवेट लिमिटेड के लिए **प्रकाशक एवं मुद्रक- राम असरानी** द्वारा प्रेस काम्पलेक्स सिविक सेंटर जबलपुर से प्रकाशित एवं हितकारिणी प्रिंटिंग प्रेस, सिविक सेंटर जबलपुर से मुद्रित. **प्रबंध सम्पादक- सुबोध दुबे, सम्पादक- राजेन्द्र मिश्रा,** *पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयनार्थ उत्तरदायी।
ई-मेल-**smatjbp1@ gmail.com,** फोन- 0761-2411414, 4032436 समस्त विवाद जबलपुर न्यायालयाधीन. पोस्टल रजि. नं. एसएसपी जबलपुर/13/2026-28, **RNI No. 64561/96.**